जनजाति गौरव दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- हिंसा छोड़कर मुख्य धारा से जुड़ रहे नक्सली - 13

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार - 13

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन - 9

गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे पंत करेंगे कप्तानी - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

अयोध्या

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:47 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 98, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में 10वीं बार नीतीश सरकार

मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, कैबिनेट में 26 मंत्री शामिल, इनमें से 3 महिलाएं

- मंत्रिमंडल में भाजपा के 14, जदयू के 8, लोजपा के 2 मंत्री शामिल
- शपथ में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं। समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की।

इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं। शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं। जमुई से लगातार दूसरी बार निर्वाचित पुरस्कार विजेता निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी और औराई से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रमा निषाद को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। जदयू के नौ बार के विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव भी एक बार फिर मंत्रिमंडल में लौटे हैं।

पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गमछा लहराते हुए प्रधानमंत्री, साथ में हैं नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का 'गमछा' लहराना बना आकर्षण

पटना। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गमछा' लहराना भीड़ के आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराया, गांधी मैदान में मौजूद करीब तीन लाख लोगों की भीड़ में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और उप्र, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों का मन मोह लिया।

विधेयकों की स्वत: स्वीकृति की अनुमति नहीं देता संविधान

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि निर्धारित समय सीमा की समाप्ति के बाद, विधेयकों पर राज्यपाल या राष्ट्रपति की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) कार्यपालिका के कार्यों को न्यायपालिका द्वारा अपने हाथों में लेने जैसा है, जो अस्वीकार्य है।

न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए न्यायालय द्वारा लंबित विधेयकों पर स्वतः स्वीकृति की अवधारणा वस्तुतः एक अलग संवैधानिक प्राधिकार की भूमिका और कार्य को अपने हाथ में लेने की तरह है। इस संबंध में राष्ट्रपति द्वारा राय मांगे जाने पर प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 के संदर्भ में 'स्वतः स्वीकृति' की अवधारणा यह कहती है कि एक संवैधानिक प्राधिकार, यानी न्यायालय, किसी अन्य संवैधानिक पदाधिकारी, अर्थात राज्यपाल या राष्ट्रपति की भूमिका नहीं निभा सकता है। पीठ ने कहा, राज्यपाल के कार्य और इसी प्रकार राष्ट्रपति के कार्यों को इस तरह से हड़पना न केवल संविधान की भावना के प्रतिकूल है, बल्कि विशेष रूप से 'शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत' के भी प्रतिकूल है - जो भारतीय संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 पर निर्भरता संवैधानिक प्रावधानों का अतिक्रमण नहीं है। अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश या डिग्री पारित करने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा, हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि समय सीमा की समाप्ति पर अनुच्छेद 200 या 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी, न्यायिक घोषणा के माध्यम से कोर्ट द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को अपने हाथ में लेने जैसा है, जो हमारे संविधान के तहत अस्वीकार्य है।

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती
- राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते

विधेयक रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं

एक महत्वपूर्ण फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर कोई समय-सीमा नहीं थोपी जा सकती है, तथा राज्यपालों के पास उन विधेयकों को हमेशा के लिए रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं हैं। न्यायालय ने कहा कि राज्यपालों के पास केवल तीन विकल्प हैं - या तो वे विधेयक को मंजूरी दें या उसे राष्ट्रपति के पास भेजें या फिर मंजूरी रोककर अनुच्छेद 200 के तहत पुनर्विचार के लिए उसे विधानमंडल को वापस भेजें। पीठ ने यह भी कहा कि विधेयकों को मंजूरी देने, रोक कर रखने या सुरक्षित रखने के राज्यपालों और राष्ट्रपति के निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते हैं। हमें इस अदालत के बाध्यकारी निर्णयों का अनुसरण नहीं करने का कोई कारण नहीं मिलता है...हमारा मानना है कि अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति के कार्यों पर अदालत विचार नहीं कर सकती।

ब्रीफ न्यूज

रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ एक और आरोप पत्र

नई दिल्ली। ईडी ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ब्रिटेन स्थित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में आरोप पत्र दाखिल किया। अभियोजन की शिकायत यहां विशेष धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) अदालत में दायर की गई है। वाड्रा के खिलाफ धनशोधन के मामले में यह दूसरा आरोप पत्र है। जुलाई में, ईडी ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक ज़मीन सौदे में कथित गड़बड़ियों से जुड़े धनशोध मामले में उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कई स्कूलों को गुरुवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले, जिन्हें बाद में फर्जी घोषित कर दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन स्कूलों में चाणक्यपुरी स्थित ब्रिटिश स्कूल और संस्कृति स्कूल, बाराखंभा स्थित मॉडर्न स्कूल, पश्चिम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल और श्री अरबिंदो मार्ग स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (एमआईएस) शामिल हैं। कई स्कूलों को भेजे गए ईमेल में कहा गया, मैं आपको एक अत्यंत गंभीर और जरूरी चेतावनी के साथ लिख रहा हूं। आपकी इमारत में कई बहुत शक्तिशाली बम रखे गए हैं जो किसी भी समय फट सकते हैं।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की मौत

अमित बर्नवाल, राहुल सिंह, संजू सिंह, दाऊद अंसारी।

- ऑयल सीड्स कंपनी में काम करते थे, सुबह काम के लिए जगाने पर मौतों का पता चला
- कमरे में वेंटीलेशन न होने से दम घुटने से मौत होने की आशंका, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: पनकी औद्योगिक क्षेत्र डी-58 में निर्माणाधीन ऑयल सीड्स कंपनी में बुधवार रात कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की दम घुटने से नींद में ही मौत हो गई। सुबह मौत का पता चलने पर हड़कंप मच गया। दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाले गए।

पुलिस कमिश्नर, जेसीपी, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल कर साक्ष्य एकत्र किए। चारों एक ही कमरे में सोये थे, जिसके एक कोने में अंगीठी में कोयला जलता मिला। फॉरेंसिक के अनुसार अंगीठी से निकली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस से दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। सभी युवक एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर के रहने वाले थे।

गोविंदनगर इलाके के रहने वाले वरुण कटारिया की पनकी इंडस्ट्रियल एरिया साइड दो स्थित डी-58 में निर्माणाधीन कटारिया एडिबल्स एलएलपी ऑयल सीड्स कंपनी है। जिसके निर्माण का जिम्मा इंदौर की आदित्य एंटरप्राइजेज कंपनी को सौंपा गया है। कंपनी में ज्यादातर फैब्रिकेटर (कुशल पेशेवर) देवरिया के रहने वाले हैं। जिसमें चारों दोस्त संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23), अमित वर्मा (32) और दाऊद अंसारी (25) एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर मुसहती तरकुलवा के थे। ये चारों एक कमरे में सोये थे। उनके तीन साथी दूसरे कमरे में सोये थे। गांव का ही नागेंद्र गुरुवार सुबह करीब छह बजे चारों को काम के लिए जगाने पहुंचा तब उसे घटना का पता चला। इस पर ठेकेदार के साथ पनकी पुलिस को सूचना दी गई। दरवाजा तोड़कर लोग अंदर पहुंचे तो चारों को मृत पाया।

उनके मुंह से सफेद झाग निकला था। सूचना पर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल, जेसीपी लॉ एंड आर्डर आशुतोष कुमार और एसडीएम सदर, फील्ड यूनिट, पनकी का फोर्स और फॉरेंसिक टीम पहुंची।

अल-फलाह का पूर्व छात्र बेग देश में कर चुका कई धमाके

नई दिल्ली, एजेंसी

- आजमगढ़ का रहने वाला है बेग, 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए कई विस्फोट, जांच में सामने आया सच

दिल्ली कार विस्फोट की जांच का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को इंडियन मुजाहिदीन के भगोड़े आतंकवादी और अल फलाह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मिर्जा शादाब बेग के बारे में एक नया सुराग मिला है।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बेग 2007 में अल फलाह विश्वविद्यालय में छात्र था, जब यह एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का मूल निवासी बेग 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के दस्तावेजों के अनुसार बेग ने 2007 में अल फलाह से बीटेक की पढ़ाई पूरी की

थी, उसी साल उसने गोरखपुर विस्फोट को अंजाम दिया था। सूत्र ने यह भी बताया कि बेग 2008 के हमलों के तुरंत बाद भारत से भाग गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. मुजम्मिल शकील विश्वविद्यालय में काम करता था।

दिल्ली धमाके के 4 आरोपी 10 दिन की एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को लालकिला विस्फोट मामले में चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। इन लोगों को 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। विस्फोट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले दिन में एनआईए ने उन्हें श्रीनगर में हिरासत में लिया और पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। एनआईए ने चारों आरोपियों से पूछताछ के लिए अदालत से 15 दिन की हिरासत का अनुरोध किया था।

- डॉ. मुजम्मिल, डॉ. अदील, मुफ्ती इरफान और डॉ. शाहीन सईद को दिल्ली कोर्ट में किया गया पेश

पुलिस ने कश्मीर टाइम्स के जम्मू कार्यालय पर छापा मारा

जम्मू। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने देश के खिलाफ गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में गुरुवार को यहां कश्मीर टाइम्स के कार्यालय पर छापा मारा। अखबार के खिलाफ देश के हितों के प्रतिकूल गतिविधियों का महिमामंडन करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एसआईए के अधिकारियों ने अखबार के परिसरों और कंप्यूटरों की गहन जांच की। प्रकाशन और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनसे पूछताछ किए जाने की संभावना है।

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन

लखनऊ। मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। वह 67 वर्ष के थे।

सिंह के बेटे सुजीत सिंह ने बताया, वह (सुधाकर सिंह) मंगलवार को दिल्ली से विमान से वाराणसी आए थे। दिल्ली हवाई अड्डे पर वह ठीक थे लेकिन वाराणसी हवाई अड्डे पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें इलाज के लिए वाराणसी में भर्ती कराया गया था और फिर बेहतर उपचार के लिए उन्हें लखनऊ ले जाया गया। पिता को देर रात लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार सुबह करीब सात बजे उनका निधन हो गया। उन्होंने चिकित्सकों के हवाले से बताया कि उनके पिता को हृदय संबंधी समस्याएं थीं। तीन बार विधायक रहे सुधाकर सिंह के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं।

अंबानी की 1452 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं।

एजेंसी ने पीएमएलए के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया, जिसके तहत मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटीऔर मिलेनियम बिजनेस पार्क, नवी मुंबई में स्थित कई इमारतों के साथ-साथ पुणे, चेन्नई और भुवनेश्वर में स्थित भूखंडों और इमारतों को कुर्क किया गया। एजेंसी ने बताया कि ये संपत्तियां 1,452.51 करोड़ रुपये मूल्य की हैं और आरकॉम तथा कुछ अन्य कंपनियों की हैं। एजेंसी ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं से संबंधितप मामले में इससे पहले 7,500 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की थीं। रिलायंस ग्रुप समूह के सूत्रों ने पहले कहा था कि डीएकेसी आरकॉम की परिसंपत्ति है जो पिछले छह वर्ष से दिवालियापन का सामना कर रही है।

- ईडी ने गुरुवार को रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले के तहत की कार्रवाई

भारत को एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और जेवलिन मिसाइल सिस्टम देगा अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है यह मिसाइल
- नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हुआ सौदा

अमेरिका ने भारत के लिए 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल', 'जेवलिन मिसाइल सिस्टम' और संबंधित उपकरणों की कुल नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका ने भारत को हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता एवं शांति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बताया है। अमेरिका ने यह भी कहा कि इस बिक्री से एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिसाइल टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है।

रक्षा सहयोग एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने भारत को अनुमानित लागत चार करोड़ 71 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल' और संबंधित उपकरणों की और अनुमानित लागत चार करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'जैवलिन मिसाइल सिस्टम' एवं संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। रक्षा सहयोग एजेंसी ने संसद को बिक्री की जानकारी देते हुए आवश्यक प्रमाणीकरण प्रदान किया। एजेंसी ने कहा, यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिका-भारतीय सामरिक संबंधों को मजबूत करने और एक ऐसे प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा में सुधार करने में मदद करके अमेरिका की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी जो हिंद-प्रशांत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है। एजेंसी ने कहा, सटीक क्षमता वाले उपकरणों की उपलब्धता से वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की भारत की क्षमता में सुधार होगा।

चिंतनीय | देश में पिछले पांच साल में रोगियों की संख्या में हुई बढ़ोतरी, 2020 में जहां 18,05, 670 थी वहीं 2024 में 26,17, 923 हो गई

डेढ़ गुना बढ़े टीबी रोगी, 2025 तक था खत्म करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में हुआ खुलासा

केंद्र सरकार ने साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था लेकिन देश में पिछले पांच साल में इसके रोगियों की संख्या में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गयी है।

2020 में जहां टीबी रोगियों की संख्या 18,05, 670 थी वहीं 2024 में इस संक्रामक रोग का शिकार होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 26,17, 923 हो गयी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत समाचार एजेंसी भाषा द्वारा दायर एक आवेदन के जवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

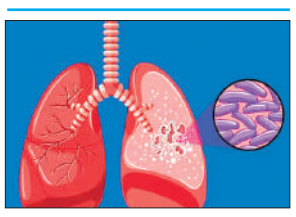

मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है। यह रोग मुख्य रूप से रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, टीबी के कुल मामलों की संख्या इस साल अक्टूबर तक 20,77,591 हो चुकी है। आरटीआई के मुताबिक, 2020 में टीबी के18,05,670, 2021 में 21,35,830, 2022 में 24,22,121, 2023 में 25,52,257 और 2024 में 26,17,923 मामले सामने आए थे।

ये आंकड़ें टीबी के मामलों में वृद्धि के परिचायक हैं। प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों की दर की बात की जाए तो यह 2020 में 131, 2021 में 153, 2022 में 172, 2023 में 179, 2024 में 183 और 2025 में 195 पर पहुंच गई। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित 'पल्मनोलॉजी रीजेंसी हॉस्पिटल'के कंसल्टेंट डॉ. आमिर नदीम ने बताया, टीबी की अगर समय पर पहचान न हो और उपचार न मिले तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य

आरटीआई के तहत केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां जून 2025 तक 3,83,987 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 2024 में यहां 6,81,779, 2023 में 6,32,872, 2022 में 5,22,850, 2021 में 4,53,712 और 2020 में 3,66,641 मामले सामने आए थे। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून 2025 तक 62,342 मामले, सामने आ चुके हैं जबकि पिछले चार वर्ष में यह आंकड़ा एक लाख को पार कर गया था। दिल्ली में 2024 में 1,05,343, 2023 में 1,00,523, 2022 में 1,06,731, 2021 में 1,03,038 और 2020 में 86,842 मामले सामने आए थे। टीबी से सबसे कम प्रभावित राज्यों की गिनती में लक्षद्वीप सबसे आगे हैं, जहां जून 2025 तक सिर्फ नौ मामले सामने आए हैं।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष

देवभूमि रजत उत्सव

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव

“ माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। ”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

“ 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। ”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

- समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
- राज्य में सशक्त भू कानून, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
- राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। अब तक ₹01 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
- राज्य के इतिहास में पहली बार पेश हुआ 1 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट।
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर किया 50 लाख रुपए। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
- राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार ₹14501 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ₹378240 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
- केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।
- कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों को सर्किट के रूप में जोड़ने का कार्य गतिमान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।
- राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ₹200 करोड़ के वेंचर फण्ड की स्थापना।
- वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर ₹1500 किया गया है। अब दोनों बुजुर्ग दंपत्ति को मिल रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ। वृद्धावस्था, विधवा, तथा दिव्यांग पेंशन का भुगतान 3 माह की जगह अब प्रत्येक माह होगा।
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

न्यूज ब्रीफ

आउटरीच अभियान आज

अयोध्या, अमृत विचार : सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा एक विशेष एमएसएमई क्रेडिट आउटरीच कैंपेन आज 21 नवम्बर शुक्रवार को सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया गोंडा शाखा में सुबह 10 बजे से आयोजित किया जा रहा है। बैंक के जोन कार्यालय द्वारा गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इसमें उद्योग की ज़रूरतों के अनुसार वित्तीय समाधान किया जाएगा।

माटी रतन सम्मान की घोषणा कल

अयोध्या, अमृत विचार : अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान से दिए जाने वाले माटी रतन सम्मान पाने वाले विशिष्ट लोगों के नाम की घोषणा 22 नवंबर शनिवार को की जाएगी। शहीदों के सम्मान में दिए जाने वाला यह एक मात्र लोक सम्मान है। संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्य कांत पांडेय ने बताया कि चयन के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति ने चयनित लोगों की सूची संस्थान को सौंप दी है।

ट्रैक्टर चालक को पीटा, दो पर केस

रुदौली अयोध्या, अमृत विचार। कोतवाली रुदौली के शंकरगढ़ गांव निकट ट्रैक्टर में डीजल डलवा कर जाते चालक धर्मेन्द्र कुमार निवासी गौरियामऊ की कुछ युवकों ने पिटाई कर दी। कोतवाल संजय मौर्य ने बताया कि तहरीर के आधार पर सचिन मिश्राख् सत्यम मिश्रा व दो अज्ञात व्यक्तियों पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल

रानी बाजार, अयोध्या, अमृत विचार। थाना पूराकलंदर अंतर्गत अयोध्या-रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर रानीबाजार में गुरुवार सुबह कार की टक्कर से राज रावत (22) पुत्र राजेश कुमार निवासी सीतारामपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हलका इंचार्ज केसी यादव ने बताया कि कार कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में लिया है। थाना प्रभारी संजीव सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों को किया गया सम्मानित

शुजागंज, अयोध्या। अमृत विचार : नशा मुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मवई ब्लॉक के अंतर्गत स्थित संत कबीर दास शिक्षण संस्थान,व बसौढी में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि हाईवे चौकी प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया। वेल्फेयर सोसाइटी चेयरमैन रमेश कुमार यादव ने नशे के दुष्परिणामों पर चर्चा की।

चाणक्य परिषद की बैठक 23 को

अयोध्या, अमृत विचार : अखिल भारतीय चाणक्य परिषद की आवश्यक बैठक 23 नवंबर रविवार को 12 बजे श्री भरत हनुमान मिलन मंदिर नंदीग्राम भरतकुंड में होगी। इसमें जिले के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सम्मानित ब्राह्मण बंधु भाग लेंगे। यह जानकारी परिषद के जिला मंत्री पं. ओमप्रकाश पांडे रज्जू ने दी।

निषाद राज की मूर्ति का अनावरण

अयोध्या, अमृत विचार : टेढ़ी बाजार तिराहे का नाम निषादराज चौराहा किए जाने के बाद गुरुवार को स्थापित राज गुह्य की मूर्ति का अनावरण महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने पूर्व सांसद लल्लू सिंह व नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्त के साथ किया। इस मौके पर प्रभु राम से निषाद राज की मित्रता को भी रेखांकित किया गया। महापौर ने कहा कि निषादराज प्रभु राम के अनन्य मित्र थे। राम की गाथा उनकी चर्चा के बगैर पूरी नहीं होती। भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के निदेशक रामनिहाल निषाद, निषाद समाज के अध्यक्ष संतोष निषाद, फिजिशियन डॉ. नानक शरन आदि मौजूद थे।

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

हैदरगंज, अयोध्या, अमृत विचार : थाना हैदरगंज क्षेत्र के कोरोराघवपुर मजरे बासूपुर गांव में गुरुवार दोपहर संजू (34) पत्नी प्रमोद विश्वकर्मा का शव कमरे में छत के कुंडे से साड़ी के फंदे से लटका मिला। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या मान रही है। घटना के समय पति खेत में आलू की सिंचाई करने और बच्चे विद्यालय गए थे। थाना प्रभारी विवेक कुमार राय ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के कारणों के बारे में पता किया जा रहा है।

सरयू तट पर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा व उनकी पत्नी उषा मिश्रा को कलश पूजन कराते वैदिक आचार्य।

सरयू घाट पर जय श्री राम का उद्घोष करते बटुक। अमृत विचार

कलश यात्रा के दौरान भगवान के बाल स्वरूप की मूर्ति सिर पर रखे हुए श्रद्धालु।

श्री राम मंदिर पर ध्वजारोहण के लिए अनुष्ठान शुरू

कलश यात्रा के बाद श्री राम मंदिर में किया प्रायश्चित कर्म पूजन ▪ सरयू तट से पीले वस्त्रों में 551 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : श्री राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के लिए गुरुवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान शुरू हो गया। यह अनुष्ठान पांच दिन तक चलेगा। श्री राम मंदिर परिसर में प्रायश्चित कर्म पूजन के बाद सरयू तट से कलश यात्रा निकाली गई।

अनुष्ठान के पहले दिन श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य और यजमान डॉ. अनिल मिश्र सपत्नीक प्रायश्चित कर्म पूजन किया। पूजन काशी के आचार्य गणेश्वर शास्त्री और आचार्य जयप्रकाश सहित अन्य वैदिक आचार्यों ने कराया। पूजन में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, दिनेन्द्र दास, गोपाल जी राव विशेष रूप से शामिल है। इसके बाद से सरयू तट पर मां सरयू के साथ कलश पूजन किया गया। पीले

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।

वस्त्रों में 551 मातृ शक्तियों ने सरयू तट से जयघोष के साथ कलश यात्रा निकाली। भगवा ध्वज लेकर 151 वैदिक बटुक चले। महिलाएं पारंपरिक धार्मिक गीत गाकर संपूर्ण वातावरण को अपने आराध्य श्री राम को समर्पित कर रही थीं। कलश यात्रा सरयू तट से वीणा चौराहा फिर राम पथ होते हुए श्रृंगार हॉट, दशरथ महल के बाद रंग महल बैरियर से होते हुए मंदिर के यज्ञ मंडप पहुंची, जहां सरयू जल से अन्य कर्मकांड शुरू किए गए।

अनुष्ठान के यजमान डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि पूजन विधि विधान से हो रहा है। बड़ी संख्या में आचार्य पूजन विधि के लिए लगे हुए हैं। प्रतिदिन छह घंटे पूजन का कार्यक्रम चलेगा। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल उपस्थित रहेंगी। कहा कि यह भारत के सम्मान का क्षण होगा।

स्वच्छता दूत बनेंगे 30 हजार बच्चे

अयोध्या, अमृत विचार : रामनगरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब रामलला के दरबार में हाजिरी लगाने आएंगे, तो उनके स्वच्छ भारत के संदेश को लेकर 30 हजार से ज्यादा बच्चे सहभागी होंगे। यह बच्चे अयोध्या को रामनगरी को स्वच्छ और प्लास्टिक-मुक्त नगरी बनाने का संकल्प भी लेंगे। इसे लेकर गुरुवार को महापौर गिरीश पति त्रिपाठी की अध्यक्षता में नगर क्षेत्र के सभी स्कूलों के शिक्षकों, प्रबंधकों आदि की जूम मीटिंग हुई। बीएसए लालचंद ने बताया बच्चों को बोला गया है पीएम अंकल को दिखाना है कि राम जी की नगरी में कचरा नहीं, केवल आध्यात्म और स्वच्छता है।

राम मंदिर के यात्री विश्रामालय में साहित्य प्रसार केंद्र शुरू

अयोध्या, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्षगांठ पर देश भर में विभिन्न आयोजन कर रहा है। इसी कड़ी में अयोध्या महानगर में व्यापक गृह संपर्क के साथ राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य द्वार पर स्थित यात्री सेवा केंद्र में साहित्य प्रसार केंद्र का उद्घाटन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सह संघचालक मुकेश तोलानी, महानगर प्रचारक सुदीप ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित किया। महानगर प्रचार प्रमुख अमित शंकर ने बताया कि संघ की योजना है कि अवध प्रांत के प्रत्येक जिले में साहित्य केंद्र खोला जाए उसी क्रम में इसकी शुरुआत की गई है। यहां यात्रियों के लिए बैठने, रेल आरक्षण, चिकित्सा, प्रसाधन, पेय जल की सुविधा के साथ अब अच्छे साहित्य को भी यात्री यहां से प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर राजेंद्र अग्रहरि, कमल गुप्ता, प्रशांत गौड़, सोमेश सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सेवादार भक्तों के लिए श्रीराम सेवा सदन में पूजन-अर्चन करते ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय।

ट्रस्ट ने किया श्रीराम सेवा सदन का उद्घाटन

अयोध्या, अमृत विचार : श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गुरुवार को राम मंदिर के सेवादार भक्तों के लिए श्रीराम सेवा सदन का शुभारंभ किया। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने वैदिक आचार्यों के साथ विधि विधान पूर्वक वास्तु पूजन अर्चन कर इस भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान व्यवस्था प्रभारी गोपाल जी राव, गजेंद्र कुमार, आशीष अग्निहोत्री समेत निर्माण जेंसी के अधिकारी व ट्रस्ट के सहयोगी सदस्य उपस्थित रहे। राम मंदिर के निकट श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा भक्तों की सुविधा के लिए रामनिवास मंदिर के प्रांगण में 2000 स्क्वायर फीट में श्री राम सेवा सदन का निर्माण किया गया है। जहां पर रुकने के बाद अनुमति प्राप्त समय में भक्तों को रामलला की सेवा करने का अवसर प्राप्त हो सकेगा। इस स्थान पर भक्तों के रुकने का स्थान और भोजन पानी की सुविधा भी उपलब्ध कराएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के व्यवस्था प्रमुख गोपाल जी राव ने बताया कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामकोट में मंदिर के निकट मंदिर परिसर में सेवा करने के लिए भक्त आने वाले 15 से 25 दिन तक रह कर सेवा भाव अर्पित सके। इसके लिए निवास की व्यवस्था की गई है। जिसमें लगभग 150 यात्रियों के रुकने की व्यवस्था की जा रही है।

प्रधानमंत्री का आगमन गौरव का अवसर : वेद प्रकाश

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 को राम मंदिर में होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम में आगमन अयोध्या के लिए गौरव का अवसर है। उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। साकेत महाविद्यालय से लेकर गेट नंबर 11 तक सड़क की दोनों पटरियों पर खड़े लोगों द्वारा पुष्प वर्षा कर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया जाएगा। इसके लिए व्यापारी भाई आगे आएं। स्वागत में कोई कमी न रहे।

ये बातें गुरुवार को नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहीं। वह सर्किट हाउस में प्रमुख व्यापारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मार्ग के विभिन्न स्थानों पर मंच स्थापित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम,

सर्किट हाउस में बैठक को सम्बोधित करते नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता।

रामभजन, वंदेमातरम् और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए जाएंगे। वहीं, संत-महंत शंखनाद, घंटा-घड़ियाल और जयघोष के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे।

रुदौली विधायक रामचन्द्र यादव ने कहा कि यह सिर्फ आयोजन नहीं, बल्कि करोड़ों रामभक्तों की भावनाओं का उत्सव है। प्रधानमंत्री का स्वागत ऐसा हो कि अयोध्या की संस्कृति और भव्यता विश्व के सामने नई पहचान प्रस्तुत करे। उन्होंने व्यापारियों को जिम्मेदारी भावना के साथ सहयोग करने का आह्वान किया।

- **व्यापारियों के साथ बैठक में नगर विधायक बोले- साकेत महाविद्यालय से लेकर गेट नंबर 11 तक पुष्प वर्षा कर किया जाएगा अभिनंदन**

बैठक में अतुल सिंह, चंद्र प्रकाश गुप्ता, ब्लाक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह, अरूण अग्रवाल, सुरेन्द्र सिंह गांधी, राम अधार सोनी, जसवीर सिंह, राजेश सिंह, अमल गुप्ता, नीरज जयसवाल, ज्ञान केसरवानी, मनोज जायसवाल, पंकज गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारियों की मौजूदगी रही। इससे पूर्व विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव व पार्टी पदाधिकारियों के साथ नया घाट क्षेत्र में झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान चलाया।

श्री रामकथा के साथ दशरथ महल में सीताराम विवाह महोत्सव शुरू

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : रामनगरी में सीताराम विवाह महोत्सव को लेकर मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान और राम कथा की भव्य आयोजन के साथ शुरू हो गया है, 25 नवंबर को विवाह पंचमी के मौके पर 15 मंदिरों से राम बारात निकाली जाएगी। राम विवाह का मुख्य आकर्षण प्राचीन दशरथ महल होगा। हिन्दू रिवाज में मान्यता है कि विवाह के लिए पिता के दरवाजे से बारात जाती है, आज भी इस परंपरा को किया जाएगा। इसकी सजावट 50 क्विंटल फूलों से होगी। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान के बैंड मंगाए गए हैं। काशी से शहनाई की टीम उत्सव में आकर्षण होगा। दशरथ महल के उत्तराधिकारी महंत राम भूषण दास कृपालु ने बताया कि भगवान रामसीता विवाह को लेकर आज से रामकथा का आयोजन प्रारम्भ हो गया है। प्रतिदिन अलग-अलग धार्मिक अनुष्ठान किया जाएगा, 25 नवंबर को बारात निकाली जाएगी। जिसमें अयोध्या के साधु संत, राम भक्त सभी शामिल होंगे। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के पहले यह आयोजन अपने भव्यता को पा रही है। आयोजन के लिए विभिन्न राज्यों से बैंड भी बुलाए गए हैं। हाथी घोड़ा और पालकी के साथ राम बारात निकाली जाएगी।

विवाह पंचमी के मौके पर 15 मंदिरों से निकाली जाएगी राम बारात

जानलेवा हमले में दो आरोपियों को मिली पांच साल की सजा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: जानलेवा हमले के एक मामले में कोर्ट ने दो आरोपियों को दोषी पाते हुए पांच-पांच साल के कारावास की सजा से दंडित किया है। प्रत्येक पर 10 हजार जुर्माना भी हुआ है। फैसला अपर जिला जज इंद्रजीत सिंह की अदालत से गुरुवार को हुआ।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अभय वैश्य ने बताया कि घटना 10 अक्टूबर 2023 की है। इसकी रिपोर्ट आलोक सिंह निवासी मानापुर पूराकलंदर ने लिखाई थी। इसमें उन्होंने कहा था कि आर्यन सिंह और शिवम सिंह निवासी ग्राम नारा थाना महाराजगंज व उनके साथियों ने मोबाइल फोन से उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। इसकी रिपोर्ट लिखाने आलोक सिंह, राजन सिंह व अनुराग सिंह चौकी पूरा बाजार जा रहे थे। बच्चू लाल इंटर कॉलेज के पास उनकी गाड़ी रोककर आर्यन सिंह ने उन पर गोली चलानी चाही। राजन ने उनका असलहा पकड़कर नीचे की ओर घुमा दिया, जिससे गोली राजन सिंह को लगी और वह बेहोश हो गए। इसकी रिपोर्ट दोनों के खिलाफ लिखाई गई थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों को दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

हमले के दो आरोपियों को नहीं मिली जमानत

अयोध्या, अमृत विचार: हमले के एक मामले में कोर्ट ने दो आरोपियों की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी। यह आदेश अपर जिला जज रवि कुमार गुप्ता की अदालत से गुरुवार को हुआ। एडीजीसी श्रीधर मिश्रा ने बताया कि इसकी रिपोर्ट राजकुमार पांडेय निवासी कोडरा ने 21 अक्टूबर 2025 को बीकापुर कोतवाली में लिखाई थी, जिसमें कहा था कि वह शाम को भतीजे निलेश पांडे व अन्य परिवार के साथ अपने बाग में बनी माता-पिता भाई की समाधि पर दीप जलाने के लिए पहुंचे। इसी दौरान वहां पर लाठी डंडे व अन्य घातक हथियारों से लैस होकर देवनारायण, अजय कुमार व राकेश ने दीप जलाने से मना किया। सभी लोगों ने राजकुमार और उनके साथ गए लोगों पर हमला किया था। इसमें उन्हें गंभीर चोटें आई थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अजय और देवनारायण की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

24 की शाम मठ-मंदिरों में फहराया जाएगा भगवा ध्वज

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : नगर निगम के तत्वावधान में गुरुवार को हुई संत-महंतों की बैठक में तय किया गया कि धर्म ध्वजारोहण की पूर्व संध्या पर 24 नवंबर को मठ-मंदिरों पर भगवा ध्वज फहराया जाएगा। इसके साथ ही दीपोत्सव की तरह प्रकाश कर श्रीराम मंदिर की पूर्णता का स्वागत किया जाएगा। संतों ने तय किया कि 23 नवंबर को रामपथ पर भ्रमण कर प्लास्टिक मुक्त अयोध्या बनाने में योगदान देने एवं स्वच्छता के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा।

महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए अयोध्या धाम को

बैठक में संतों को संबोधित करते महापौर गिरीशपति त्रिपाठी। अमृत विचार

- **मंदिरों में जलेंगे दीप, 23 को संत स्वच्छता के लिए करेंगे प्रेरित**

स्वच्छ बनाने में संतों के विशेष सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने स्वच्छता अभियान से धार्मिक वातावरण बनाने का आह्वान किया। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने नगर निगम के स्वच्छता अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक का संचालन अपर आयुक्त नागेंद्र नाथ ने किया। इस मौके पर उदासीन आश्रम के महंत भरत दास, हनुमानगढ़ी के महंत बलराम दास, महंत शशिकांत दास, स्वामी छविराम दास, महंत विवेक आचारी, मं. राजीव लोचन शरण, मं. रामप्रकाश दास, करपात्रीजी महाराज, मं. हरिभजन दास, मं. सियाराम शरण, मं. नारायण मिश्र, ज्ञानी चरणजीत सिंह, महंत राघव दास, जनार्दन दास, रामशंकर दास आदि मौजूद थे। इससे पूर्व महापौर ने शिक्षाविदों से वीडियो कॉल के जरिए मीटिंग कर आह्वान किया कि वह बच्चों में सफाई के संस्कारों को पिरोएं।

श्रीराम मंदिर | ध्वजारोहण कार्यक्रम में आमंत्रित लोगों को दिया जाएगा देशी घी से बना प्रसाद

ट्रस्ट तैयार करा रहा श्रद्धालुओं के लिए 50 क्विंटल लड्डू

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: राम मंदिर में आज से प्रारंभ हुए धार्मिक अनुष्ठान की आहुति 25 नवंबर को दी जाएगी। जिसके बाद ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। इस आयोजन में शामिल होने वाले 7000 अतिथि, सुरक्षाकर्मी, और कार्यकर्ताओं को विशेष प्रसाद उपलब्ध कराए जाने की तैयारी है। इसके लिए ट्रस्ट 10 हजार डिब्बे को बना रहा है। इसके अलावा 26 नवंबर को राम मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को भी ट्रस्ट विशेष लड्डू प्रसाद उपलब्ध कराएगा।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र

ट्रस्ट द्वारा अतिथि के लिए तैयार कराया जा रहा प्रसाद व डिब्बे।

ट्रस्ट की निगरानी में शुद्ध देसी घी से बने प्रसाद को तैयार किया जा रहा है। आयोजन के व्यवस्था प्रभारी गोपाल जी राव ने गुरुवार को बताया कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पूर्णता की ओर है। विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण होने जा रहा है। इस आयोजन में विशेष रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश से 7000 अतिथि कार्यक्रम में साक्षी बनने के लिए आ रहे हैं। यह हम लोगों के लिए आनंद का क्षण है।आने वाले सभी अतिथियों के लिए भगवान का प्रसाद देंगे। प्रसाद तैयार किया जा रहा है, अतिथियों के लिए मुख्य रूप से 10,000 विशेष पैकेट में लड्डू तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 25 नवंबर को यहां आयोजन संपन्न होने के बाद 26 नवंबर से प्रारंभ हो रहे दर्शन में आने वाले भक्तों को भी यह प्रसाद उपलब्ध हो सके इसके लिए लगभग 50 क्विंटल लड्डू तैयार किया जा रहा है।

- **अतिथियों के लिए तैयार हो रहे 10 हजार डिब्बे**

जिला सैनिक बंधु की बैठक में आए 9 प्रार्थना पत्र

अयोध्या, अमृत विचार : अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व अमित कुमार भट्ट की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें भूतपूर्व सैनिकों व उनके परिजनों से नौ प्रार्थना-पत्र आए। कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम ने निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ले. कर्नल संजीव कुमार ने सैनिक कल्याण से संबंधित शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में स्टेशन मुख्यालय अयोध्या कैंट कर्नल सुनील त्रिपाठी, पुलिस क्षेत्राधिकारी विकास राय, सहायक अभियन्ता अयोध्या विकास प्राधिकरण राकेश सिंह तोमर, सहायक अभियन्ता नगर निगम भरत सिंह वर्मा, वरिष्ठ सहायक जगदीश प्रसाद सहित भूतपूर्व सैनिक और उनके परिजन मौजूद थे।

नव निर्मित ‘जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य द्वार नं 11’

भव्य ही नहीं दिव्य भी...

राम मंदिर परिसर ध्वजारोहण की भव्य तैयारियों के बीच गुरुवार की शाम नव निर्मित ‘जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य द्वार नं 11’ प्रकाश की सतरंगी किरणों से जगमगा उठा। विदित हो कि 25 नवंबर को इसी द्वार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर परिसर में प्रवेश करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा घोषित यह नामकरण उत्तर और दक्षिण भारत के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समन्वय का अनूठा प्रतीक बन गया है। ● अमृत विचार

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बुनियादी साक्षरता हर बच्चे के सीखने का मुख्य द्वार : पूर्णिमा

अयोध्या कार्यालय। रूम टू रीड इंडिया ने प्रदेश सरकार के सहयोग से जिले में जिला परियोजना प्रबंधन इकाई की शुरुआत की। रूम टू रीड इंडिया की कंट्री डायरेक्टर पूर्णिमा गर्ग ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा बुनियादी साक्षरता हर बच्चे की सीखने की यात्रा का मुख्य द्वार है। मुख्य अतिथि नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने इसे भविष्य में बदलाव के लिए एक सराहनीय कदम बताया। मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार, महानगर अध्यक्ष कमलेश, बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चंद एवं सभी एसआरजी व एआरपी मौजूद रहे।

17 दिनों से लापता हैं अविकल

अयोध्या, अमृत विचार। थाना रामजन्मभूमि अंतर्गत टेढ़ी बाजार निवासी अविकल श्रीवास्तव (55) पुत्र स्व प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव 17 दिनों से लापता है। उनके भाई अनूप श्रीवास्तव ने बताया कि वह बचपन से ही मानसिक रूप से अस्वस्थ है। तीन नवंबर को वह उन्हें लेकर बैंक ऑफ बड़ौदा अयोध्या शाखा में गए थे। वह बाहर खड़े थे, लौटकर जब मैं वापस आया तो वह लापता हो गए। इस संबंध में कोतवाली अयोध्या में गुमशुदगी दर्ज कराई है। कोतवाल मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि लापता की तलाश की जा रही है।

26 को जिला कारागार में दस्तावेजों की प्रदर्शनी

अयोध्या, अमृत विचार : महुआ डाबर संग्रहालय से काकोरी ट्रेन एक्शन के महानायकों से संबंधित पत्र, डायरी, टेलीग्राम, स्मृति-चिह्न, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, पुस्तकें, तस्वीरें और मुकदमों की फाइलों सहित महत्वपूर्ण दस्तावेजों की प्रदर्शनी 26 नवंबर को जिला कारागार अयोध्या के शहीद कक्ष में लगाई जाएगी। आम जन के लिए प्रदर्शनी सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक खुली रहेगी। आयोजन अशफाक उल्लाह खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान से किया जा रहा है।

दुनिया में बढ़ी इलेक्ट्रॉनिक वाहनों की मांग : सुदेश

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर स्थित इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में इलेक्ट्रिक वाहन ट्रेंड और सप्लाई-चेन मैनेजमेंट विषय पर व्याख्यान हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. एसएस मिश्र ने बताया कि विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान का उद्देश्य छात्रों को इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के नवीनतम रुझानों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना था। अपोलो टायर्स लिमिटेड के कंट्री मैनेजर सुदेश वर्मा ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग दुनिया में लगातार बढ़ रही है। विभागाध्यक्ष डॉ. अंकित कुमार, डॉ. बृजेश, इं. दिलीप कुमार, इं. दिनेश, इं. विपिन पटेल आदि मौजूद रहे।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, दो दरोगा व सिपाही घायल

उपनिरीक्षक की सर्विस पिस्टल व मोबाइल लूटकर हमलावर फरार ▮ सुल्तानपुर के बल्दीराय थाना क्षेत्र की घटना, अयोध्या के कुमारगंज थाने की पुलिस गई थी आरोपी को पकड़ने

सुलतानपुर/अयोध्या।

गांव डोभियारा लाला का पुरवा में पहुंची कई थानों की पुलिस।

खेतों में सर्विस पिस्टल व मोबाइल की तलाश करती पुलिस। अमृत विचार

बल्दीराय, अमृत विचारः सुल्तानपुर के हलियापुर थाना क्षेत्र के डोभियारा लाला का पुरवा गांव में गुरुवार को एक आरोपी को पकड़ने गई अयोध्या के कुमारगंज थाना पुलिस पर आरोपी व उसके परिवार के लोगों ने हमला कर दिया। हमले में दो दरोगा व एक सिपाही घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने एक दारोगा को बंधक बनाया, बाद में उसकी सरकारी पिस्टल छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद सक्रिय हुई सुल्तानपुर, अयोध्या व अमेठी जिले की पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

चार दिन पहले कुमारगंज निवासी एक व्यक्ति पर तमंचे से जानलेवा हमला हुआ था। पीड़ित की तहरीर पर थाना कुमारगंज पुलिस ने आदर्श सिंह निवासी डोभियारा लाला का पुरवा समेत दो नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। थाने के उप निरीक्षक अकील हुसैन व भानु प्रताप शाही और कांस्टेबल उमेश गौतम आदर्श को गिरफ्तार करने के लिए गुरुवार को उसके गांव गए तो वहां पहले से मौजूद आरोपी आदर्श व दशरथ सिंह समेत करीब 24 लोगों ने पुलिस टीम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में दोनों उपनिरीक्षक व सिपाही घायल हो गए। हमलावरों ने पुलिस कर्मियों को घंटों तक घर में बंधक बनाए रखा व बाद में उपनिरीक्षक अकील हुसैन की सरकारी पिस्टल व मोबाइल छीनकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर अयोध्या के थाना कुमारगंज, इनायतनगर, सुल्तानपुर के थाना हलियापुर और बल्दीराय पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम आसपास के खेतों व झाड़ियों में छिनी गई पिस्टल व मोबाइल की तलाश करती रही, लेकिन खबर लिखे जाने तक सफलता नहीं मिल सकी और आरोपी फरार है। सुल्तानपुर के साथ अयोध्या व अमेठी जिले की पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी है।

- **घायल दरोगा ने दर्ज कराया केस, तीन जनपदों की पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में दे रही दबिश**

> हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है। घायल उपनिरीक्षक भानु प्रताप शाही की तहरीर पर थाना बल्दीराय में पांच नामजद और चार अज्ञात के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस घर की दो महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।
> **-आशुतोष कुमार, सीओ बल्दीराय।**

> घायल पुलिस टीम का उपचार कराया गया है। आरोपी आदर्श की तलाश की जा रही है। कुमारगंज में रहने वाले उसके कई साथियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आदर्श के खिलाफ थाना कुमारगंज और हलियापुर में सात आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। - **श्रीयश त्रिपाठी, सीओ मिल्कीपुर**

नेहरु की अदूरदर्शिता से लंबे समय तक विवाद में रहा कश्मीरः भूपेन्द्र

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले, एकता यात्रा में तिरंगा के साथ उमड़ा सैलाब

तारून, अयोध्या

गोसाईगंज परशुराम वर्मा महाविद्यालय में आयोजित जनसभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी को माला पहनाकर स्वागत करते पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू व अन्य।

अमृत विचारः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि नेहरु की अदूरदर्शिता के कारण लंबे समय तक कश्मीर विवाद का विषय बना रहा। वह गोसाईगंज परशुराम वर्मा महाविद्यालय के सामने स्थित गोदवा बाग तारुन में गुरुवार को एकता पदयात्रा के समापन अवसर पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे।

कहा कि अंग्रेजों ने देश को दो भागों में बांटा। सरदार पटेल ने राजनैतिक कौशल का परिचय दिया। 562 रियासतों का भारत में विलय कराया। कांग्रेस ने हमेशा एक परिवार के लोगों को आगे बढ़ाया। राष्ट्रनायकों के योगदान को हमेशा कम करके प्रस्तुत किया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के असंख्य राष्ट्रनायकों के योगदान को नमन किया गया, 31 अक्टूबर को सरदार पटेल को याद करते हुए हर साल रन फार यूनिटी का आयोजन किया जा रहा है।

क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि 2014 के पहले की सरकार ने सरदार पटेल के कृतित्व का प्रचार-प्रसार नहीं किया। पीएम मोदी ने 182 फिट की ऊंची प्रतिमा का निर्माण कराया। पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू ने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत का स्वप्न प्रधानमंत्री साकार कर रहे हैं। हम सभी इसका संकल्प लें, सरदार पटेल के स्वप्न को साकार करने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाएंगे। चौधरी को पूर्व विधायक सहित मंचासीन अतिथियों ने 51 किग्रा की माला पहनाकर स्वागत किया। अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया। संचालन जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने किया। इससे पूर्व गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के जाना बाज़ार से शुरू हुई एकता पदयात्रा देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का परिचायक बन गई। पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू की अगुवाई में छह किमी. की एकता यात्रा में तिरंगे के साथ जनसैलाब उमड़ा। परिवेश भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से गूंज उठा। सड़क के दोनों किनारों पर मौजूद स्कूली बच्चों ने पुष्पवर्षा की। चार पड़ावों पर लाउडस्पीकर से लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने और राष्ट्रीय एकता को सर्वोपरि रखने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी, पूर्व मंत्री धर्मराज निषाद, विधायक रामचन्दर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हर्षवर्धन सिंह, अपना दल के प्रदेश सचिव प्रमोद सिंह, अभिषेक मिश्र समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

पटेल की स्मृति में स्थल बनवाने की मांग

पूर्व विधायक इन्द्र प्रताप तिवारी खब्बू ने अयोध्या में सरदार पटेल की स्मृति में स्थल बनाने की मांग की। कहा कि कई महापुरुषों के यहां स्मारक मौजूद है। एक भारत श्रेष्ठ भारत के प्रणेता सरदार पटेल के नाम पर स्थल होना चाहिए। जो युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने जनसभा के दौरान पूर्व विधायक की तारीफ की। कहा कि यहां पर उमड़े जनसमुदाय ने प्रचंड बहुमत से 2027 में सरकार बनाने को लेकर अपना समर्थन दिया है। खब्बू तिवारी एक लोकप्रिय नेता है।

आओ हम सब पौध लगाएं धरती पर हरियाली लाएं

अयोध्या, अमृत विचारः यदि पेड़ धरा पर नहीं रहेंगे तो जीवन हमारा नहीं बचेगा, प्यासी धरती करे पुकार, पेड़ लगाकर करो श्रृंगार, आओ हम सब पौध लगाएं, धरती पर हरियाली लाएं, नीर बचाएं जीवों को बचाएं, वसुन्धरा को स्वर्ग बनाएं, आओ हम सब पेड़ लगाएं, धरती पर खुशहाली लायें, जीवन में आयेगी खुशहाली, जब आस-पास होगी हरियाली। ये बातें गुरुवार को अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार वर्मा ने कहीं। वह यश पैका लिमिटेड यशनगर, दर्शन नगर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ठोस कचरे के संग्रहण, परिवहन, उपचार और निपटान की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभावों को कम करना है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम- 2016 के तहत कचरे को जैव-निम्नीकरणीय, गैर-जैव निम्नीकरणीय और घरेलू कचरे के रूप में अलग-अलग इकट्ठा करना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को खुले में कचरा फेंकना, जलाना या दफनाना मना है। कचरा पैदा करने वालों को उपयोगकर्ता शुल्क देना होगा। कार्यक्रम में सचिन कुमार, डॉ. प्रियंका त्रिपाठी, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम कुलशेखर सिंह सहित अन्य लोग थे।

यश प्राइवेट आईटीआई दीक्षांत समारोह में प्रमाण पत्र के साथ छात्र-छात्राएं व मुख्य अतिथि मंजुला झुनझुनवाला।

युवाओं को बनना होगा अपने कार्य क्षेत्र में दक्ष: मंजुला

पूराबाजार, अमृत विचार : यश प्राइवेट आईटीआई का 18वाँ दीक्षांत समारोह गुरुवार को मनाया गया। मुख्य अतिथि मंजुला झुनझुनवाला, चंद्रवीर सिंह, नरेंद्र अग्रवाल, सुमन पांडे और प्रदीप साहू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। पैका स्किल्स के प्रधानाचार्य रमेश कोटी ने कार्यक्रम में आए आगंतुकों का स्वागत व अभिनंदन किया। छात्र-छात्राओं ने अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि झुनझुनवाला ने कहा कि संस्थान से प्राप्त होने वाला यह प्रमाणपत्र उपलब्धि नहीं, बल्कि युवाओं के करियर निर्माण की महत्वपूर्ण शुरुआत है। उन्हें अपने कार्य-क्षेत्र में दक्ष बनना होगा। समारोह के अंत में पैका फाउंडेशन की हेड सरिता उपाध्याय ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया।

एमओयू से बदलेगी पूर्वांचल के किसानों की तकदीर : कुलपति

अयोध्या कार्यालय।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिखाते कुलपति कर्नल प्रो. बिजेंद्र सिंह और सीआईएफई, मुंबई के निदेशक डॉ.एनपी साहू।

अमृत विचार : आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधीन केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (सीआईएफई), मुंबई, महाराष्ट्र के बीच गुरुवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एएमयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल प्रो. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि यह एमओयू मत्स्य पालन विज्ञान के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश विशेषकर पूर्वांचल के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। मत्स्य पालन शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और तकनीकी हस्तांतरण के क्षेत्र में दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग की मजबूत नींव रखेगा।

उन्होंने कहा जैसे राष्ट्रीय स्तर के संस्थान के साथ जुड़कर हमारे छात्रों-शोधार्थियों को अत्याधुनिक तकनीक, अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण और संयुक्त शोध के अवसर प्राप्त होंगे। कुलपति ने मात्स्यिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस समझौते का तत्काल प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और शिक्षण, शोध तथा विस्तार गतिविधियों में नई ऊर्जा का संचार हो। समझौता ज्ञापन पर कुलपति कर्नल प्रो. बिजेंद्र सिंह और सीआईएफई, मुंबई के निदेशक डॉ. एनपी. साहू ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सीआईएफई की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अर्पणा शर्मा, केंद्रीय खारा जलजैव पालन अनुसंधान संस्थान चेन्नई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. के अम्बा शंकर, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद व दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, मथुरा के प्रोफेसर आदि मौजूद रहे।

- **आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय और मुंबई के सीआईएफई के बीच एमओयू**

हाफ मैराथन में विकास व नेहा ने बाजी मारी

अयोध्या कार्यालय।

अवध विवि की अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के पदक से सम्मानित विजेता खिलाड़ी।

अमृत विचार: डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीडा सुकुल में चल रही अवध विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के तीसरे दिन गुरुवार को हाफ मैराथन में देव इंद्रावती कॉलेज के विकास व नेहा ने बाजी मारी। 400 मीटर की बाधा दौड़ स्पर्धा के पुरुष वर्ग में दिवाकर व महिला वर्ग में सेजल विजेता रहे। वहीं 20 किमी. की वॉक स्पर्धा के पुरुष वर्ग में सर्वजीत व महिला वर्ग में रुपाली अव्वल रही।

400 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में देव इंद्रावती कॉलेज कटेहरी के मो. मोहसिन प्रथम, देव इंद्रावती कॉलेज टांडा के विकास सिंह द्वितीय व गनपतसहाय कॉलेज सुल्तानपुर के कपिल मौर्य तृतीय रहे। महिला वर्ग में परिसर की पलक तिवारी प्रथम, देव इंद्रावती कॉलेज के शनि यादव द्वितीय व देव इंद्रावती कॉलेज के सरबाज ख़ान तृतीय रहे। डिस्कस थ्रो में आरआर पीजी कॉलेज की अनुष्का मौर्य प्रथम व ममता सिंह द्वितीय रहीं। जैवलिन थ्रो में उर्मिला कॉलेज की शांति प्रथम, वंदना द्वितीय व बैजनाथ शिवकला कॉलेज की प्रियंका रावत तृतीय रहीं। इस अवसर पर विवि क्रीड़ा परिषद सचिव डॉ. आशीष प्रताप सिंह, डॉ. अनुराग पांडेय, डॉ. कपिल राणा, डॉ. मनीष. सिंह, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. अर्जुन सिंह खेल प्रेमी शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

- **अवध विवि की अंतर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन आज**

पीजी कॉलेज की रीमा द्वितीय एवं देव शिक्षण संस्थान की नेहा तृतीय रहीं। जैवलिन थ्रो में देव इंद्रावती के जयेश गुप्ता प्रथम, ढोढ़ेराम

राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी शब्दावली निर्माण पर विशेषज्ञों ने दिया जोर

अयोध्या कार्यालय। अवध विवि में दर्शनशास्त्र एवं धर्म विभाग तथा श्रीराम शोध पीठ द्वारा (वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग) शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से आयोजित "सामाजिक विज्ञानों में तकनीकी शब्दावली का निर्माण : प्रयोग एवं समस्याएँ" दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का गुरुवार को समापन हुआ। संगोष्ठी में विशेषज्ञ वक्ताओं ने तकनीकी शब्दावली निर्माण पर विशेष दिया जोर संगोष्ठी के दूसरे दिन की शुरुआत प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने दिल्ली विवि के प्रो. केपी सिंह के स्वागत के साथ किया। उन्होंने शब्दों की श्रेणीकरण शब्दकोशीय मानकीकरण और सामाजिक विज्ञानों में प्रामाणिक शब्दावली की आवश्यकता पर विचार प्रस्तुत किया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की डॉ. अंजली ने मनोविज्ञान में परिभाषिक शब्दों के मानकीकरण पर शोध के महत्व के पर प्रकाश डाला। प्रो. नीरजा शुक्ला ने मूल भाषा आधारित अध्ययन-अध्यापन की अनिवार्यता पर विशेष व्याख्यान दिए। सीएसटीटी के निदेशक व विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। समापन सत्र में डॉ. शैलेन्द्र व सीएसटीटी के निदेशक ने भी अपने विचारों के साथ प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। संगोष्ठी में देशभर से आए अनेक विद्वानों, शिक्षकों और शोधार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सरयू की सोती पर अस्थायी पुल बना हो रहा अवैध बालू खनन

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: सोहावल तहसील क्षेत्र के फतेहपुर सरैया- मांझा कला गांव के पास सरयू की सोती पर अस्थायी साइफन का पुल बनाकर अवैध बालू खनन की शिकायत है। आरोप है कि खनन पट्टा दूसरे गांव क्षेत्र में पड़ता है जबकि रात में अवैध खनन किया जा रहा है। इसकी शिकायत अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व से की गई है।

सोहावल तहसील क्षेत्र के बनबीरपुर के रहने वाले प्रवीण दूबे से दिए गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि अवैध खनन सिंडीकेट से फतेहपुर-मांझा कला के उत्तर सरयू नदी के एक हिस्से पर अस्थायी पुल बनाकर नदी व नदी तल से अवैध खनन किया जा रहा है। बताया है कि फत्तेहपुर सरैया में स्थित गाटा संख्या 13 घ में बालू खनन के लिए मार्च सन् 2025 से 2030 तक का पट्टा दिया गया है। इस पट्टे की आड़ में दूसरे स्थान पर बालू खनन किया जा रहा है। अब तक फत्तेहपुर सरैया में बालू खनन के लिए गाटा संख्या 13 घ का चिन्हांकन / सीमांकन नही किया गया। न ही रेडियम युक्त बैरीकेटिंग ही लगवाई गई। यह कि जलीय जीवों की रक्षा, नदी का बहाव, भौगोलिक स्थितियों और खनन के लिए नेशनलग्रीन ट्रिव्यूनल से स्थापित नियमों का अतिक्रमण करते हुए खनन का आरोप है।

कहा कि इस मशीनों से अवैध बालू खनन की शिकायत सात नवंबर को शिकायत खनन अधिकारी के व्हाट्सअप नंबर सीयूजी नंबर 8887534800 पर दी गई थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने अवैध बालू खनन पर रोक लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। इस बावत एडीएम वित्त एवं राजस्व से बात करने की कोशिश की गई लेकिन फोन काल रिसीव नहीं हुई। जिला खनन अधिकारी आशीष द्विवेदी ने बताया कि शिकायत पर खनन इंस्पेक्टर को भेजा गया था लेकिन मिले वाहनों के पास प्रपत्र मौजूद थे। खनन पटटे के सीमांकन के लिए उपजिलाधिकारी और तहसील दार सोहावल को अवगत कराया गया है। लेखपाल से सीमांकन कराया जाएगा। अवैध खनन मिलने पर कार्रवाई होगी।

सड़क मार्ग पर करीब 500 मीटर की दूरी तय करेंगे प्रधानमंत्री

अयोध्या कार्यालय।

रामपथ के फुटपाथ पर की जा रही बेरिकेडिंग। अमृत विचार

फ्लाईओवर पर रंगाई-पुताई करते श्रमिक। अमृत विचार

अमृत विचार : ध्वजारोहण समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री को कुल 500 मीटर की दूरी को सड़क मार्ग से तय करेंगे। वह विशेष विमान से महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वहां से सेना के हेलीकॉप्टर से साकेत महाविद्यालय के मैदान में बने हैलीपैड पर उतरेंगे। यहां से वह सड़क मार्ग से होते हुए क्रॉसिंग नंबर-11 से राम मंदिर में प्रवेश करेंगे। इसको लेकर सुरक्षा समेत अन्य इंतजाम किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि एसपीजी की मोहर लगने के बाद ही रूट चार्ट को फाइनल किया जाएगा।

इसके लिए साकेत महाविद्यालय के मैदान पर प्रधानमंत्री के प्रोटोकॉल के आधार पर तीन हैलीपैड तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही यहां पर मानकानुसार रेस्ट रूम व अन्य इंतजाम भी किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के साकेत महाविद्यालय पहुंचने से पूर्व स्वागत करने वालों को होल्डिंग एरिया में रोका जाएगा। प्रधानमंत्री के आने जाने वाले हर मोड़, हर रूट और हर मिनट को लेकर प्रशासन प्लान तैयार कर रहा है। हैलीपैड स्थल साकेत महाविद्यालय के आसपास रहने वालों लोगों के साथ यहां से क्रॉसिंग नंबर-11 की दूरी के बीच पड़ने वाले मकान, दुकान, मंदिर व व्यवसायिक कॉम्पलेक्स को सूचीबद्ध कर उनमें रहने या व्यवसाय करने वाले लोगों का सत्यापन कराया जा चुका है। इन लोगों को सख्त चेतावनी दी जा रही है कि वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान वह घरों में ही रहे।

शहर में सुरक्षा, यातायात और भीड़ नियंत्रण को लेकर कई टीमें तैनात हैं। मंदिर परिसर समेत अन्य प्रमुख स्थानों पर एसपीजी और स्थानीय पुलिस नजर रख रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री के आगमन पर की गई सुरक्षा व्यवस्था को इस बार और मजबूत करने की तैयारी है। मंडलायुक्त राजेश कुमार, आईजी प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे व एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर लगातार सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर उसे अपडेट करा रहे हैं।

- **एयरपोर्ट से सेना के हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे साकेत महाविद्यालय, यहां से रामपथ होते हुए क्रॉसिंग नंबर 11 से राम मंदिर में करेंगे प्रवेश**

प्रधानमंत्री सुरक्षा से जुड़ी टीम ने रामपथ का किया निरीक्षण

प्रधानमंत्री की सुरक्षा से जुड़ी टीम ने अयोध्या पुलिस के साथ रामपथ का निरीक्षण किया। टीम ने बेनीगंज, साहबगंज, गुदरी बाजार, नियावां होते हुए सहादतगंज तक गई व रूट चार्ट बनाया। कई स्थानों पर पुलिस के सहयोग से कुछ लोगों के नाम व प्रतिष्ठान आदि का नाम भी नोट किया गया। सूत्रों के अनुसार पीएम विजिट के दौरान इस मार्ग को पूरी तरह से बंद रखने की तैयारी है।

रामपथ के फुटपॉथ पर बैरिकेडिंग लगना शुरू

प्रधानमंत्री का काफिला गुजरने के दौरान सड़क पर किसी तरह की बाधा न आए, इसके लिए रामपथ के दोनों ओर फुटपाथ व डिवाइडर पर बेरिकेडिंग लगना शुरू हो गई है। यह बैरिकेडिंग रामपथ पर रानोपाली से लता चौक तक की जाएगी। इसके अलावा रामपथ पर जुड़ने वाली गलियों व मार्गों पर भी बल्ली से बैरिकेडिंग की जा रही है ताकि किसी तरह के वाहन रामपथ पर न आ जा सके। स्थानीय लोगों के वाहनों को अन्य वैकल्पिक मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा।

अवध विवि में तीन दिवसीय कॉम्पैक्ट कोर्स का आयोजन

अयोध्या, अमृत विचार : अवध विश्वविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग और प्रो. आर बालकृष्णन एंडॉवमेंट ट्रस्ट, तमिलनाडु के संयुक्त तत्वावधान में तीन-दिवसीय कॉम्पैक्ट कोर्स लिनियर अलजेब्रा एंड इट्स एप्लीकेशन का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता आईआईटी धनबाद के गणित विभाग के प्रमुख प्रसिद्ध गणितज्ञ प्रो. एस पी तिवारी ने रैखिक बीजगणित की सैद्धांतिक नींव और उसके वास्तविक-जगत के अनुप्रयोगों को विस्तृत रूप से समझाया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विज्ञान संकाय अध्यक्ष प्रो. संत सरण मिश्र ने की। विभागाध्यक्ष प्रो. एसके रायज़ादा ने कोर्स का महत्व बताया। प्रो. सी के मिश्रा ने प्रतियोगिता और अनुसंधान में इस कोर्स के महत्व के बारे में अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता प्रो. तिवारी ने मुख्य अवधारणाओं वेक्टर स्पेस और सबस्पेस, सबस्पेस की पहचान व डेटा साइंस एवं उद्यमिता में लिनियर एलजेब्रा के अनुप्रयोग को समझाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभिषेक सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पीके द्विवेदी ने किया। इस दौरान प्रो. वाईबी सिंह, डॉ. संदीप रावत, डॉ. मनोज कुमार, सचिन कुमार सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

किराना व्यवसायी के बेटे की हत्या

दुकान के बाहर सोते समय लाठी-डंडों से घटना को दिया अंजाम, खुलासे को 4 टीमें गठित

कादीपुर, सुलतानपुर

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के कादीपुर खुर्द डेवाढ़ बाजार में बुधवार की रात किराना व्यवसायी के बेटे राकेश कुमार (45) की हत्या कर दी गई। वह दुकान के बाहर लोहे की गुमटी के पास सो रहा था, तभी अज्ञात लोगों ने लाठी-डंडों से वार कर उसकी जान ले ली। सुबह लोगों ने उसे खून से लथपथ हालत में देखा तो हड़कंप मच गया।

दुकान से कुछ दूरी पर चार बोरी गेहूं और चावल मिलने से यह आशंका जताई जा रही है कि बदमाश चोरी की नीयत से आए थे और विरोध करने पर राकेश की हत्या कर दी। उसकी सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। सूचना पर सीओ विनय गौतम, प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की।

रोते-बिलखते परिजन व इनसेट में राकेश कुमार की फाइल फोटो। ● अमृत विचार

सीओ ने बताया कि घटना के खुलासे हेतु चार विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं। मृतक के भाई राजेश कुमार की तहरीर पर अज्ञात लोगों के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज किया गया है।

खुशियों के घर में मातम

परिजनों के अनुसार 26 नवंबर को राकेश ने अपने नाती की बरही पर अखंड रामायण पाठ और प्रीतिभोज का आयोजन रखा था, लेकिन इससे पहले ही परिवार पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक राकेश दो भाइयों में छोटे थे। परिवार में पिता रामकेवल गुप्ता, माता भगवती, बड़ा भाई राजेश कुमार, भाभी शकुंतला, पत्नी आरती, पुत्र अनुराग (22) व अंगद (20), पुत्री सपना (16) है। अंगद मुंबई में नौकरी करता है। घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मचा है। बाजार के व्यापारियों में भी रोष है और लोग हत्याकांड के जल्द खुलासे की मांग कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

विजय हत्याकांड में सुनवाई 1 दिसंबर को

सुलतानपुर, अमृत विचार : प्रॉपर्टी डीलर विजय नारायण सिंह हत्याकांड में तीन अतिरिक्त आरोपियों को तलब कर केस चलाने की पीड़ित पक्ष की अर्जी पर गुरुवार को सुनवाई नहीं हो सकी। न्यायाधीश के अवकाश पर होने के कारण मामले की अगली तिथि 1 दिसंबर तय की गई है। पीड़ित पक्ष के वकील अरविंद सिंह राजा ने विनय तिवारी, दीपक मिश्र समेत तीन को भी मुकदमे में शामिल करने की मांग की है। यह अर्जी अभियोजन गवाह सतीश नारायण सिंह की गवाही के आधार पर दाखिल की गई है। अब 1 दिसंबर को अदालत इस महत्वपूर्ण अर्जी पर निर्णय लेगी, जिससे केस की दिशा तय होगी।

युवक की मौत के आरोपी की जमानत खारिज

सुलतानपुर, अमृत विचार : सेशन जज सुनील कुमार की अदालत ने चर्चित बालाजी ढाबा मारपीट प्रकरण में नामजद चांदा थाना क्षेत्र के कोइरीपुर के विवेक नगर निवासी आरोपी आशीष ओझा की जमानत अर्जी खारिज कर दी। ढाबे पर हुए विवाद के दौरान घायल हुए सर्वेश यादव उर्फ गोलू की इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी थी। अभियोजन पक्ष के डीजीसी क्रिमिनल रामअचल मिश्र के मुताबिक बीती 2 अक्टूबर की रात विवेकनगर निवासी सर्वेश यादव अपने साथियों के साथ खाना खाने ढाबे पर गया था। वहीं मौजूद आशीष, अमन, बृजेश यादव व अन्य लोगों ने मामूली कहासुनी में धारदार हथियार व लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे सर्वेश गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई।

किशोरी से छेड़छाड़ का आरोपी दोषी करार

सुलतानपुर, अमृत विचारः जगदीशपुर थानाक्षेत्र के एक गांव में चार साल पूर्व 12 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़छाड़, मारपीट करने केआरोपी जमाल को स्पेशल जज नीरज श्रीवास्तव ने गुरुवार को दोषी करार दिया है। कोर्ट दोषी को शुक्रवार को सजा सुनाएगी। विशेष लोक अभियोजक सीएल द्विवेदी के मुताबिक 12 जनवरी 2021 की घटना में दर्ज हुए केस मे पीड़िता के परिजन ने आरोप लगाया था कि आरोपी ने उसकी नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड व मारपीट की। तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। गवाहों के साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार दिया है।

संस्कारयुक्त शिक्षा से ही विकास संभव

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित समग्र शिक्षा अभियान के तहत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, भदैया में कैरियर मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्य अनुपम श्रीवास्तव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी एवं चिकित्सक डॉ डी एस मिश्रा ने प्रतिभाग किया। अपने संबोधन में उन्होंने छात्राओं को विविध कैरियर विकल्पों की जानकारी दी तथा मूल्यपरक एवं नैतिक शिक्षा को जीवन में अपनाने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में पीएम श्री राजकीय अभिनव विद्यालय टिकरी पन्ना भदैया के प्रधानाचार्य संतोष कुमार मिश्रा, तहसीलदार सदर देवानंद तिवारी, राजकीय हाई स्कूल भदैया के प्रधानाध्यापक डॉ राज करन, समग्र शिक्षा के जिला समन्वयक अखिलेश पांडेय, नोडल शिक्षक शैलेन्द्र चतुर्वेदी, नोडल शिक्षिका अमिता आदि उपस्थित रहे।

वनरोज से बचने में पेड़ से टकराई कोतवाल की कार

● गंभीर रूप से घायल कोतवाल का मेदांता में चल रहा इलाज

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचारः जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-बलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार देर रात हुए सड़क हादसे में जयसिंहपुर कोतवाली प्रभारी सत्येंद्र कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सुलतानपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के उपरांत गंभीर स्थिति को देखते हुए लखनऊ के मेदांता अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

कोतवाल अपनी निजी कार से क्षेत्र में गश्त करने के बाद वापस लौट रहे थे। इसी दौरान गोसाईगंज-जयसिंहपुर की सीमा पार कर बांसगांव के पास अचानक सड़क पर एक नीलगाय आ गई। उसे बचाने के प्रयास में उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक महुआ के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज़ थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कोतवाल के दाहिने पैर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उन्हें निजी वाहन से सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज पहुँचाया। जहां से उन्हें तत्काल लखनऊ मेदांता अस्पताल रेफर कर दिया गया।

देश में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं फार्मासिस्ट

● फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचारः गुरुवार को अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन शाखा सुलतानपुर ने फार्मासिस्ट से जुड़े मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट प्रीति जैन को सौंपा।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आलोक पांडेय ने बताया की देश मे स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की सबसे बड़ी रीढ़ फार्मासिस्ट है। मौजूदा समय में देश मे 18 लाख फार्मासिस्ट पंजीकृत है, जिनमें से आठ लाख फार्मासिस्ट बेरोजगार है। झोला छाप चिकित्सकों से मुक्ति के लिए फार्मासिस्ट ही सबसे बड़े विकल्प है जो देश मे स्वास्थ्य समस्याओं को मजबूत कर सकते है। ज्ञापन मे सीएचओ की भर्ती में फार्मासिस्टों को समलित किये जाने, होलसेल पर फार्मासिस्टों को अनिवार्य किये जाने, फार्मासिस्ट प्रैक्टिस रेगुलेशन एक्ट लागू करने के मुद्दों को लेकर ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में जिला अध्यक्ष उदय भान सिंह, जिला संगठन प्रभारी आयुष जायसवाल, ब्लॉक अध्यक्ष अजय गुप्ता, फार्मासिस्ट अमन मिश्र व दर्जनों फार्मासिस्ट उपस्थित रहे।

दरोगा-सिपाही समेत तीन आरोपियों को कोर्ट ने किया तलब

सुलतानपुर, अमृत विचार : गाड़ी चेकिंग के दौरान मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोपों के मामले में चांदा के तत्कालीन उपनिरीक्षक अमरनाथ, सिपाही धीरेन्द्र और इस्लामुद्दीन को एसीजेएम शुभम वर्मा ने तलब कर सुनवाई के लिए 10 जनवरी की तारीख नियत की है। चांदा थानाक्षेत्र के प्रतापपुर कमैचा निवासी परिवादी संतोष कुमार पाण्डेय ने अधिवक्ता मुन्ना चौबे के जरिए कोर्ट में अर्जी दाखिल कर आरोप लगाया था कि 13 नवंबर 2018 को वह अपने 10 वर्षीय पुत्र को तेज बुखार व कान दर्द के इलाज के लिए लम्भुआ अस्पताल ले जा रहे थे। इसी दौरान चांदा थाने के सिपाही धीरेन्द्र ने उनकी गाड़ी रोककर अभद्रता की। आरोप है कि उपनिरीक्षक अमरनाथ के पहुंचने पर बिना पूछताछ किए परिवादी को मुक्का मारा, जिससे वह अपने बच्चे सहित गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं।

धोखाधड़ी मामले में कोर्ट सख्त, पुलिस को अग्रिम विवेचना का दिया आदेश

● धोखाधड़ी समेत अन्य मामलों में क्लीन चिट देने का मामला

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत की अदालत ने धोखाधड़ी समेत अन्य आरोपों में दो आरोपियों को क्लीन चिट देने पर गंभीर रुख अपनाते हुए कोतवाली नगर पुलिस को अग्रिम विवेचना कराने का आदेश दिया है। अदालत ने माना कि विवेचक ने अत्यंत सरसरी एवं उपेक्षापूर्ण ढंग से जांच की और सह-अभियुक्त योगेंद्र सिंह एवं सुरेंद्र कौर का नाम जानबूझकर विवेचना से हटा दिया। कूरेभार थानाक्षेत्र के निदूरा निवासी वादी उदय कुमार कोविद की ओर से दायर अर्जी में कहा गया था कि राम नायक पाण्डेय, योगेंद्र सिंह और सुरेंद्र कौर पर समान आरोप लगे थे। पोस्ट डेटेड चेक भी योगेंद्र सिंह द्वारा दिए गए थे, इसके बावजूद विवेचक ने केवल राम नायक पाण्डेय के विरुद्ध ही आरोप पत्र दाखिल किया।

वादी की ओर से 17 सितंबर 2023 को कोतवाली नगर में खालसा रियल स्टेट कम्पनी लिमिटेड, गोमती नगर लखनऊ के निदेशक योगेंद्र सिंह, सुरिन्दर कौर और सेल्स मैनेजर रामनायक पांडेय के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था। अदालत ने केस डायरी व प्रस्तुत प्रपत्रों के परीक्षण में पाया कि निदेशक योगेंद्र सिंह द्वारा प्रस्तुत दो दस्तावेज संदिग्ध प्रतीत होते हैं। इनकी तारीख एवं हस्ताक्षर की स्याही का वैज्ञानिक परीक्षण कराना आवश्यक था, जो जांच में नहीं किया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी एक साझेदार द्वारा दूसरे के खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर से अन्य निदेशकों की जिम्मेदारी स्वतः समाप्त नहीं होती। कोर्ट ने अग्रिम विवेचना की अर्जी स्वीकार करते हुए थाना कोतवाली नगर को पुनः विवेचना करने व सभी आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए सुनवाई के लिए 5 दिसंबर की तारीख नियत की है।

राहत सड़क के निर्माण से क्षेत्र की बड़ी आबादी को आवागमन में सुविधा मिलेगी

बिजेथुआ-राजापुर मार्ग निर्माण कार्य स्वीकृत

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः विशेष मरम्मत योजना के अंतर्गत जिला पंचायत से लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित बिजेथुआ-राजापुर संपर्क मार्ग (750 मीटर) के निर्माण कार्य को अब औपचारिक मंजूरी मिल गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव अजय चौहान द्वारा अंतिम अनुमोदन दिए जाने के बाद विभागीय मुख्यालय से स्वीकृति जारी हो गई है। इस स्वीकृति में स्थानीय निवासी अचिन्त्य मणि पांडेय का विशेष योगदान बताया जा रहा है।

बिजेथुआ-राजापुर संपर्क मार्ग के बहुरेंगे दिन। ● अमृत विचार

उल्लेखनीय है कि वर्ष भर में इस मार्ग के पुनर्निर्माण के लिए कई जनप्रतिनिधियों ने शासन स्तर पर स्मरण-पत्र भेजकर अनुरोध किया था। इनमें लोकसभा सांसद करण भूषण सिंह, तनुज पुनिया, आनंद भदौरिया, आर.के. चौधरी, राज्यसभा सांसद संजय सेठ एवं क्षेत्रीय विधायक राजेश गौतम शामिल हैं। सड़क के निर्माण होने से क्षेत्र की बड़ी आबादी को आवागमन में प्रत्यक्ष सुविधा मिलेगी और ग्रामीण इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी।

इधर, डॉ. अंबेडकर ग्राम विकास योजना के तहत वर्ष 2007 में चयनित इस मार्ग के नाम में संशोधन को लेकर लोक निर्माण विभाग द्वारा शासन के अनुसचिव स्तर से आख्या मांगी गई है। माना जा रहा है कि संपर्क मार्ग के नए नाम से संबंधित शासनादेश भी जल्द जारी हो सकता है।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सुलतानपुर

पत्रांकः समग्र शिक्षा/के0जी0बी0वी0/29406–16 /2025–26 दिनांकः 20/11/2025

विज्ञप्ति

उ0प्र0 शासन के पत्र संख्या–1553/ 68–5–2020 बेसिक शिक्षा अनुभाग– लखनऊ दिनांकः 11.12.2020, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय, समग्र शिक्षा, उ0प्र0, लखनऊ के पत्रांकः के0जी0बी0वी0/शिक्षक/8362/2020–21 दिनांकः 04.01.2021 एवं महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय, समग्र शिक्षा, उ0प्र0, लखनऊ के पत्रांकः के0जी0बी0वी0/11308/2022–23 दिनांकः 14.02.2023 शासनादेश संख्या–2805/68–5– 2023–02/2020 दिनांकः 01 फरवरी, 2023 एवं शासनादेश संख्या– I/570148/2024 File No- 68–5099/23/2024–5 () दिनांक 28–05–2024 तथा शासनादेश संख्या– I/775757/2024 File No.68–5099/23/2024–अनुभाग–5 दिनांक 21–10–2024 एवं तत्क्रम में राज्य परियोजना कार्यालय के पत्रांक के0जी0बी0वी0/1837/2024–25 दिनांक 30–05–2024 तथा पत्रांकः के0जी0बी0वी0/7114/2024–25 दिनांक 28.10.2024 के अनुपालन एवं जिलाधिकारी महोदय की अनुमति दिनांक 06.11.2025 के क्रम में जनपद सुलतानपुर में संचालित कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों/उच्चीकृत कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों (कक्षा 6 से 12) में शैक्षिक व गैर शौक्षिक कर्मचारियों के रिक्त पदों पर संविदा के आधार पर आगामी सत्र हेतु (11 माह 29 दिन) शैक्षिक व गैर शैक्षिक पदों पर उल्लिखित विवरण के अनुसार केवल महिला योग्यताधारी अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। पूर्णरूप से भरे हुए आवेदन पत्र दिनांक 10, दिसम्बर, 2025 तक पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, विवेक नगर सुलतानपुर पिन कोड 228001 सायं 05 बजे तक प्राप्त किये जायेगें। रिक्त पदों की संख्या घट/बढ़ सकती है।

(1) **रिक्त पदों का विवरण (कक्षा–06 से 08) निम्नवत् है:–(समस्त पद महिला अभ्यर्थी हेतु आरक्षित)**

क्र0 सं0	पदनाम	आयु सीमा (आयु की गणना 01 अप्रैल, 2025 से की जायेगी)	पदों की संख्या	अनुसूचित जाति	अन्य पिछडा वर्ग	ई0डब्ल्यू0 एस0	अनारक्षित	पी0ए0बी0 द्वारा स्वीकृत नियत मानदेय प्रतिमाह(ई0पी0एफ0 सहित)
1	पूर्ण कालिक शिक्षिका (गणित)	25 से 45 वर्ष तक	02	01	-	-	01	25,410/-
2	पूर्ण कालिक शिक्षिका (हिन्दी/संस्कृत)		01	01	-	-	-	25,410/-
3	अंशकालिक शिक्षिका (कम्प्यूटर शिक्षा)		03	01	-	01	01	12,790/-
4	लेखाकार		03	01	02	-	-	14,357/-
5	मुख्य रसोइयां		03	-	01	-	02	9006/-
6	सहायक रसोइयां		06	-	-	01	05	6755/-
7	चपरासी		01	-	-	-	01	7,505/-

(2) रिक्त पदों का विवरण **(कक्षा–09 से 12)** निम्नवत् हैः–**(समस्त पद महिला अभ्यर्थी हेतु आरक्षित)**

1	कार्यालय अध्यक्ष	25 से 45 वर्ष तक	01	01	-	-	-	12,430/-
2	रसोइयां		13	05	06	02	-	6433/-
3	चपरासी		01	-	01	-	-	7,147/-
4	चौकीदार		06	02	03	01	-	7,147/-

शैक्षिक अर्हता–

- **पूर्णकालिक शिक्षिका –(गणित)**

गणित (पी0सी0एम0 वर्ग से प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टी0ई0टी0)

- **पूर्णकालिक शिक्षिका–(हिन्दी/संस्कृत) की अर्हता–**

भाषा (हिन्दी–संस्कृत एवं अंग्रेजी में से न्यूनतम् एक वर्ग में प्रशिक्षित स्नातक एवं उच्च प्राथमिक स्तर की टी0ई0टी0)

- **अंशकालिक शिक्षिका–(कम्प्यूटर शिक्षा) की अर्हता–**

कम्प्यूटर प्रशिक्षित स्नातक एवं पी0जी0डी0 सी0ए0/बी0सी0ए0/बी0एस0सी0 कम्प्यूटर साइंस अथवा स्नातक सहित डी0ओ0ई0ए0सी0सी0 या समकक्ष संस्था से "ओ–लेवल"/ए–लेवल डिप्लोमा।

- **लेखाकार–** स्नातक वाणिज्य तथा एम0एस0 आफिस पर कार्य करने का ज्ञान अनिवार्य होगा। डी0ओ0ई0ए0सी0सी0 या समकक्ष संस्था से कम्प्यूटर शिक्षा में ओ लेवल डिप्लोमा अथवा समकक्ष अन्य योग्यता की दशा में अभ्यर्थिनी को चयन में वरीयता दी जायेगी।
- **कार्यालय अधीक्षक/लिपिक की अर्हता–**

1– माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 द्वारा आयोजित इण्टरमीडिएट परीक्षा अथवा उसके समकक्ष कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण हो।
2– माध्यमिक शिक्षा परिषद, उ0प्र0 के साथ–साथ केन्द्र अथवा किसी राज्य द्वारा स्थापित किसी संस्था/शिक्षा बोर्ड /परिषद द्वारा संचालित हाईस्कूल अथवा इण्टरमीडिएट परीक्षा में पृथक विषय के रूप में कम्प्यूटर साइंस विषय को लिया गया हो। अथवा कम्प्यूटर संचालन डोएक/NIELIT द्वारा प्रदत्त CCC प्रमाण–पत्र अथवा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से समकक्ष स्तर का प्रमाण–पत्र। अथवा कम्प्यूटर साइंस में डिप्लोमा/डिग्री
3– कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण गति न्यूनतम 25 शब्द प्रति मिनट एवं कम्प्यूटर पर अंग्रेजी टंकण गति न्यूनतम 30 शब्द प्रति मिनट

- **मुख्य रसोइयां की अर्हता–** कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।
- **सहायक रसोइयां की अर्हता–** कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।
- **रसोइयां की अर्हता–** कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।
- **चपरासी की अर्हता–** कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।
- **चौकीदार की अर्हता–** कक्षा–8 उत्तीर्ण। अभ्यर्थी शारीरिक अक्षमता एवं संक्रामक रोग से ग्रस्त नहीं होना चाहिए।

(2) **आयु–(आयु की गणना 01 अप्रैल, 2025 से की जायेगी)**

- पदों पर चयन, वर्ष की 01 अप्रैल को न्यूनतम आयु 25 वर्ष एवं अधिकतम आयु 45 वर्ष होगी।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में सेवा हेतु अधिकतम आयु 60 वर्ष होगी।

(3) **आरक्षण–** राज्य सरकार के निर्धारित प्राविधानों के अनुसार आरक्षण देय होगा।
(4) **चरित्र–** किसी सेवा से बर्खास्त, नैतिक/चारित्रिक अधमता के अपराध के लिए दोष सिद्ध एवं दिवालिया चयन के लिए अर्ह नहीं होंगे।
(5) **चयन प्रक्रिया–**
अभ्यर्थी के चयन के लिए भारांक के अंकों का निर्धारण निम्न प्रकार किया जायेगा–

क्र0सं0	परीक्षा/उपाधि का नाम	गुणवत्ता अंक
1	हाईस्कूल	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X10/100
2	इण्टरमीडिएट	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X10/100
3	स्नातक उपाधि	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X20/100
4	परास्नातक उपाधि	परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X20/100
5	प्रशिक्षण	सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में प्राप्तांक का प्रतिशत X30/100

नोट–

- यदि दो या अधिक अभ्यर्थियों के गुणवत्ता अंक समान हों तो ऐसे अभ्यर्थी का नाम, जो आयु में ज्येष्ठ हो, सूची में उच्चतर रखा जायेगा।
- यदि दो या अधिक अभ्यर्थियों के गुणवत्ता अंक और आयु समान हो तो अभ्यर्थी का नाम, अंग्रेजी वर्णमाला क्रम के अनुसार सूची में रखा जायेगा।
- रसोइयां, सहायक रसोइयां, मुख्य रसोईयां, चपरासी एवं चौकीदार के पद पर चयन साक्षात्कार के आधार पर किया जायेगा।
- पूर्णकालिक शिक्षिका, रसोइयां, सहायक रसोइयां, मुख्य रसोईयां, चपरासी एवं चौकीदार का पद पूर्णकालिक है, इन पदों पर चयनितकार्मिकों को विद्यालय में रात्रि निवास करना अनिवार्य होगा।

(6) **सत्यापन–**
शिक्षक/शिक्षणेत्तर स्टाफ के चयन के समय प्रस्तुत प्रमाण पत्रों का सत्यापन सम्बन्धित बोर्ड/संस्था से कराया जायेगा। कार्मिकों के मूल शैक्षिक अभिलेखों को जिला परियोजना कार्यालय में सुरक्षित/संरक्षित कराया जायेगा। अभिलेखों के सत्यापनोपरान्त ही मानदेय का भुगतान किया जायेगा।
उपरोक्त के सम्बन्ध में विस्तृत आवश्यक दिशा–निर्देश एवं आवेदन पत्र का प्रारूप जनपद के बेवसाईट **https://sultanpur.nic.in/** पर अपलोड है।आवेदन पत्र के साथ अपनी दो स्व–प्रमाणित फोटो, समस्त शैक्षिक अंकपत्र (स्नातक एवं परास्नातक के सभी वर्षो का अंकपत्र), प्रमाण–पत्र, अनुभव प्रमाण–पत्र, आधार कार्ड एवं अन्य वांछित प्रमाण–पत्रों की स्वप्रमाणित छायाप्रतियाँ तथा अपना नाम, पता लिखे हुए 02 लिफाफे स्पीड पोस्ट अथवा रजिस्टर्ड डाक के निर्धारित शुल्क के डाक टिकट लगे हुए अनिवार्य रूप से संलग्न करें। आवेदन पत्र के लिफाफे पर आवेदित पद का नाम व विषय तथा आरक्षण वर्ग अवश्य लिखें। प्रत्येक पद हेतु अलग–अलग आवेदन करना होगा। अपूर्ण, अस्पष्ट, बिना संलग्नकों वाले, बिना हस्ताक्षर, प्रारूप से भिन्न, अधूरे संलग्नकों वाले आवेदन पत्रों को निरस्त कर दिया जायेगा। साधारण डाक से प्रेषित व अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा और न ही इस सम्बन्ध में कोई सूचना दी जायेगी। काउन्सिलिंग/साक्षात्कार में प्रतिभाग करने वाले किसी भी अभ्यर्थिनी को यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। विज्ञप्ति में किसी भी प्रकार के बदलाव/सुधार एवं किसी भी समय निरस्त करने का अधिकार जनपदीय चयन समिति का होगा। इसमें अभ्यर्थी का किसी प्रकार का दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(उपेन्द्र गुप्ता), जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सुलतानपुर।

कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सुलतानपुर के पत्रांकः समग्र शिक्षा/के0जी0बी0वी0/29406–16/2025–26 दिनांकः 20.11.2025

कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय में रिक्त पद हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप–(2025–26)

नवीनतम स्वप्रमाणित पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो ग्राफ

01. आवेदित पद का नाम–.....
02. आवेदित विषय–.....
03. अभ्यर्थी/अभ्यर्थिनी का नाम (हिन्दी में)–.....
(अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में)–.....
04. अभ्यर्थी/अभ्यर्थिनी के पिता/पति का नाम–.....
05. जन्म तिथि (हाईस्कूल प्रमाण पत्र के अनुसार)–.....
06. आयु (01.04.2025) वर्ष ..... माह..... दिन .....
07. गृह जनपद–.....
08. लिंग – **केवल महिला अभ्यर्थिनियों हेतु आरक्षित है**
09. आरक्षित श्रेणी (अनारक्षित/अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति)–.....
10. मोबाइल नं0–..... आधार नं0–.....
11. स्थायी पता–.....
12. पत्राचार का पता–.....
13. कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका जो वर्ष 2020–21 में नवीन संविदा से वंचित हो गये हैं, की दशा में कार्य अनुभव– ..... वर्ष .....माह ..... दिन का अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न .....
14. शैक्षिक योग्यता का विवरण–(स्वप्रमाणित प्रति संलग्न करें)

क्र0 सं0	परीक्षा का नाम	बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम	वर्ष	विषय	पूर्णांक	प्राप्तांक	प्रतिशत
1	जूनियर हाई स्कूल						
2	हाई स्कूल						
3	इण्टरमीडिएट						
4	स्नातक (तीनों वर्ष के अंक पत्र संलग्न करें)						
5	बी0एड0						
6	टी0ई0टी0/सी0टी0ई0टी0 (उच्च प्राथमिक स्तर)						
7	अन्य						

15. संलग्नकों का विवरण– 01. 02. 03. 04. 05. 06.

घोषणा

मैं एतद्द्वारा घोषणा करती हूँ कि मैंने विज्ञप्ति में अंकित की गयी पात्रता की शर्तें भली–भाँति पढ़ ली है तथा मुझे मान्य हैं और उक्त शर्तें पूर्ण करती हूँ। इस आवेदन पत्र में दिये गये समस्त विवरण/सूचनाएं सत्य एवं सही हैं और मैंने इन सभी तथ्यों/विवरणों/सूचनाओं में कोई भी तथ्य छिपाया नहीं गया है। कोई तथ्य/विवरण/सूचना असत्य एवं गलत पाये जाने पर अथवा मेरे द्वारा छिपाये जाने पर मेरा आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जाय।

दिनांक–

अभ्यर्थिनी के हस्ताक्षर

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

मौसम में बदलाव से सांस रोगी बेहाल, बच्चे व बुजुर्ग का रखें ध्यान

संवाददाता, गोंडा

- बुखार, जुकाम व सांस रोगियों की भरमार

अमृत विचार : मौसम में बदलाव से सांस रोगियों की मुश्किल बढ़ गयी है। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय में सांस रोगियों की संख्या बढ़ी है। अस्पतालों में सांस के साथ ही बुखार व जुकाम रोगियों की भीड़ उमड़ रही है।

गुरुवार को चेस्ट फिजिशियन के पास सौ से अधिक मरीज उपचार कराने पहुंचे। तापमान में गिरावट आने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दो-तीन दिन से से मौसम में नमी आई है, जिससे सांस रोगी परेशान हो रहे हैं। सबसे अधिक समस्या बुजुर्गों व बच्चों को को हो रही है। कई लोगों ने बताया जब से मौसम में बदलाव हुआ है उन लोगों को सांस लेने में कठिनाई हो रही है। इलाज कराने आए रामसमुझ ने बताया कि जब से थोड़ा-थोड़ा ठंडक पड़ने लगी है तब से सांस लेने की समस्या बढ़ गई है। परिजनों के साथ अस्पताल आए हैं डॉक्टर द्वारा दवा दी गई है। वही बुजुर्ग महिला शोभावती ने बताया कि पिछले कई दिन से सीने में दर्द है। सांस लेने में समस्या हो रही थी। मजबूरी में अस्पताल में आकर इलाज कराना पड़ रहा है। डॉक्टर ने दवा दी है तब जाकर आराम मिला है। बच्चों को दिखाने आई मीरा ने बताया कि उनके 10 वर्षीय बेटे सोनू की तबीयत कई दिन से खराब है उसको बुखार व जुकाम है। खाना भी नहीं खा रहा है। बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय के सहायक आचार्य व फिजिशियन डा रमेश पांडेय ने बताया कि मौसम में नमी के कारण दमा रोगियों को अधिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इस समय सांस रोगियों को काफी सावधानी बरतनी चाहिए। उमस भरी गर्मी के बीच मौसम में करवट लिया है। बुखार व जुकाम रोगी भी बढ़ रहे हैं। बुजुर्गों व बच्चों को विशेष ध्यान से रहना होगा। खानपान पर ध्यान देना होगा। ठंडी वस्तुओं से सेवन से बचना होगा।

अस्पताल में लगी मरीजों की भीड़। अमृत विचार

साफ-सफाई के साथ सावधानी बरतने की जरूरत

मौसम में बदलाव हुआ है, साथ ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। मच्छर से होने वाली बीमारियां पांव पसार सकती हैं। लोगों को साफ-सफाई के साथ ही अन्य सावधानी बरतने की जरूरत है। पूरी तरह से कपड़े पहन कर रहें। छोटे बच्चों को विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। मच्छर से बचाव के लिए इंतजाम करें। घर के आसपास पानी न एकत्र होने दें। सांस रोगी को विशेष सतर्कता वरतनी चाहिए। सुबह और शाम बुजुर्गों को गर्म कपड़े का सहारा लेना चाहिए। जरूर समझे तो आग का सहारा लेना चाहिए। गुनगुने पानी से स्नान करना चाहिए। तबीयत बिगड़ने पर तत्काल चिकित्सक से संपर्क कर दवा लेना चाहिए। लापरवाही भारी पड़ सकती है।

संगीतमय भागवत कथा में श्रद्धालु हुए भावविभोर

नवाबगंज। महंगूपुर गांव के बखिरा मजरे में चल रहे संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान सप्ताह के छठवें दिन बुधवार को पूरा कथा पंडाल भक्ति, संगीत और दिव्यता से सराबोर हो उठा। वृंदावन धाम से पधारे सुप्रसिद्ध कथा व्यास पं. मधुर गोपाल शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के पावन विवाह प्रसंग का ऐसा मनोहारी वर्णन किया कि उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। रुक्मणी जन्म से ही श्रीकृष्ण को पति रूप में मानती थीं और उनके प्रति अटूट प्रेम एवं समर्पण रखती थीं। जब उनके भाई ने जबरन शिशुपाल के साथ विवाह तय कर दिया, तब रुक्मणी ने श्रीकृष्ण को पत्र लिखकर करुणा भरी पुकार लगाई। रुक्मणी के प्रेम और विश्वास के आगे भगवान स्वयं द्वारिका से विदर्भ के लिए चल पड़े और मंदिर से बाहर आते ही रुक्मणी को अपने रथ पर बिठाकर ले आए।

न्यूज ब्रीफ

मंदिर परिसर में लगे पेड़ काट कर ले जा रहे लोग

इटियाथोक, गोंडा। तिर्रे मनोरमा स्थित शनि देव मंदिर कमेटी के महाराज दद्दन पांडे ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने अपने प्रार्थना पत्र के माध्यम से मांग की है कि तिर्रे मनोरमा तीर्थ स्थल स्थित बाग में एक आम का पेड़ सूख कर गिर गया है जिसको आए दिन बाहरी लोग काट काट कर ले जा रहे हैं। उनकी मांग है इस पेड़ को काटकर राम जानकी मंदिर के कंपाउंड में रखवा दिया जाए जिससे शनि देव मंदिर व राम जानकी मंदिर सहित तीर्थ स्थल पर आने जाने वाले श्रद्धालु ठंड के मौसम की दृष्टिगत उसे लकड़ी का अलाव में प्रयोग किया जा सके वहीं आगामी 15 दिसंबर को शनि देव मंदिर के स्थापना दिवस पर कथा के साथ-साथ भंडारे का भी आयोजन किया गया है उसमें भी क्षेत्र के अनेकों श्रद्धालु आएंगे उनके लिए भी अलाव की व्यवस्था हो जाएगी।

हृदयगति रुकने से युवक की मौत

रुपईडीह, गोंडा। ब्लॉक के पिपरा चौबे गाँव निवासी व मोटरसाइकिल मिस्त्री रामू (45) की हृदय गति रुक जाने से मौत हो गई। उनके भाई कमलेश कुमार ने बताया कि वह अपनी दुकान पर बैठे हुए थे तभी अचानक उनके सीने में दर्द हो गया। बेहोशी हालत में उनको उपचार के लिए चिकित्सक के यहां ले जाने की तैयारी की जा रही थी तभी उनकी मृत्यु हो गई। उनके तीन पुत्र जयचंद, कुलदीप व सचिन तथा पुत्री मुस्कान 11 वर्ष की है। उनकी पत्नी रजवंती के मायके में उनके बहन व भाई न होने के कारण वह अपने ससुराल तेलियानी पाठक मे 10 वर्षों से रह रहे थे। उनके निधन पर श्री रग्घू बाबा सेवा आरोग्य संस्थान के अध्यक्ष गोली दूबे ने दु:ख व्यक्त करते हुए मौके पर पहुंचकर उनके शोक संतृप्त परिवार के प्रति संवेदना जाहिर की है।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

करनैलगंज, अमृत विचार : दुष्कर्म मामले में दो माह से फरार चल रहे आरोपी जकीउल्ला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोतवाल तेज प्रताप सिंह ने बताया कि करनैलगंज ग्रामीण निवासी आरोपी की तलाश लंबे समय से की जा रही थी। उपनिरीक्षक गुफरान अहमद, सुधीर यादव, खुशबू श्रीवास्तव व हेड कांस्टेबल अनुपम मिश्रा की टीम ने उसे करनैलगंज नगर से पकड़ा। आरोपी को न्यायालय भेज दिया गया।

760 कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

करनैलगंज : मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत तहसील करनैलगंज में दो विधानसभा क्षेत्रों करनैलगंज व कटरा बाजार के 760 कार्मिकों को दो दिनों में प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा व गोंडा के उप जिलाधिकारी विशाल कुमार ने प्रशिक्षण देते हुए एसआईआर गणना कार्य को समयबद्ध व शत-प्रतिशत सटीकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। तहसील सभागार में हुए प्रशिक्षण में करनैलगंज विधानसभा के 373 बीएलओ व 38 सुपरवाइजर, जबकि कटरा बाजार विधानसभा के 317 बीएलओ व 32 सुपरवाइजर शामिल रहे।

संयुक्त पैमाइश व अवैध निर्माण रोकने की मांग

मनकापुर, गोंडा : क्षेत्र के ग्राम फिरोजपुर में कृषि पट्टा भूमि पर कब्जे की कोशिश को लेकर दो सहखातेदारों ने पुलिस उप महानिरीक्षक से संयुक्त पैमाइश और अवैध निर्माण रोकने की मांग की है। पीड़ित शिवनरायन और बुधराम ने संयुक्त रूप से दिए शिकायती पत्र में कहा है कि उनकी पट्टा भूमि गाटा संख्या 462 पर विपक्षी शोभाराम यादव फर्जी चौहद्दी वाले बैनामे के आधार पर कब्जा करना चाहता है। आरोप है कि विपक्षी ने असंक्रमणीय गाटा संख्या 458 का बैनामा लेकर उसकी गलत सीमाएं दर्ज कराई और उसी के आधार पर 31 अक्टूबर को 80-90 लोगों के साथ पहुंचकर नींव खुदवाने लगा। सूचना पर राजस्व और पुलिस टीम ने अवैध निर्माण रुकवा दिया। पीड़ितों ने मांग की है कि उच्च अधिकारियों की निगरानी में सटीक पैमाइश कराई जाए।

अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी ने किया निरीक्षण

गोंडा : अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत द्वारा थाना खोड़ारे का निरीक्षण किया गया। गार्द की सलामी ली गई। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, अभिलेख, शस्त्रागार, भोजनालय, महिला हेल्प डेस्क एवं विवेचना कक्ष का निरीक्षण किया तथा स्वच्छता, अभिलेखों के अद्यतन व रख-रखाव, पारदर्शी कार्यप्रणाली, गश्त व्यवस्था एवं रात्रि चेकिंग को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। महिला हेल्प डेस्क पर तैनात पुलिसकर्मियों को महिला एवं बालिका संबंधी शिकायतों पर संवेदनशील एवं त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी ने ग्राम प्रहरियों को कम्बल एवं टॉर्च वितरित किए।

संदिग्ध परिस्थितियों में सोखते में मिला ढाई साल की मासूम का शव

पिता ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

संवाददाता, बेलसर, गोंडा

अमृत विचार : उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मंगुरा के बगरहवा मजरे में बुधवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब दो वर्ष छह माह की अंजली का शव घर से कुछ दूरी पर स्थित पानी के सोखते में उतराता मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

22 नवंबर को अंजली की बुआ करिश्मा की शादी तय है। बुधवार को उसके पिता अर्जुन वर्मा शादी के कार्ड बांटने तरबगंज गए थे। इसी दौरान घर पर खेल रही अंजली अचानक लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी जब वह नहीं मिली, तो परिवार द्वारा डायल 112 पर सूचना दी गई। रात करीब 11 बजे प्रभारी निरीक्षक उमरी बेगमगंज नरेंद्र प्रताप राय तथा प्रभारी निरीक्षक परसपुर अनुज त्रिपाठी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। देर रात एएसपी राधेश्याम राय के नेतृत्व में की गई संयुक्त तलाश के दौरान घर के नजदीक बने पानी के सोखते का ढक्कन खुलवाया गया, तो उसमें अंजली का शव उतराता मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि घटना की जांच दोनों एंगल हादसा और हत्या से की जा रही है। कार्रवाई पीएम रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

सोखा जहां से बरामद हुई बच्ची का शव। अमृत विचार

बहन की शादी में घर आए थे बच्ची के पिता

अंजली के पिता अर्जुन वर्मा ने कहा कि वे पत्नी खुशबू व दोनों बेटियों के साथ दिल्ली में रहते हैं। 17 नवंबर को बहन की शादी कार्यक्रम में शामिल होने परिवार सहित घर आए थे। उनका आरोप है कि किसी ने साजिश के तहत उनकी बेटी की हत्या की है। अर्जुन ने बताया कि पहले भी उनके परिवार के खिलाफ कई साजिशें रची गई हैं। उनका कहना है कि जिस सोखते में अंजली का शव मिला, उसका ढक्कन सामान्यत: बंद रहता है। किसी ने ढक्कन खोलकर बच्ची को अंदर डालकर फिर बंद किया है।

सेवानिवृत्त कर्मचारी से रिश्वत लेने का आरोप, जांच की मांग

मनकापुर : गन्ना विकास विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी ने जिला गन्ना अधिकारी कार्यालय में तैनात एक लिपिक पर वेतन एरियर और अवकाश नकदीकरण के भुगतान के नाम पर 50 हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र भेजकर भुगतान दिलाने की मांग की है। ग्राम महादेवा निवासी जितेंद्र बहादुर शुक्ला वर्ष 2014 में गन्ना पर्यवेक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनका आरोप है कि कार्यालय के स्थापन लिपिक सुधीर धर द्विवेदी ने उनके लगभग 15 लाख रुपये के एरियर और 300 दिन के उपार्जित अवकाश के भुगतान के नाम पर 30 अप्रैल 2025 को 50 हजार रुपये की मांग कर वसूल लिए। बार-बार संपर्क करने के बावजूद अब तक न तो एरियर भुगतान हुआ और न ही अवकाश नकदीकरण। रुपये वापस मांगने पर आरोपी लिपिक ने 31 मई और 2 जून को 10-10 हजार रुपये गूगल पे से लौटाए, जबकि बाकी 30 हजार रुपये देने से इंकार कर दिया। जिला गन्ना अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। शीघ्र ही एरियर भुगतान किया जाएगा।

छात्र को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

मनकापुर, अमृत विचार : गोंडा जिले के मनकापुर क्षेत्र में बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बीएड छात्र की मौत हो गई। मध्य नगर इटियाथोक निवासी अनुज सिंह (24 वर्ष), नंदिनी नगर महाविद्यालय में बीएड की पढ़ाई कर रहे थे। बुधवार को वे फीस जमा करने महाविद्यालय गए थे और देर शाम घर लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। बताया गया कि रात करीब 9:30 बजे वे भिटौरा मजरा चिरैया गांव के पास पहुंचे ही थे कि एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से अनुज सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल-112 की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनकापुर भेजा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आपातकालीन कक्ष के डॉक्टर रवीश रिज़वी के अनुसार, युवक की मौत मौके पर ही हो चुकी थी। हादसे की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए, लेकिन तब तक अनुज की हालत नाजुक हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार, चार साल पहले अनुज के पिता की मौत सांप के काटने से हो गई थी। अब इकलौते बेटे की असमय मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि वाहन की पहचान की जा सके।

अनुज सिंह (फाइल फोटो)।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर चल रही समीक्षा

संवाददाता, गोंडा

- खराब रैंकिंग वाले विभागों के अधिकारियों को रैंकिंग में तत्काल सुधार लाने के दिये निर्देश
- सीडीओ ने प्रोजेक्टर के माध्यम से योजनाओं की स्थिति की ली जानकारी

अमृत विचार : बृहस्पतिवार को मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में चल रही विकास कार्यक्रमों के योजनाओं के रैंकिंग की कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की।

उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से विभागवार योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने एनआरएलएम विभाग, जल निगम विभाग, फैमिली आईडी, पंचायत विभाग, विद्युत विभाग, पर्यटन विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, समाज कल्याण विभाग, प्रोवेशन विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, सिंचाई विभाग आदि विभागों की समीक्षा बैठक की। अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी लोग अपने-अपने विभागों की सीएम डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों/ योजनाओं की बराबर समीक्षा करते रहें, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विभाग की रैंकिंग खराब न होने पाए, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सीडीओ ने कहा कि सभी विभाग छोटी से छोटी कमियों पर विशेष ध्यान देते हुए अपनी रैंकिंग में सुधार लाएं। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक डीआरडीए, उपनिदेशक कृषि, डीपीआरओ, जिला प्रोवेशन अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, डीसी उद्योग बाबूराम, सहायक पर्यटन अधिकारी सभी संबंधित विभाग के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अपर जिला जज ने सुनी बंदियों की समस्याएं

गोंडा। अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दानिश हसनैन ने गुरुवार को मंडलीय कारागार गोंडा का निरीक्षण किया। अपर जिला जज ने निरीक्षण के दौरान विचाराधीन और सिद्ध दोष बंदियों से बैरकों में जाकर व्यक्तिगत संवाद किया। उन्होंने विचाराधीन बंदियों की रिहाई के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की समीक्षा की। अपर जिला जज ने महिला बैरक में महिला बंदियों से मुलाकात की। महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों की पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने किचन व अस्पताल का भी निरीक्षण किया।

बेटी के अपहरण में पुलिस की धीमी कार्रवाई पर सवाल

नवाबगंज, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने अपनी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी की अब तक बरामदगी न होने पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। पीड़ित मां ने पुलिस अधीक्षक गोंडा को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही। जानकारी मिली कि महेशपुर गांव स्थित फोरलेन हाईवे पर एक होटल में काम करने वाला अजय नाम का युवक उसकी बेटी को शादी करने की नीयत से लेकर चला गया। थानाध्यक्ष अभय सिंह का कहना है कि युवती की तलाश जारी है।

सिटी डायरी

करनैलगंज में दिनभर रहा भीषण जाम, रेलवे क्रॉसिंगों पर फंसे सैकड़ों वाहन

करनैलगंज : बृहस्पतिवार को करनैलगंज रेलवे स्टेशन के आस-पास स्थित कई रेलवे क्रॉसिंगों पर दिनभर भीषण जाम की स्थिति बनी रही। सहालग का समय होने के साथ-साथ नरायनपुर मांझा रेलवे क्रॉसिंग गेट संख्या 284 पर एलपीजी सिलेंडर से भरे ट्रक में आई अचानक खराबी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। ट्रक खराब होने के कारण कई ट्रेनों की गति प्रभावित हुई, जिसका सीधा असर आसपास की अन्य क्रॉसिंगों पर भी देखने को मिला। इनमें करनैलगंज-हुजूरपुर रेलवे क्रॉसिंग संख्या 282, हटही रिशाला 281 और करनैलगंज-कटरा रेलवे क्रासिंग संख्या 280 शामिल रहीं, जहां सुबह से ही वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में एम्बुलेंस, स्कूली वाहन, दोपहिया और छोटे-बड़े चारपहिया वाहन घंटों तक फंसे रहे। स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर जाम हटवाया।

करनैलगंज-हुजूरपुर रेलवे क्रासिंग पर लगा जाम।

रेलवे परामर्शदात्री समिति सदस्य ने पैसेंजर ट्रेन संचालन की उठाई मांग

गोंडा : पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने महाप्रबन्धक से मिलकर रेल यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों समेत रेल गाड़ियों के संचालन एवं सुविधाओं के परिपेक्ष्य में अवगत कराया। भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने कोरोना काल से बन्द गोण्डा से लखनऊ पैसेन्जर ट्रेन का संचालन शुरू किये जाने की मांग की है। गोण्डा से नई दिल्ली एवं नई दिल्ली से गोण्डा तथा गोण्डा जंक्शन से मुम्बई एवं मुम्बई से गोण्डा तक, मेल/एक्सप्रेस ट्रेन चलाये जाने की मांग रखी। गोण्डा अयोध्या धाम से मनकापुर एवं मनकापुर से अयोध्या धाम तथा इलाहाबाद से मनकापुर एवं मनकापुर से इलाहाबाद चलने वाली सरयू साकेत एक्सप्रेस का विस्तार गोण्डा तक किये जाने की मांग रखी। गोण्डा कचेहरी रेलवे स्टेशन का नाम शहीद राजेन्द्र लाहिड़ी के नाम किये जाने, रेलवे कर्मचारियों के लिए निर्मित 1700 आवासीय स्थल का पुनर्निर्माण कराये जाने, गोण्डा, करनैलगंज, इटियाथोक, मोतीगंज, मसकनवां, बभनान, झारखण्डी समेत स्थानों पर रेल आवासों एवं रेलवे की जमीनों पर अवैध कब्जेदारों को हटाकर कार्यवाही किये जाने, माल गोदाम पर निर्माणाधीन प्लेटफार्म का निर्माण शुरू कराये जाने, निर्माणाधीन अधूरे वाशिंग पिट लाइन को निर्मित कराए जाने, गोण्डा बलरामपुर मार्ग पर स्थित बड़गांव रेलवे क्रासिंग पर प्रस्तावित फुट ओवरब्रिज का निर्माण शुरू कराये जाने समेत तमाम बिन्दुओं के सम्बन्ध में परिपत्र देकर कार्यवाही करने के लिए आग्रह किया है।

किसानों को प्रशिक्षण देते कृषि वैज्ञानिक।

बीज वितरण व कृषि अभियंत्रण प्रशिक्षण का आयोजन

गोंडा : दीनदयाल शोध संस्थान, लाल बहादुर शास्त्री कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा राष्ट्रीय जलवायु स्मार्ट कृषि में नवप्रवर्तन (निकरा) परियोजना के अंतर्गत राजापुर गांव में बीज वितरण एवं कृषि अभियंत्रण विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इं. मिथिलेश कुमार झा ने कृषि अभियंत्रण पर तकनीकी प्रशिक्षण देते हुए सुपर सीडर से बिना खेत तैयारी के गेहूं बुवाई की विधि समझाई। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से नमी संरक्षण, अवशेष प्रबंधन, भूमि स्वास्थ्य में सुधार समेत समय और लागत की बचत होती है।

देश स्तरीय सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

फुटबाल खेलतीं महिला खिलाड़ी। अमृत विचार

गोंडा : खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ और जिला प्रशासन गोंडा के तत्वावधान में क्षेत्रीय खेल कार्यालय गोंडा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ गुरुवार को स्थानीय जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय की उपनिदेशक मुद्रिका पाठक और क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अनिमेष सक्सेना ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मुद्रिका पाठक ने 18 मंडलों से आई महिला खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। ये प्रतियोगिता 20 से 27 नवंबर तक चलेगी।

रेल क्रॉसिंग पर गैस सिलेंडर लदा ट्रक फंसा

- ट्रैक्टर मंगा कर ट्रक हटवाया गया समय रहते बड़ी दुर्घटना टली

करनैलगंज, अमृत विचार: जिले के करनैलगंज रेलवे स्टेशन क्षेत्र में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा टल गया। नारायणपुर माझा रेलवे क्रॉसिंग गेट संख्या 284 पर करीब साढ़े आठ बजे एलपीजी गैस सिलेंडर से लदा एक ट्रक अचानक रेलवे ट्रैक के बीच फंस गया, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया।

ट्रक लखनऊ से गैस सिलेंडर लेकर गोंडा जा रहा था। तभी क्रॉसिंग पार करते समय उसका टायर पंचर हो गया और वाहन ट्रैक के बीच अटक गया। गेटमैन ने तुरंत ट्रक चालक को वाहन हटाने को कहा, लेकिन पंचर होने के कारण ट्रक हिल नहीं सका। गेटमैन ने फौरन करनैलगंज स्टेशन को घटना की सूचना दी। एहतियातन स्टेशन मास्टर उत्तम कुमार ने गोरखपुर-लखनऊ और लखनऊ-गोरखपुर रूट की चार ट्रेनों को अलग-अलग स्थानों पर रोक दिया। दो ट्रेनें क्रॉसिंग से कुछ दूरी पर जबकि दो अन्य सरयू स्टेशन पर खड़ी रहीं। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गेटमैन ने ट्रैक्टर मंगाकर ट्रक को ट्रैक से हटवाया। समय रहते सिग्नल बंद कर देने से एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया गया। घटना के समय गेट खुला था और ट्रेन आने से पहले गेटमैन उसे बंद करने जा रहा था। तभी ट्रक फंस गया। गेटमैन की सूझबूझ और तत्परता के चलते न केवल ट्रेनों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई, बल्कि यात्रियों की जान भी बच गई।

रेलवे ट्रैक पर फंसा सिलेंडर लदा ट्रक। अमृत विचार

रोष | 10 हजार शिक्षकों को अक्टूबर महीने से नहीं मिला है वेतन

बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास का करेंगे घेराव

गोंडा, अमृत विचार : अक्टूबर माह से वेतन न मिलने से परेशान प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के हजारों शिक्षक अब खुलकर विरोध के लिए तैयार हो गए हैं। आर्थिक संकट से जूझ रहे शिक्षक 23 नवंबर को बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास का घेराव करेंगे। शिक्षक संघर्ष समिति ने सभी शिक्षकों से 23 नवंबर को लखनऊ चलने का आवाह्न किया है।

बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय स्कूलों में तैनात करीब 10 हजार शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अक्टूबर महीने से वेतन नहीं मिला है। वेतन न मिलने से शिक्षक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। शिक्षक संघर्ष समिति के सह संयोजक गौरव पांडेय का कहना है कि पिछले डेढ़ महीने से वेतन न मिलने के कारण घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। कई शिक्षक बैंक लोन की ईएमआई नहीं चुका पा रहे, जबकि कुछ परिवार उपचार न करा पाने की मजबूरी झेल रहे हैं। वहीं विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अनूप सिंह ने लेखा कार्यालय में तैनात दो लिपिकों अनुपम पांडेय व अरुण शुक्ला को जिम्मेदार बताते हुए उनके तत्काल तबादले की मांग की है। आरोप है कि यह दोनों लिपिक कई वर्षों से एक ही पटल पर तैनात हैं और इन पर भ्रष्टाचार के कई मामसे हैं जिसकी एसटीएफ जांच भी कर रही है। जांच के कारण यह कभी कार्यालय मे भी नहीं बैठते हैं। शिक्षक संघर्ष समिति के संयोजक सतीश पांडेय ने कहा कि 23 नवम्बर को राजधानी लखनऊ मे वेतन भुगतान, स्थाई लेखाधिकारी की नियुक्ति, पटल लिपियों पर तबादला नीति लागू कर स्थानांतरण करने की मांग को लेकर बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास का घेराव किया जायेगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर 23 नवंबर तक वेतन जारी नहीं हुआ तो प्रदेश भर में आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा।

बीएसए कार्यालय के सामने प्रदर्शन करते शिक्षक (फाइल फोटो)। अमृत विचार

अप्रशिक्षित स्टाफ और गंदे शौचालय देख भड़कीं निदेशक

संयुक्त जिला अस्पताल में तीन घंटे चला सघन निरीक्षण, अस्पताल के अधिकांश चिकित्सक व कर्मचारी ड्रेस कोड में नहीं मिले

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार। संयुक्त जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए निदेशक नर्सिंग, स्वास्थ्य भवन लखनऊ डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने गुरुवार को अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया। करीब तीन घंटे तक चले इस विस्तृत निरीक्षण में उन्हें कई गंभीर कमियां मिलीं, जिन पर उन्होंने अस्पताल प्रशासन को सख्त निर्देश दिए।

> संयुक्त जिला अस्पताल में शौचालय अत्यंत गंदे मिले। डॉक्टर और स्टाफ ड्रेस कोड में नहीं थे। कई महत्वपूर्ण अभिलेख अपूर्ण और अव्यवस्थित पाए गए। अप्रशिक्षित स्टाफ के कारण इमरजेंसी में मरीजों को नुकसान होने की आशंका रहती है। तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए हैं। पूरी रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।
>
> **-डॉ. सीमा श्रीवास्तव,** निदेशक नर्सिंग, स्वास्थ्य भवन लखनऊ

संयुक्त अस्पताल का निरीक्षण करतीं निदेशक डॉ. सीमा श्रीवास्तव। अमृत विचार

निरीक्षण के दौरान वह दोपहर करीब 12 बजे अस्पताल पहुंचीं और सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड का जायजा लिया। बेड पर पड़ी गंदी चादरें देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। इमरजेंसी नर्सिंग स्टेशन पर तैनात स्टाफ नर्स ऑक्सीजन सिलेंडर तक संचालित नहीं कर सकीं, जिस पर निदेशक ने गंभीर आपत्ति दर्ज की। इमरजेंसी कक्ष में दवाओं के रखरखाव, गंदे ट्रे-उपकरण और अव्यवस्थित अभिलेखों को देखते हुए उन्होंने कड़ी फटकार लगाई। अस्पताल के कई शौचालय गंदे, बंद और निष्प्रयोज्य पाए गए, जिस पर वह भड़क उठीं और कहा कि साफ-सफाई की नियमित निगरानी बिल्कुल नहीं हो रही है।

अस्पताल के अधिकांश चिकित्सक व कर्मचारी ड्रेस कोड में नहीं मिले। इस पर भी उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि यह अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सीएमएस डॉ. राजकुमार, अपर सीएमओ डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव और क्वालिटी मैनेजर डॉ. रुचि पांडेय ने निदेशक को अस्पताल की व्यवस्थाओं का विवरण देते हुए विभिन्न वार्डों का भ्रमण कराया। निरीक्षण के दौरान कोल्ड चेन, लैब, टीकाकरण कक्ष, हेल्प डेस्क, ओपीडी, एंटी-रेबीज क्लीनिक, दवा व पर्चा काउंटर में स्टाफ बुक और रजिस्टर प्रमाणित नहीं मिले।

ड्रेसिंग कक्ष में अंधेरा प्लास्टर रूम में गंदगी

ओपीडी के पास बने ड्रेसिंग कक्ष को जब निदेशक ने खुलवाया, तो अंदर पूर्ण अंधेरा पाया गया। लाइटें किसी भी तरह चालू नहीं हो सकीं। ऑर्थो सर्जन के न होने से बंद पड़े प्लास्टर रूम में भी भारी गंदगी मिली। उन्होंने प्रसव संबंधी अभिलेखों सहित अन्य रजिस्टरों की भी गहन जांच की, जिनमें कई जगह कमियां मिलीं।

नवागत बीईओ से मिला राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल

गोंडा : वजीरगंज शिक्षा क्षेत्र के नवागत खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार तिवारी से बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल ने खंड शिक्षा अधिकारी से विभिन्न शैक्षिक मुद्दों के साथ 10 वर्ष की सेवा के उपरांत लगने वाले चयन वेतनमान की कार्रवाई ब्लाक संसाधन केंद्र स्तर से गतिमान करने के लिए चर्चा की गई। खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधि मंडल में ब्लॉक के वरिष्ठ शिक्षक सुधाकर मिश्रा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष उदयभान वर्मा, गुलाम नबी जिला मंत्री व प्रभारी सोशल मीडिया सेल, ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्रनाथ सिंह, ब्लॉक मंत्री नरेंद्र कुमार कौशल, ब्लॉक उपाध्यक्ष अनुराग तिवारी आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

रंगोत्सव प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

बलरामपुर। सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल बलरामपुर में प्रार्थना सभा के दौरान रंगोत्सव संस्था, मुंबई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता के विजेताओं को ट्रॉफी, मेडल, प्रमाण पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया गया। रंगोत्सव संस्था हर वर्ष चुनिंदा स्कूलों में कला एवं सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने हेतु राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित करती है, जिसमें इस वर्ष विद्यालय के 317 बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रिंसिपल आसिम रूमी ने बताया कि विशेषज्ञों ने बच्चों की कला को रंगों के चयन, ब्रश दक्षता, कल्पनाशीलता, लेखन कौशल और अभिव्यक्ति के आधार पर परखा। आर्ट एंड कलरिंग कैटेगरी में कक्षा 8-डी के शारिक रेयान ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय तथा कक्षा 3-ए के अक्षत सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया। अन्य वर्गों में वैष्णवी वर्मा, शांभवी मिश्रा, तेजस ओझा, काव्यांजलि गुप्ता सहित 107 बच्चों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल मिले। प्रतियोगिता संचालन में कंचन श्रीवास्तव, अमित कुमार, जया मिश्रा, रेखा ठाकुर और रीता साह का विशेष योगदान रहा। संस्था की ओर से विद्यालय के प्रबंध निदेशक श्री सुयश कुमार, प्राचार्य श्री आसिम रूमी और प्रतियोगिता इंचार्ज कंचन श्रीवास्तव को प्रशस्ति पत्र व शील्ड प्रदान की गई।

बीएचकेएस इंटर कॉलेज में छात्रों को मिला मार्गदर्शन

बलरामपुर। बीएचकेएस बाल भारती इंटर कॉलेज के प्रांगण में जिला सेवायोजन कार्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं के लिए करियर काउंसिलिंग एवं रोजगार उन्मुख कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन करियर काउंसिलर प्रेम नारायण शर्मा ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कॉलेज के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि बोर्ड परीक्षा से पहले छात्रों को उच्च शिक्षा और बेहतर रोजगार अवसरों की जानकारी मिलना बेहद आवश्यक है। यह कार्यशाला छात्रों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अपने संबोधन में प्रेम नारायण शर्मा ने छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगारपरक पाठ्यक्रमों, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, न्यायिक, एविएशन, सेना, बैंकिंग, पर्यटन, शिक्षा और डिजिटल तकनीक सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों और संस्थानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की रोजगारपरक योजनाओं से भी छात्रों को अवगत कराया। कार्यक्रम में राकेश कुमार द्विवेदी, मनीष कुमार, अनीता चौहान, सौरभ श्रीवास्तव, उमा पांडेय, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, राजेंद्र प्रसाद और कुसुम शुक्ला सहित कई शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने विचार साझा किए।

ग्राम प्रधान का निधन

पचपेड़वा, बलरामपुर। नेपाल सीमा से सटे ग्राम पंचायत सेमरहवा की ग्राम प्रधान श्रीमती सुशीला देवी (70) का गुरुवार तड़के करीब 4 बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। एडीओ पंचायत संजीव कैराती ने बताया कि सुबह सूचना प्राप्त होने के बाद स्थानीय लोगों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। पूर्व जिला पंचायत सदस्य मंगल थारू, मनोहर लाल थारू, एडीओ पंचायत संजीव कैराती, ग्राम पंचायत सचिव हरेंद्र प्रताप सिंह, शिकारी प्रधान, प्रेम लाल यादव प्रधान, अक्षय थारू सहित कई लोग उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिवार को ढांढस बंधाया।

20 साल बाद लौटेगा बलरामपुर महोत्सव का गौरव

जनवरी में बड़े परेड ग्राउंड पर किया जाएगा तीन दिवसीय आयोजन

बलरामपुर, अमृत विचार। जनपद के सांस्कृतिक इतिहास को नई पहचान दिलाने वाला बलरामपुर महोत्सव एक बार फिर वापसी करने जा रहा है। करीब 20 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद इस भव्य आयोजन को पुनः जीवंत करने की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं।

डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू। अमृत विचार

गुरुवार को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू ने नवागंतुक जिलाधिकारी विपिन जैन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान महोत्सव सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक और विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। अध्यक्ष डॉ. धीरू ने बताया कि पूर्व जिलाधिकारी के साथ हुई वार्ता के अनुसार महोत्सव नवंबर में प्रस्तावित था, लेकिन उनके स्थानांतरण के कारण कार्यक्रम की तिथि में बदलाव किया जा रहा है।

जिलाधिकारी विपिन जैन ने जानकारी दी कि जिला प्रशासन ने महोत्सव की रूपरेखा तैयार कर ली है और 15 जनवरी से 30 जनवरी के बीच किसी उपयुक्त तिथि पर बड़े परेड ग्राउंड में तीन दिवसीय भव्य महोत्सव का आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव जनपद की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और पारंपरिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत करेगा, साथ ही जिले को नई पहचान देगा।

नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरू ने जनपदवासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि बलरामपुर महोत्सव का पुनः आयोजन जिले के लिए गौरव की बात है, जिससे पर्यटन, व्यापार, कला-संस्कृति और स्थानीय प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलेगा। महोत्सव की तैयारी को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है और जिला प्रशासन ने प्रारंभिक कार्यवाही भी शुरू कर दी है।

'मेहंदी रचे हाथ' प्रतियोगिता में शाइस्ता प्रथम

बलरामपुर, अमृत विचार। एमएलके पीजी कॉलेज में मासिक गतिविधियों की श्रृंखला के तहत गुरुवार को मेहंदी रचे हाथ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम सेमेस्टर की शाइस्ता खातून ने प्रथम स्थान हासिल कर बाजी मारी।

मेंहदी प्रतियोगिता में अपनी रचना दिखातीं छात्राएं। अमृत विचार

महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. जे.पी. पांडेय के निर्देशन एवं डॉ. वंदना सिंह के संयोजकत्व में आयोजित प्रतियोगिता में छात्राओं ने आकर्षक डिजाइन प्रस्तुत किए। प्राचार्य प्रो. पांडेय, मुख्य नियंता प्रो. वीणा सिंह तथा सांस्कृतिक निदेशक प्रो. रेखा विश्वकर्मा ने विजेताओं को शुभकामनाएं दीं। निर्णायक मंडल में डॉ. अर्चना शुक्ला, डॉ. मनोज सिंह और मणिका मिश्रा शामिल रहीं। इनके मूल्यांकन के आधार पर बीए 5वें सेमेस्टर की कैसर जहां द्वितीय, जबकि एमए 3वें सेमेस्टर की सृष्टि पांडेय तृतीय घोषित की गईं। कार्यक्रम में प्रो. एस.पी. मिश्र, डॉ. शकुंतला सिंह, डॉ. सुनील कुमार शुक्ल उपस्थित रहे।

डीएम ने पीसीएफ गोदाम का किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर, अमृत विचार। रबी सीजन में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने गुरुवार को पीसीएफ गोदाम धुसाह का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गोदाम में उपलब्ध डीएपी, यूरिया और एनपीके के स्टॉक, स्टॉक रजिस्टर तथा डिजिटल पोर्टल पर की जा रही प्रविष्टियों की विस्तृत जांच की।

पीसीएफ गोदाम निरीक्षण करते डीएम। अमृत विचार

निरीक्षण के दौरान डीएम ने पाया कि एलॉटमेंट के बाद कई सहकारी समितियों तक उर्वरक समय पर नहीं पहुंच रहा है। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने ट्रांसपोर्टर से फोन पर बात कर ट्रकों की संख्या बढ़ाने, वाहनों की जीपीएस मॉनिटरिंग तथा निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोदाम से सहकारी समितियों और खुदरा उर्वरक विक्रेताओं को उपलब्धता के आधार पर नियमित एलॉटमेंट दिया जाए। किसी भी स्तर पर विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी और परिवहन एजेंसी जिम्मेदार मानी जाएगी।

गौवंशों को उपलब्ध व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बलरामपुर। डीएम विपिन कुमार जैन ने बुधवार को विकास खंड तुलसीपुर क्षेत्र में स्थित गौ आश्रय स्थल जयनगरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौवंशों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया। डीएम ने पाया कि ठंड में गौवंशों को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल, छायादार शेड, हवा रोकने वाली मजबूत व्यवस्था, पर्याप्त हरा चारा, भूसा, स्वच्छ पेयजल और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किए जाएं। इसके बाद जिलाधिकारी ने सहकारी समिति कौवापुर का निरीक्षण किया और कार्यप्रणाली को पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समितियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी रिकॉर्ड अद्यतन तथा सही तरीके से संधारित रहें। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, एआर कोऑपरेटिव, खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासनिक दौरे के बाद अधिकारियों को आवश्यक सुधार जल्द से जल्द लागू करने के निर्देश जारी किए गए।

नारी सम्मेलन में गूंजी वेद ज्ञान और जागरण की ध्वनि

नवाबगंज, अमृत विचारः आर्य समाज के 99 वें वार्षिकोत्सव के तहत गुरुवार को आयोजित नारी सम्मेलन में महिला वक्ताओं ने वेदों में वर्णित नारी की गौरवशाली भूमिका को रेखांकित किया। मंच से नारी सशक्तिकरण, राष्ट्रधर्म और योग की उपयोगिता पर सारगर्भित संदेश दिए गए।

कस्बे के डीएवी इंटर कॉलेज में आर्य समाज के 99 वें वार्षिकोत्सव के अंतर्गत गुरुवार दोपहर नारी सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें प्राचीन भारत की नारी को आदर्श, शिक्षित और वीर स्वरूप के रूप में प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीलीभीत से आई विदुषी शशिकला आर्य ने कहा कि हमारे देश की नारी सदैव विद्वत्ता, साहस और राष्ट्र हित के कार्यों में अग्रणी रही है। सम्मेलन में आचार्य सजीव रूप (बदायूं), डॉ. श्रुतिकीर्ति वेद रत्न (कानपुर) सहित कई विद्वानों ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में योग शिक्षक धर्मवीर आर्य एवं उनकी शिष्याओं ने प्रतिभाग किया।

वीर विनय चौराहा से पीपल तिराहा तक होगा सड़क का चौड़ीकरण

बलरामपुर, अमृत विचार। जिला मुख्यालय में सड़क चौड़ीकरण और स्थायी अतिक्रमण हटाने की दिशा में प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। वीर विनय चौराहा से पीपल तिराहा तक नगर पालिका, लोक निर्माण विभाग और राजस्व टीम ने संयुक्त रूप से नाप-जोख कर सड़क के दोनों किनारों पर 12-12 मीटर तक लाल निशान लगाए। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि भवन स्वामी व दुकानदार अपने-अपने कब्जेदार हिस्से स्वयं हटा लें, अन्यथा प्रशासनिक अभियान चलाकर हटाया जाएगा।

तैयारी

- दोनों ओर 12-12 मीटर तक लगे लाल निशान
- जल्द शुरू होगी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई, 300 भवन आए दायरे में

लाल निशान लगते ही क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया। कोई इसे ओवरब्रिज निर्माण की भूमिका बता रहा है, तो कई लोग इसे नेशनल हाईवे विभाग की प्रक्रिया का हिस्सा मान रहे हैं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार एक पेट्रोल पंप सहित लगभग 300 भवन इस दायरे में आ रहे हैं। स्थायी अतिक्रमण के कारण वीर विनय चौराहा-पीपल तिराहा मार्ग वर्षों से जाम की समस्या से जूझता रहा है। रेलवे क्रॉसिंग दिन में कई बार बंद होने से बहराइच मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। देर शाम ठेला-खोमचा संचालकों के सड़क तक आने से स्थिति और बिगड़ जाती है।

नगर पालिका अधिशासी अधिकारी लाल चंद्र मौर्या ने बताया कि नेशनल हाईवे विभाग के निर्देश पर सर्वे किया गया है। शीघ्र ही जिला प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरू किया जाएगा और शहर के प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

प्रत्याशियों ने तेज की सक्रियता अधिवक्ताओं से मांगा समर्थन

बार काउंसिल चुनाव

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल चुनाव की तिथियां घोषित होते ही प्रत्याशियों ने मैदान में उतरकर प्रचार तेज कर दिया है। गुरुवार को अधिवक्ता शमशेर यादव जगराना ने उतरौला तहसील पहुंचकर अधिवक्ताओं से मुलाकात की और अपने पक्ष में समर्थन मांगा।

उन्होंने अधिवक्ताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करते हुए उन्हें मतदान हेतु प्रेरित किया तथा पोस्टर और कैलेंडर जैसी प्रचार सामग्री भी वितरित की। इस दौरान उन्हें स्थानीय अधिवक्ताओं का अच्छा समर्थन मिलता दिखाई दिया। चर्चा के दौरान अधिवक्ताओं ने वरीयता क्रम में होने वाली मतदान प्रक्रिया पर विचार साझा किए। बार एसोसिएशन उतरौला के संघ भवन में आयोजित बैठक में अधिवक्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की गई। बैठक में अध्यक्ष अखिलेश सिंह, प्रहलाद यादव, विजय प्रकाश श्रीवास्तव, सुधीर श्रीवास्तव, रवि मिश्रा, शहबाज़ फ़ज़ल, आलोक कुमार, अमित कुमार, राजन श्रीवास्तव, निजामुद्दीन अंसारी उपस्थित रहे।

सुविधा — रेलवे राइट पॉइंट माल गोदाम से भेजवाया जा रहा बोरा

धान खरीद में नहीं चलेगा बोरे न होने का बहाना

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : बोरा न होने का बहाना बनाकर किसान से धान ना खरीदने का बहाना नहीं चलेगा। मंडल के चारों जनपदों में बोरी की उपलब्धता हो गई है। रेलवे रैक पॉइंट पर पूरी रैक आ गयी, वहा से उठान कर मंडल के चारों जिलों में भेजा जा रहा है।

विगत 1 अक्टूबर से पूरे मंडल में धान की खरीद की शुरुआत हो गई है। धान खरीद की भी जा रही है, लेकिन कुछ क्रय केंद्रो पर केंद्र प्रभारी बोरे की अनुपलब्धता की बात कह कर किसानों को वापस कर रहे थे। अब अब पूरे मंडल में बोरी की उपलब्धता हो गई है। बोरे की रैक रेलवे माल गोदाम सुभागपुर पर पहुंच चुकी है। माल गोदाम से ट्रैकों के माध्यम से मंडल के चारों जिले में बोरे की आपूर्ति की जा रही है। धान खरीदने के लिए जनपद में 99 क्रय केंद्र बनाए गए हैं। किसानों से धान लेने के बाद उसको जूट के बोरे में रखा जाता है। कई केंद्रो पर नये बोरो की कमी बताई जा रही थी, हालांकि अफसरों का दावा है कि बोरे की कमी कहीं नहीं है और धान खरीद की जा रही है। कुछ किसानों को केंद्र प्रभारी ने बताया था कि अभी नया बोर नहीं आया है लेकिन अब यह है बहाना नहीं चलने वाला है नई बोरे की खेप आ चुकी है। रेलवे रैक पॉइंट् से मंडल के चारों जिले गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर को बोरो की गांठ भेजी जा रही है। अभी संसाधनों की कमी की वजह से मंडल में धान खरीद गति नहीं पकड़ पा रही थी, लेकिन अब धीरे-धीरे सभी केंद्रो पर संसाधन पूरे किए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि अब जब बोरे की उपलब्धता हो गई है तो धान खरीद में तेजी आएगी। जिला खाद्य विपणन अधिकारी एन के पाठक ने बताया कि रेलवे रैक पॉइंट माल गोदाम सुभागपुर पर बोरे की रैक आई है। वहां से मंडल के सभी जिलों को बोरे की गांठ भेजी जा रही है। बोरे की कमी की वजह से धान खरीद प्रभावित नहीं थी। फिलहाल नए बोर भी आ गए हैं। ध्यान खरीद में संसाधन को लेकर कोई समस्या नहीं है।

ट्रक पर लादे जा रहे बोरे के गांठ। अमृत विचार

नोडल अधिकारी ने किया निरीक्षण

करनैलगंज : खाद्य एवं रसद विभाग उत्तर प्रदेश के विशेष सचिव तथा देवीपाटन मंडल के नोडल अधिकारी महावीर प्रसाद गौतम ने गुरुवार दोपहर करीब 12 :30 बजे गल्ला एवं फल-सब्जी मंडी स्थित धान क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत कर धान क्रय व्यवस्था की जानकारी ली। नोडल अधिकारी ने तौल की व्यवस्था, धान के रख-रखाव तथा किसानों की समस्याएं सुनीं। ग्राम सीसामऊ के प्रधान बृहस्पति दूबे उर्फ चूरे महाराज, जो अपनी दो ट्रालियों में सौ क्विंटल धान की तौल करा रहे थे, सहित अन्य किसानों ने धान में नमी और कटौती की शिकायतें रखीं।

कार्यालय - ग्राम पंचायत गनवरिया कला ,विकास खण्ड गैसड़ी जनपद बलरामपुर

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत गनवरिया कला में में केन्द्रीय वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग मनरेगा योजान्तर्गत बालेन्दर के घर से शेषराम के घर तक नाली निर्माण कार्य व बालेन्दर के घर से शेषराम के घर तक सी सी निर्माण कार्य कराया जाना है। प्रयुक्त होने वाली साम्रगी जैसे प्रथम श्रेणी ईट, ईट गिट्टी, बालू, मोरंग, सीमेन्ट, पत्थर गिट्टी आदि आवश्यक है। सामग्री- आपूर्ति हेतु इच्छुक निविदा दाताओं से निविदा/ कोटेशन जो पंजीकृत फर्म हो आमंत्रित की जाती है।

जो दिनांक 21-11-2025 से 24-11-2025 को दिन में 02: 00 बजे तक प्राप्त एवं जमा किया जाएगा/निविदा/कोटेशन दिनांक 25/11/2025 को 3: 00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रधान, सचिव की उपस्थिति में निविदा फार्म खोला जाएगा/निविदा कोटेशन स्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा। उक्त सभी सामग्री वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग के विशिष्टियों के अनुसार परिमंडल गोंडा के द्वारा निर्धारित दरों के संपेक्ष की जाएगी। शेष नियम व शर्तें लागू।

नीलम देवी ग्राम प्रधान — **मुकेश कुमार** ग्राम पंचायत सचिव

ग्राम पंचायत - गनवरिया कला विकास खण्ड पचपेड़वा जनपद बलरामपुर

कार्यालय - ग्राम पंचायत-विशुनपुर टनटनवा, विकास खण्ड पचपेड़वा जनपद बलरामपुर

ग्राम पंचायत-विशुनपुर टनटनवा में केन्द्रीय वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग मनरेगा योजना एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0) के अंतर्गत शौचालय निर्माण/रेट्रोफिटिंग, नाली निर्माण, सीसी रोड निर्माण, खड़ंजा निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल निर्माण, नाली मरम्मत, ह्यूम पाइप, हैंड पंप, मरम्मत, हैंडपंप रिबोर, स्कूल में दिव्यांग/सामान्य शौचालय निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, सोकपिट निर्माण, सामुदायिक शौचालय मरम्मत आंगनबाड़ी केंद्र मरम्मत,पंचायत भवन मरम्मत/बाउंड्री वाल/रंगाई पुताई कार्य, कुर्सी मेज/कैमरा, दो अदद ठेला, निर्माण/मरम्मत, पंचायत भवन में कुर्सी मेज आदि क्रय, स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, पशु शेड बकरी शेड, मुर्गी शेड, निर्माण, स्वयं सहायता समूह हेतु शेड निर्माण खाद गड्ढा नाडेप वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, इण्टरलाकिंग कार्य, गौवंश आश्रय स्थल निर्माण / मरम्मत गौवंश आश्रम स्थल का बाउंड्री वाल निर्माण, कूप मरम्मत अन्त्येष्टि स्थल निर्माण आदि प्रयुक्त होने वाली साम्रगी जैसे प्रथम श्रेणी ईट, ईट गिट्टी, बालू, मोरंग, सीमेन्ट सरिया, पत्थर गिट्टी, स्ट्रोन, इंटरलाकिंग गईलस, साईन बोर्ड, पत्थर, मिट्टी, जी. एस. एस. बी. (लोहा पाइप) विभिन्न माप को स्पान पाइन ऋक पाईप, लोहे का दरवाजा। प्राईमर, पेंट, पुट्टी, सिमिटेड सीट, (एल्बेस्टर) शौचालय शीट यूरिनल सीट, ढाड पाइप, टोटी, सिंटेक्स, वाश बेसिन आदि आवश्यक है। सामग्री आपूर्ति हेतु इच्छुक निविदा दाताओं से निविदा/ कोटेशन जो पंजीकृत फर्म हो आमंत्रित की जाती है।

जो दिनांक 20-11-2025 से 22-11-2025 को दिन में 02:00 बजे तक प्राप्त एवं जमा किया जाएगा/ निविदा/कोटेशन दिनांक 23-11-2025 को 3: 00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रधान, सचिव की उपस्थिति में निविदा फार्म खोला जाएगा/निविदा कोटेशन स्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा। उक्त सभी सामग्री वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग के विशिष्टियों के अनुसार परिमंडल गोंडा के द्वारा निर्धारित दरों के संक्षेप की जाएगी। शेष नियम और शर्तें लागू।

अब्दुल वहाब, ग्राम प्रधान — **संजय कुमार मिश्रा** ग्राम पंचायत सचिव

ग्राम पंचायत-विशुनपुर टनटनवा, विकास खण्ड पचपेड़वा जनपद बलरामपुर

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैंने अपना नाम बलविन्दर सिंह सचदेवा से बदलकर बलविन्दर सिंह रख लिया है आज से मुझे नए नाम से जाना व पहचाना जाए। पता : नई बस्ती, लखीमपुर

सूचना
मैंने अपने पुत्र रविन्द्रर सिंह को इनके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल - अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किये किसी भी कृत्य की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी - **गुरुदीप कौर पत्नी स्व. जगजीत पाल सिंह नि- म. नं. 112 दुर्गापुरी कालोनी, फ़ैज़ुल्ला गंज , लखनऊ**

सूचना
मैंने अपना नाम SHABIL AHMAD से बदल कर SABEEL AHMAD रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: ABDUL RAUF R/O:551K/405, NIKAT DIXIT ATA CHAKKI AZAD NAGAR ALAMBAG LUCKNOW UTTAR PRADESH 226005

सूचना
मैंने अपना नाम MUKESH KUMAR KHARWAR से बदल कर MUKESH KHARAVAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: NARAYAN KHARWAR R/O:90 BHARVALIYA NAIKA CHHAPRA KASYA KUSHINAGAR UTTAR PRADESH 274206

सूचना
मेरा पासपोर्ट पर नाम AQILA BEGUM है जो कि गलत छप गया है जबकि मेरा सही नाम AQLA BEGAM है जो कि मेरे सभी अभिलेख में दर्ज है इसी नाम से जाना जाये । **आकला बेगम पत्नी फ़करे आलम वारसी 126/B आस्ताना रोड चौधरियान कस्बा देवा बाराबंकी**

NOTICE
SIDDH GOPAL s/o SHIVDAYAL R/o Sikandarpura, Rath, Hamirpur, Uttar Pradesh. 210431. Have changed the name of my minor son Anshu Aged 6 yeres and he shall here after be known as Ansh Singh.

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **विनोद कुमार यादव पुत्र स्व. सदाशिव यादव ग्राम पूरे दुर्जन भैरोंपुर मजरे रघुनाथपुर कटैली थाना भदोखर तहसील सदर ज़िला रायबरेली** का निवासी हूँ। मेरा पुत्र ऋषि यादव एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल अनुरुद्धपुर में कक्षा 8 में अध्ययनरत है। मेरे पुत्र की जन्मतिथि विद्यालय के अभिलेखों में त्रुटिवश 23/12/2011 अंकित हो गई है जबकि जन्म प्रमाण पत्र और आधार पर जन्मतिथि 23/12/2012 दर्ज है जो वास्तविक रूप से सही है और उसे ही माना जाए।

सूचना
सूचित हो कि मेरे पासपोर्ट जिसका नं0 एल0 2763898 में मेरा नाम त्रुटिवश शमीमा खातून दर्ज हो गया है। जबकि मेरे समस्त कागजातों में मेरा नाम सैय्यदा शमीमा खातून है। उपरोक्त दोनों नाम मेरे ही हैं और मुझे दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है। **सैय्यदा शमीमा खातून पत्नी सैय्यद सफीर अशरफ निवासी- 160 आजाद नगर अशरफपुर किछौछा तहसील टांडा, जिला अम्बेडकर नगर।**

सूचना
सूचित हो मेरी पुत्री **मनीषा** 16.05.2025 को घर से बिना बताये विकास कश्यप पुत्र विनोद कुमार निवासी- शिवलर, पो0 व थाना गोसाईगंज, लखनऊ के साथ कहीं चली गई है और तब से घर वापस नहीं आई है। मैं अपनी पुत्री मनीषा से अब कोई भी सम्बन्ध नहीं रखना चाहता हूं और उसको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। मनीषा व विकास कश्यप और उसके घर वाले मुझे धमकाते हैं यदि मेरी शिकायत पुलिस आदि में करोगे तो हम तुम लोगों को जान से मार देंगे। मनीषा द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक चाल-चलन, कार्य या लेन-देन के लिए मैं भविष्य में जिम्मेदार नहीं होऊंगा, वह अपने कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होगी। **-मनोज कुमार पुत्र श्री मेवा लाल** निवासी-कंजेहरा, पो0 हसनपुर खेवली, थाना सुशान्त गोल्फ सिटी, सुल्तानपुर रोड, जिला लखनऊ

सूचना
सूचित हो मेरा कनिष्ठ पुत्र **शिवांश दुबे** शराब पीने का आदी है और रोज शराब पीकर गाली गलौज व झगड़ा करता रहता है और धमकाता है कि यदि मेरी शिकायत पुलिस आदि में करोगे तो मैं तुम लोगों को जान से मार दूंगा। मैं व मेरे परिवार वालों के साथ कोई हादसा शिवांश दुबे कारित कर सकता है। मैं अपने पुत्र शिवांश दुबे से कोई भी सम्बन्ध नहीं रखना चाहता हूं और उसको अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। शिवांश दुबे द्वारा किये गये किसी भी अनैतिक कार्य या लेन-देन के लिए अब मैं जिम्मेदार नहीं होऊंगा, वह अपने कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। **-राजपाल दुबे पुत्र स्व0 रामनरेश दुबे** निवासी- सरसवां, पो0 अर्जुनगंज, सुल्तानपुर रोड, जिला लखनऊ

आध्यात्मिक व एकता की भूमि

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

बरेली: नाथ नगरी

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

नाथ कॉरिडोर से पर्यटन नक्शे पर बरेली को मिलेगी आध्यात्मिक नगरी की पहचान

जहां अलख निरंजन की गूंज आज भी सुनाई देती है

- बरेली का नाम लेते ही बहुतों के मन में सबसे पहले "नाथ नगरी" की छवि उभरती है। कहा जाता है कि इस नगर की आत्मा शिव में बसती है। यहाँ की हवा में भभूती की महक है, और गलियों में हरदम किसी योगी के कदमों की आहट सुनाई देती है। वैदिक काल से चली आ रही परंपरा अलखनाथ मंदिर इसकी गवाही दे रहा है। बरेली का अलखनाथ मंदिर केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि वैदिक युग की आस्था, योग-परंपरा और नागा साधुओं की साधना-भूमि का जीवंत प्रतीक है। मान्यता है कि यह 6500 वर्ष पुराना है। यदि इसे 6500 वर्ष पुराना माना जाए, तो यह काल लगभग 4475 ईसा पूर्व या विक्रम संवत 4532 के आसपास आता है। यह वही समय था जब प्रारंभिक वैदिक सभ्यता (सप्तसिंधु क्षेत्र) में यज्ञ, वेद पाठ और शिव-अग्नि-सूर्य उपासना का आरंभिक रूप प्रचलित था। उस युग में पूजा के केंद्र प्रकृति आधारित होते थे यानि बरगद, पीपल और यज्ञ कुंड के रूप में। अलखनाथ मंदिर का प्रमुख प्रतीक बड़ (बरगद) के नीचे स्थित शिवलिंग इसी वैदिक परंपरा की निरंतरता का संकेत देता है। इससे यह स्थल वैदिक युग की प्राकृतिक देव-उपासना परंपरा और आधुनिक मंदिर पूजा प्रणाली के बीच एक सेतु प्रतीत होता है।
- बरेली के पुराने हिस्से में जब आप अलखनाथ या त्रिवटीनाथ मंदिर की ओर बढ़ते हैं, तो लगता है मानो किसी सुरंग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ शोर नहीं, केवल अलख निरंजन की अनुगूंज है।
- अलखनाथ मंदिर – जिसे बरेली का आध्यात्मिक केंद्र कहा जाता है – नाथ संप्रदाय का सबसे प्रमुख स्थान है। इसका नाम ही बताता है कि यहाँ अलख निरंजन की उपासना होती है, यानी उस परम सत्ता की, जिसे देखा नहीं जा सकता पर महसूस किया जा सकता है।

अलखनाथ मंदिर का इतिहास: साधना की अनंत परंपरा

अलखनाथ मंदिर बरेली शहर के हृदय में स्थित है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले विशाल नंदी की मूर्ति दिखाई देती है। चारों ओर साधुओं के छोटे-छोटे कुटीर हैं, जिनमें वर्षों से तप कर रहे नागा बाबा, सिद्ध योगी और गृहस्थ भक्त रहते हैं। मंदिर की दीवारों पर समय की परतें जमी हैं – जिनमें भक्ति, साधना और तप की कहानियाँ लिखी हैं। लोककथाओं के अनुसार, गुरु गोरखनाथ के शिष्य अलखनाथ ने यहाँ साधना की थी। उनके नाम पर ही यह स्थान प्रसिद्ध हुआ। हर वर्ष चैत्र मास में लगने वाला अलखनाथ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और लोकसंस्कृति का उत्सव बन चुका है। नागा साधु यहाँ अपने अखाड़ों के साथ पहुँचते हैं, भभूती रमाते हैं और अलख पुकारते हैं अलख निरंजन

- महंत कालू गिरी कहते हैं कि यह स्थान केवल शिवभक्तों का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो सत्य की तलाश में है। यही कारण है कि यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन – सभी श्रद्धालु बिना भेदभाव के दर्शन करने आते हैं। बताते हैं कि आनंद अखाड़े के अध्यक्ष गुरुदेव देवगिरि, धर्मगिरि, बालकगिरि की समाधि भी मंदिर में ही है।

अलखनाथ मंदिर की सज्जा

मंदिर की वास्तुकला मंदिर पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला शैलियों का मिश्रण दर्शाता है। इसमें जटिल नक्काशी, सुंदर कलाकृति और एक विशाल प्रांगण है। गर्भगृह में मुख्य देवता, भगवान शिव, एक शिवलिंग के रूप में स्थित हैं। मंदिर महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। खासकर श्रावण महीने (जुलाई-अगस्त) के दौरान जब भक्त प्रार्थना करते हैं और विशेष अनुष्ठान करते हैं। महाशिवरात्रि, सावन सोमवार और कार्तिक पूर्णिमा कुछ प्रमुख अवसर हैं जिन्हें मंदिर में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

तपेश्वर नाथ मंदिर

- तपेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी बिशन महाराज बताते हैं कि यह मंदिर साधु संतो की तपस्थली रहा है। यहां पहले वन हुआ करता था। इसी के पास रामगंगा नदी बहती थी। वन में एक बाबा ने कठोर तपस्या की थी। इसके अलावा हिमालय से लौटते समय महर्षि के शिष्य ने यहां सैकड़ो वर्ष तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां स्वयं विराजमान हुए। तभी से इसका नाम तपेश्वर नाथ पड़ा। महाराज बताते हैं कि यह सिद्धपीठ मंदिर है।

मढ़ीनाथ

मढ़ीनाथ मंदिर शिवभक्तों के प्राचीन और अत्यंत आस्थावान धामों में गिना जाता है। यह स्थान अपनी शक्ति, सिद्धि और शांत आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि मढ़ीनाथ की भूमि सदियों से साधकों, संतों और श्रद्धालुओं की पूजा-साधना का केंद्र रही है।मढ़ीनाथ मंदिर को कई स्थानीय ग्रंथों और लोककथाओं में बहुत प्राचीन शिव-पर्वत स्थल बताया गया है।इसकी स्थापना का काल सटीक रूप से प्रमाणित नहीं है, लेकिन परंपरा के अनुसार यह स्थान कई सौ वर्षों से शिवभक्ति का प्रमुख केंद्र है। मढ़ीनाथ क्षेत्र में पहले तपस्वी साधु ध्यान और तपस्या करते थे। इन्हीं साधकों की साधना शक्ति से यहाँ शिव की चेतना प्रकट होने की मान्यता है। स्वयंभूत ऊर्जा का स्थानमढ़ीनाथ को "सिद्ध पीठ" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की ऊर्जा साधारण मंदिरों से अधिक प्रबल मानी जाती है। यहाँ रूद्राभिषेक और महामृत्युंजय जाप अत्यंत फलदायी माने जाते हैं।सावन, महाशिवरात्रि और सोमवार को यहाँ भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

कई परिवारों में किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले मढ़ीनाथ के दर्शन की परंपरा है।

मढ़ीनाथ से कई रोचक कथाए जुड़ी हैं—

- कहा जाता है किसी समय यहाँ एक संत ने कठिन तपस्या की थी। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव शक्ति ने यहाँ स्वयंभू स्वरूप में प्रकट होने का वरदान दिया।
- एक अन्य कथा में माना जाता है कि मढ़ीनाथ महादेव नजर दोष, संकट और खतरों को दूर करते हैं। इसी कारण कई लोग यहाँ विशेष पूजा कराते हैं।
- मढ़ीनाथ केवल पूजा का स्थान नहीं बल्कि स्थानीय समाज का सांस्कृतिक केंद्र भी है।
- मढ़ीनाथ मंदिर बरेली की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है।

पशुपति नाथ मंदिर

- यह सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शिव मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना 2001 में पीलीभीत बाईपास के पास की गई थी और इसे नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है यह मंदिर व्यापारी जगमोहन सिंह के मन में आए विचार से अस्तित्व में आया, जो स्वयं नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जाया करते थे। उन्होंने 2001 में बरेली में इस मंदिर की स्थापना कराई। मंदिर का नाम जगमोहन नाथ के नाम से भी जाना जाता है। यहां के प्रमुख शिवलिंग के चारों ओर 108 शिवलिंग स्थापित किए गए हैं, जो भगवान शिव के 108 नामों को समर्पित हैं। मंदिर की स्थापना में जगतगुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी भी शामिल हुए थे धार्मिक महत्व यहां पंचमुखी शिवलिंग स्थापित किया गया है, जो नेपाल मंदिर की विशेषता भी है। मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग भगवान शिव के विभिन्न नामों के प्रतीक हैं और इन पर जल अर्पित करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है। सावन महीना विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं, जिसमें हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां के सरोवर में मछलियों को भोजन देने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पशुपतिनाथ जरूर पूरी करते हैं

विशेषताएं

- मंदिर का परिसर एक सुंदर सरोवर और पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें मछलियां, बत्तख और रामेश्वरम के रामसेतु से लाए गए तैरते पत्थर आकर्षण के केन्द्र हैं । परिसर में कैलाश पर्वत की झांकी, भैरव मंदिर, रुद्राक्ष और चंदन के वृक्ष भी हैं
- परिसर में रोजाना भव्य शिव श्रृंगार और आरती होती है।यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने पर उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत बरेली शहर की चारों दिशाओं की मुख्य सड़कों पर कॉरिडोर को दर्शाते हुए भव्य द्वार बनाए गए हैं। कॉरिडोर बनने से बरेली शहर के नाथ मंदिरों के साथ ही हर बरेलियंस को नई पहचान मिलेगी। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल इंडस्ट्री से लेकर तमाम वर्गों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। रोजगार के भी साधन बढ़ेंगे। इसके साथ नाथनगरी में सभ्यता की 5000 साल पुरानी गाथा भी शहर में गूंजेगी। शहर में बनाई जा रहीं 19 फोकस वॉल पर भित्ति कला प्रदर्शित होगी। इससे बरेली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी भी बनेगी।

बरेली शहर के धोपेश्वरनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर, वनखंडीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर ब्लॉक के अहिच्छत्र क्षेत्र में श्रद्धालुओं को हर वो सुविधाएं दी जाएं, जिनसे पर्यटक आकर्षित हों, इसको ध्यान में रखते हुए नाथ कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार की गई। नाथ मंदिरों की भव्यता और पौराणिक इतिहास को दर्शाते हुए पर्यटकों को इस ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की। नाथ कॉरिडोर को राज्य सरकार ने 2023 में मंजूरी दी थी। इसके बाद बीडीए से प्रपोजल मांगा गया। जून, 2023 में बीडीए ने 70 पेज की डीपीआर बनाकर शासन को भेजी। अब करीब 231 करोड़ रुपये से नाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8 .36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11 .50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9 .71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

भित्ति कला से बरेली बनेगी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी

बरेली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना से नाथ नगरी बरेली अब सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कला के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों, धार्मिक स्थलों और सरकारी परिसरों में 19 भव्य फोकस वॉल का निर्माण होगा। भित्ति वॉल पर भारत की प्राचीन सभ्यता, नाथ परंपरा, महाभारतकालीन इतिहास और स्थानीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों का संगम का शानदार प्रदर्शन होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को भारत के गौरवशाली अतीत, प्राचीन और समृद्धशाली संस्कृति से परिचय करायेगी। युवाओं और पर्यटकों को बरेली के 5000 वर्ष पुराने इतिहास और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बनेगी। फोकस वॉल का विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस परिकल्पना से प्रेरित है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सभ्यता को ग्लोबल टूरिज्म मॉडल से जोड़कर रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को बढ़ाना शामिल है। इन फोकस वॉल पर बनने वाले भित्ति-चित्र अजंता-एलोरा की शैली पर आधारित होंगे। इन चित्रों में भगवान शिव के त्रिशूल और डमरू, नाथ योगियों के प्रतीक, देवी-देवताओं की आकृतियां, बरेली की आध्यात्मिक पहचान, महाभारतकालीन नगर की विरासत और स्थानीय लोककला को जीवंत कलात्मक स्वरूप दिया जाएगा। पर्यटन विभाग ने सर्वे करने के बाद ऐसे स्थानों को चुना है। जहां से सबसे ज्यादा पर्यटक और राहगीर गुजरते हैं। इस परियोजना पर कुल 621 .33 लाख रुपये (लगभग 6 करोड़ 21 लाख 33 हजार रुपये) खर्च किए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि बरेली केवल झुमके तक ही सीमित नहीं है। यह योगियों, सिद्ध-नाथों, ऋषि-मुनियों और प्राचीन सभ्यता का नगर है। फोकस वॉल आने वाली पीढ़ियों को बरेली की असली आत्मा से परिचित कराएगी। यह न सिर्फ शहर के सौंदर्यीकरण की योजना है, बल्कि बरेली के सांस्कृतिक पुनरुद्धार और पर्यटन अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

सातों नाथ मंदिरों का नाथ सर्किट बनाने का उद्देश्य

- एक नाथ मंदिर से दूसरे नाथ मंदिर तक यात्रा को आसान बनाने और पूरे सर्किट में सुरक्षित और उचित सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव नाथ सर्किट में शामिल किया हैं। इसमें कनेक्टिविटी और सुगमता में सुधार के लिए आईपीटी और अन्य सार्वजनिक परिवहन जोड़े गए हैं। मंदिरों तक पैदल आवागमन को सुगम बनाने के लिए चौड़ी सड़कों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे। आगंतुकों के लिए पार्किंग क्षेत्र होगा। पहचान में सुधार के लिए संकेतों और अन्य दृश्य चिह्नों का उपयोग होगा। नाथ नगरी सर्किट की पहचान सभी नाथ मंदिरों के जुड़ाव को ध्यान में रखकर की गई है।

प्रत्येक नाथ मंदिर में इतनी सुविधाएं होंगी – प्रवेश मार्ग, आंतरिक सड़क विकास, फुटपाथ, स्टॉल, स्ट्रीट लाइटिंग, साइनेज, कूड़ेदान, स्ट्रीट फर्नीचर, भूनिर्माण, भूमिगत संग्रहालय भवन, पार्किंग, पर्यटक सुविधाएं, खोया-पाया सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, पुलिस बूथ, पेयजल, सूचना कियोस्क।

6.21 करोड़ से शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनेगी

नाथ कॉरिडोर के तहत शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनाने की योजना है। 6 .21 करोड़ रुपये से कार्य कराए जाएंगे। फोकस वाल का आठ स्थानों पर निर्माण शुरू करा दिया गया है। इसमें पेंटिंग, डिजाइन और पौराणिक कलाकृतियों को दीवार पर उकेरा जाएगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ग्राउंड, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डीडी पुरम पार्क, नियर स्टेडियम, कुदेशिया अंडरपास, बीसलपुर चौराहा, विकास भवन चौराहा, आयुक्त कार्यालय, उद्योग विभाग कार्यालय, त्रिवटी नाथ मंदिर मैकेनियर रोड, 100 फुटा तिराहा आदिनाथ चौक, इन्वर्टिस तिराहा बड़ा बाइपास, रेलवे स्टेशन, मिनी बाइपास इज्जतनगर रेलवे स्टेशन, झुमका तिराहा, और पर्यटन कार्यालय रोहिला होटल वॉल।

नाथ कॉरिडोर के मंदिरों की दूरी

- धोपेश्वरनाथ से पशुपति नाथ मंदिर-8 .2 किमी
- पशुपतिनाथ मंदिर से बनखंडी नाथ-3 .0 किमी
- वनखंडीनाथ मंदिर से त्रिवटीनाथ मंदिर-7 .0 किलोमीटर
- त्रिवटीनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3 .2 किलोमीटर
- अलखनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3 .5 किलोमीटर
- मढ़ीनाथ मंदिर से तपेश्वरनाथ मंदिर-2 .5 किलोमीटर
- तपेश्वरनाथ मंदिर से धोपेश्वरनाथ मंदिर-5 .8 किलोमीटर

त्रिवटी नाथ मंदिर के पुजारी रवीन्द्र शर्मा बताते हैं 1476 विक्रम संवत में जंगल में चरवाह आया वह वट वृक्ष के नीचे सो रहा था। तब बाबा ने उसे जगाया और अपने यहां होने की बात कही। चरवाहे ने बाबा के प्रकट होने की बात आसपास के लोगों को बताई। इसके बाद तो यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। खुदाई के बाद यहां शिवलिंग प्रकट हुआ। जैसे जैसे सभ्यता और संस्कृति का प्रचार हुआ। उसका बढ़ना शुरु हुआ त्यों त्यों मंदिर का स्वरूप भी बढ़ता गया। इस समय मंदिर में पुरातन सिद्धहस्त शिवलिंग है ही साथ ही मंदिर के स्वरूप को भव्यता प्रदान करने वाले भोलेशंकर के तांबे की भव्य आकृतियां भी है। जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। प्रदेश सरकार ने बरेली को नाथ नगरी के रूप में विकसित किया है। यह पुरातन मंदिर भी नाथनगरी कॉरीडोर का हिस्सा है और यहां कारीडोर के तहत निर्माण कार्य चल रहा है।

अलखनाथ मंदिर के महंत और आनंद अखाड़े के सचिव कालू गिरी बताते हैं कि यह मंदिर मुगलों के समय का है। मुगलों ने भी कई बार यहां हिन्दू मंदिरों के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। वे बताते हैं कि मुगलों के बाद राजा महाराजा आए। उनके समय भी यहां रहने वाले बाबा अलख जगाते थे। राजा महाराजा यह सेवा देखते आ रहे थे। तब बाबा ने राजाओं से जमीन देने को कहा तो राजा ने जमीन दान दी थी। वे बताते हैं कि सनातन तो मानता ही रहा है साथ ही नवाबों अंग्रेजों ने भी नागाओं के प्रभाव को माना है। नाथ संप्रदाय की जड़ें बरेली में बहुत गहरी हैं।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8 .36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11 .50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9 .71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

सिख धर्म की सेवा और भक्ति

- सुभाष नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का इतिहास सिख समाज की सेवा, त्याग और आस्था का जीवंत उदाहरण है। जिले में पहला गुरुद्वारा है जो सबसे पुराना है। यह गुरुद्वारा भारत विभाजन के पहले का है। भारत विभाजन से पहले (1940 के दशक में), जब सिख परिवारों का एक छोटा समुदाय बरेली में बसना शुरू हुआ, तो सुभाष नगर क्षेत्र में सिख संगत बहुत सीमित थी।उन दिनों संगत के पास न तो अपनी कोई स्थायी जगह थी और न ही भवन। आरंभ में एक छोटे से कमरे में गुरु ग्रंथ साहिब जी की स्थापना की गई थी। वहीं रोज़ाना सुबह-शाम का पाठ, कीर्तन, और लंगर सेवा शुरू हुई। यह छोटा-सा कमरा ही गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह साहिब लाइन पार का बीज साबित हुआ। समय के साथ जब सिख परिवारों की संख्या बढ़ी, तो संगत ने मिलकर गुरुद्वारा का विस्तार करने का निश्चय किया।
- 1950–60 के दशक में स्थानीय संगत के सहयोग और चंदे से पक्का भवन बनाया गया। धीरे-धीरे इसमें दीवान हॉल, लंगर हॉल, और संगत के ठहरने हेतु कमरों का निर्माण हुआ। नवनिर्माण के साथ गुरुद्वारे में गुरु नानक जयंती, वैशाखी, और अन्य प्रमुख गुरपुरब बड़ी श्रद्धा से मनाए जाने लगे। अब सुभाष नगर का यह गुरुद्वारा एक बृहद परिसर में विकसित हो चुका है। इसमें शानदार दीवान हॉल, आधुनिक लंगर हॉल, सेवादार आवास, और सिख इतिहास पर आधारित चित्र सजावट शामिल हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम दीवान, कीर्तन दरबार, और निशुल्क लंगर सेवा जारी रहती है।

गुरूद्वारे के सामने बुक एजेंसी संचालक गुरूविंदर पाल सिंह छाबड़ा बताते हैं उन्होंने अपनी बाल्यकाल से युवावस्था में इस गुरूद्वारे को बढ़ते देखा है। बताते हैं कि पहले यह गुरूद्वारा लाइनपार के नाम से जाना जाता था। आजादी के समय से पहले का यह गुरूद्वारा आज भी अपनी परंपराओं को निर्वहन करता आ रहा है। अब भी यहां सुबह शाम लंगर लगता है। हर रोज शाम को तमाम फकीर गुरूद्वारे के लंगर के ही भरोसे जीवन यापन कर रहे हैं। स्टेशन के पास होने के कारण यहां यात्री भी आकर ठहरते हैं। यह निशुल्क सेवा है। एक कमरे से गुरूद्वारे का सफर हुआ था। अब यहां दस कमरे हैं। बड़े हाल हैं। यहां गुरूनानक के जन्मदिन पर प्रकाशपर्व का नगर कीर्तन इसी गुरुद्वारे से निकलता आ रहा है। वे बताते हैं कि गुरूद्वारे में हर धर्म के लोग आते हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है।

जल जीवन मिशन के कार्य में तेजी लाएं अधिकारी : जिलाधिकारी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा किया। बैठक में अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण, संबंधित जेई तथा कार्यदायी संस्थाओं वेलस्पन व वीटीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर और संबंधित ब्लॉक हेड उपस्थित रहे। इस दौरान डीएम ने जल जीवन मिशन के कार्य में जिम्मेदार अधिकारियों को तेजी लाने के निर्देश दिए।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला व साथ में मौजूद सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला। अमृत विचार

बैठक में अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि जनपद में कुल 571 परियोजनाओं के सापेक्ष 125 पूर्ण परियोजनाओं का सत्यापन जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 225 परियोजनाओं में सीधे पंप के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जिलाधिकारी ने इन 225 परियोजनाओं का भी जनपद स्तरीय अधिकारियों के माध्यम से सत्यापन कराए जाने की निर्देश दिए। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता जल निगम द्वारा बताया गया कि अब तक जनपद में 53 योजनाओं को जिलाधिकारी द्वारा ऑपरेशन एंड मेंटिनेंस के लिए स्वीकृत प्राप्त हो चुकी है। उक्त परियोजनाओं के अतिरिक्त 196 परियोजनाओं में शिरोपारि जलाशय का कार्य पूर्ण हो चुका है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला और जल निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कार्यदायी संस्था के जिम्मेदार मौके पर उपस्थित रहे।

चार दिसंबर तक किया जाएगा गणना प्रपत्रों का वितरण

अंबेडकरनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर वर्तमान में गतिशील निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण किया जाएगा और गणना प्रपत्रों को भरवाकर मतदाताओं से प्राप्त किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन कार्यक्रम की तैयारियों के दृष्टिगत एतद्वारा आदेशित किया है कि प्रगाढ़ पुनरीक्षण के कार्यों के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी बिना अनुमति के मुख्यालय से प्रस्थान नहीं करेंगे।

समस्याओं का समाधान संस्कृत विद्यालयों की शिक्षा से संभव

बसखारी, अंबेडकरनगर

- नई दिल्ली से आए अतिथि ने बच्चों को संबोधित किया

अमृत विचार। भारतवर्ष में अधिकतर क्षेत्र में बेहद गरीब परिवार के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। समस्याएं सभी के जीवन में आती हैं, लेकिन हर समस्या का समाधान शिक्षा में है। आधुनिक भारत की अधिकतर समस्याओं का समाधान संस्कृत विद्यालयों की शिक्षा से संभव है। उक्त बातें केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली से गायत्री संस्कृत माध्यमिक विद्यालय भटपुरवा में निरीक्षण के लिए आए अतिथि परितोष दास ने विद्यालय में बच्चों को संबोधित करते हुए कहा।

उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में देश संक्रमण काल से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में संस्कृत शिक्षा समाज को नई दिशा देने का काम कर रहा है। संस्कृत विद्यालय देश मे देशभक्त और अनुशासित नागरिक पैदा कर रहे हैं। इसके पूर्व विद्यालय परिवार द्वारा उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात विद्यालय की छात्राएं स्वेच्छा, अंशिका, नंदिनी, आयुषी, रोशनी व खुशी ने स्वागत गीत, मां सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जनपद के कई विद्यालयों के प्रबंधक श्रीराम वर्मा, ज्ञान शंकर चतुर्वेदी, अजीत मिश्रा, बलराम मिश्रा, धीरेश कुमार उपाध्याय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महिलाओं को सिलाई मशीनों का हुआ वितरण

अंबेडकरनगर। अल-इमाम चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा संस्था के मुख्यालय ताजपुर में जनाबे फातिमा जहरा की याद में विशेष शिविर लगाया गया। जिसमें रसूले अकरम की बेटी बीबी फातिमा जहरा की सादगी भरे जीवन से सीख लेने पर बल दिया गया। उक्त अवसर पर संस्था के अध्यक्ष ख्वाजा शफाअत हुसैन के माध्यम से समाज की दर्जनों निराश्रित महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण किया गया। शफाअत हुसैन ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उनके जीवन में आत्मनिर्भरता व सम्मान सुनिश्चित करना है। लाभान्वित होने वाली महिलाओं में तनवीर फामिमा, शहर बानो, जुरियत फातिमा, गुलजार फातिमा, शबीना खातून, रहनुमा बानो, शब्बो आदि के चेहरे चमक उठे।

पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

जलालपुर, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। जैतपुर पुलिस और स्वाट व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने देर रात मुठभेड़ के बाद दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों अपराधियों के पैर में गोली लगी है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीओ जलालपुर ने बताया कि यह अपराधी बीते 16 नवंबर को जैतपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ नारायणपुर निवासी राममिलन विश्वकर्मा की बेटी की शादी में हुई लूट के मामले में वांछित थे। बदमाशों ने द्वार पूजा के दौरान रुपए से भरा बैग छीन लिया था, जिसमें लगभग 60 हजार रुपए थे। इस शिकायत के आधार पर महरुआ थाने में मामला दर्ज किया गया था। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर घटना का खुलासा करने और अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए एक पुलिस टीम गठित की गई थी। बीती रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि लूट में वांछित अपराधी किशनपुर काबिरहा के बरम बाबा स्थान के पास मौजूद हैं और किसी अन्य घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस सूचना पर जैतपुर थाना और स्वाट, सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी किया। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग किया, जिसमें दो अपराधियों के पैर में गोली लग गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अपराधियों की पहचान शाहपुर फिरोजपुर थाना जलालपुर अंबेडकरनगर निवासी कृष्णा उर्फ पकाने पुत्र नन्हे और विशाल लोना पुत्र करिया लोना के रूप में हुई है। पूछताछ में इनके तीसरे साथी कुलदीप पुत्र मायाराम सामने आया है, जो अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में कॉम्बिंग कर रही है। पुलिस ने अपराधियों को सीएचसी भेजा, जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

युवती भगाने के मामले में तीन लोगों पर केस

जलालपुर, अंबेडकरनगर। कटका थाना क्षेत्र के गांव में शादी का झांसा देकर युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध अपहरण केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़ित मां ने पुलिस से शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि सौरभ पुत्र सुरेंद्र निवासी भीलमपुर छपरा थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ ने उसकी पुत्री को शादी का झांसा देकर लेकर फरार हो गया। घटना में रत्ना थाना कटका निवासी फूला पत्नी रामलाल निषाद और उसकी बहू ने सहयोग किया।

कवियों की कविताएं सुनकर श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। जनपद में परम फाउंडेशन ने 19 नवंबर की शाम सद्भावना अखिल भारतीय कवि सम्मेलन संध्या एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम जनपद मुख्यालय के ब्लॉक परिसर में हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम मुख्य उद्देश्य साहित्य, कला और समाज में सद्भाव के संदेश को मजबूत करना है।

बता दें कि बुधवार देर रात तक चले इस कवि सम्मेलन में देशभर के कई नामचीन कवियों ने अपनी

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन संध्या एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते परम फाउंडेशन के संरक्षक धीरेंद्र पांडेय व साथ में मौजूद कवि। अमृत विचार

आयोजन

प्रस्तुति दी। जिनमें लोकप्रिय कवि डॉ. अनिल चौबे, स्वयं श्रीवास्तव, अनिल अग्रवंशी, मुमताज नसीम, प्रीति पाण्डेय और धर्मराज उपाध्याय प्रमुख रूप से शामिल थे। इन प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन से पूर्व आयोजित सम्मान समारोह में अमर शहीद बजरंगी विश्वकर्मा के परिजनों को सद्भावना शौर्य सम्मान से सम्मानित किया गया। कवि डॉ. अनिल चौबे, अनिल अग्रवंशी और अमित जायसवाल ने बजरंगी विश्वकर्मा के बड़े भाइयों को जब शौर्य सम्मान प्रदान किया तो पूरा प्रांगण भारत माता की जयघोष से गूंज उठा। कवियों ने जहां श्रोताओं को हंसते-हंसते लोटपोट कर दिया। परम फाउंडेशन के संरक्षक धीरेंद्र पांडेय ने बताया कि फाउंडेशन ने कवि सम्मेलन का आयोजन किया है। बताया कि कार्यक्रम में देश और प्रदेश के नामी कवियों ने शिरकत की।

पुनरीक्षण कार्य : राज्य निर्वाचन आयोग की संशोधित अधिसूचना के अनुपालन को लेकर जिलाधिकारी ने दी जानकारी

23 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची के आलेख का किया जाएगा प्रकाशन

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। राज्य निर्वाचन आयोग की संशोधित अधिसूचना के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला पंचायत एवं नगरी निकाय ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत की निर्वाचक नामावली का समय सारणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 30 सितंबर से 13 अक्टूबर तक निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन और विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि निर्धारित की गई है। इसी तरह ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करना 14 अक्टूबर से 10 दिसंबर तक की जाएगी। निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केंद्र स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियां कराने आदि के लिए 11 दिसंबर से 22 दिसंबर तक की अवधि निर्धारित की गई है। 23 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन किया जाएगा। आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण दिनांक 24 दिसंबर से 30 दिसंबर तक किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करना जिसकी निर्धारित तिथि 24 दिसंबर से 30 दिसंबर तक निर्धारित की गई है। दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण 31 दिसंबर से 06 जनवरी 2026 तक की जाएगी। 07 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पाण्डुलिपियां तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करने की अवधि निर्धारित की गई है।

समय पर पूर्ण कराया जाए मतदाता पुनरीक्षण का कार्य : दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही 13 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक की जाएगी। पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केंद्र, स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने आदि की अवधि 30 जनवरी 2026 से 05 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है।

एसआईआर फॉर्म भरवाने के लिए लगाएं शिविर : उपजिलाधिकारी

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला द्वारा जलालपुर में एसआईआर में मिली खामियों के बाद हुई कार्यवाही के बाद उपजिलाधिकारी राहुल गुप्ता द्वारा सक्रियता दिखाते हुए लगातार प्रतिदिन स्थलीय निरीक्षण और आधा दर्जन से अधिक बूथों और दर्जनों मतदाताओं से संपर्क कर स्पष्ट और सही दस्तावेजों के साथ एसआईआर फॉर्म भरकर जल्द से जल्द जमा करने की अपील की है। साथ ही साथ लगातार बीएलओ और सुपरवाइजरों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे हैं। जिस कड़ी में गुरुवार को एसआईआर फॉर्म भरने और एसआईआर फॉर्म भरने में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली और साथ ही स्पष्ट जानकारी भरने की जानकारी दी। साथ ही साथ क्षेत्र में काम करने वाले बीएलओ के सवालों और समस्याओं का जवाब भी दिया। एसआईआर फॉर्म को युद्ध स्तर पर भरने के लिए उप जिला अधिकारी राहुल गुप्ता ने तहसील क्षेत्र के सभी बूथों पर दो दिवसीय विशेष शिविर लगाने का निर्देश दिया है, जिसकी मॉनिटरिंग उप जिलाधिकारी द्वारा स्वयं किया जाएगा।

बीएलओ और सुपरवाइजरों के साथ बैठक करते उपजिलाधिकारी राहुल गुप्ता व साथ में तहसीलदार।

मिशन शक्ति के तहत विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं और शिक्षकाओं को किया गया सम्मानित

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर, अमृत विचार। शासन के निर्देशानुसार मिशन शक्ति फेज 5 .0 के तहत प्रेरक महिला एवं बालिका की पहचान और सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में कार्यक्रम कराया गया। जिसके अंतर्गत प्रेरक महिलाओं, शिक्षिकाओं और छात्रों को सम्मानित किया गया।

प्रमुख रूप से राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अकबरपुर, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कुर्की बाजार, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नगर पालिका परिषद टांडा, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज इनामीपुर, राजकीय बालिका हाईस्कूल फरीदपुर कुतुब टांडा, राजकीय बालिका हाईस्कूल बसिया, राजकीय हाईस्कूल डिहवा मोहिउद्दीनपुर, राजकीय बालिका हाईस्कूल बड़ेपुर, राजकीय विद्युत परिषद इंटर कॉलेज विद्युत नगर टांडा, बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर, रामनाथ परमात्मा प्रसाद इंटर कॉलेज पतौना आदि विद्यालयों में शिक्षिकाओं और छात्राओं का सम्मान कार्यक्रम किया गया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अकबरपुर में प्रेरक महिला और बालिका की पहचान एवं सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत सुमन वर्मा प्रवक्ता संस्कृत तथा प्रेरक छात्रा के रूप में सुमैया खातून कक्षा 12 को विद्यालय का कार्यभार देख रही पुष्पा देवी द्वारा सम्मानित किया गया। इसके साथ ही राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अकबरपुर में मिशन शक्ति के कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को समय-समय पर सम्मानित किया जाता रहा है। इसके साथ ही बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर में भी प्रेरक छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ राजकीय बालिका हाईस्कूल फरीदपुर कुतुब एवं बसिया में भी प्रेरक शिक्षिकाओं और छात्राओं का सम्मानित किया गया।

देश दुनिया

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन

सीओपी 30 में भारत ने रखा पक्ष, कहा- उत्सर्जन न्यूनीकरण में ये ढांचा सफल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

भारत ने कहा कि संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है। यह उन्नत निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है और भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को समर्थन दे सकता है।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि यहां सीओपी 30 के इतर 11वें जेसीएम साझेदार देशों की बैठक में कहा, जेसीएम जैसे तंत्र जलवायु कार्रवाई को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं विशेषकर विकासशील देशों के हितों को भी समर्थन देते हैं। जेसीएम जैसे सहयोगी ढांचे भारत की तरह देशों की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन न्यूनीकरण प्रयासों को मजबूत करते हैं।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जेसीएम अनुच्छेद 6 के सहयोगात्मक ढांचे के अनुरूप है और सरकारों तथा निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से उत्सर्जन-न्यूनन परियोजनाएं विकसित करने, वित्त जुटाने, उन्नत तकनीक लागू करने और उत्सर्जन कटौती को पारदर्शी ढंग से आवंटित करने का मार्ग प्रदान करता है। भूपेंद्र यादव ने सभी देशों से जेसीएम को पारदर्शी, प्रभावशाली और न्यायसंगत जलवायु साझेदारी का मॉडल बनाने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत होने वाले वार्षिक सीओपी30 में 190 से अधिक देशों के वार्ताकार भाग ले रहे हैं। सीओपी30 का आयोजन ब्राजील के अमेजन क्षेत्र के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक हो रहा है।

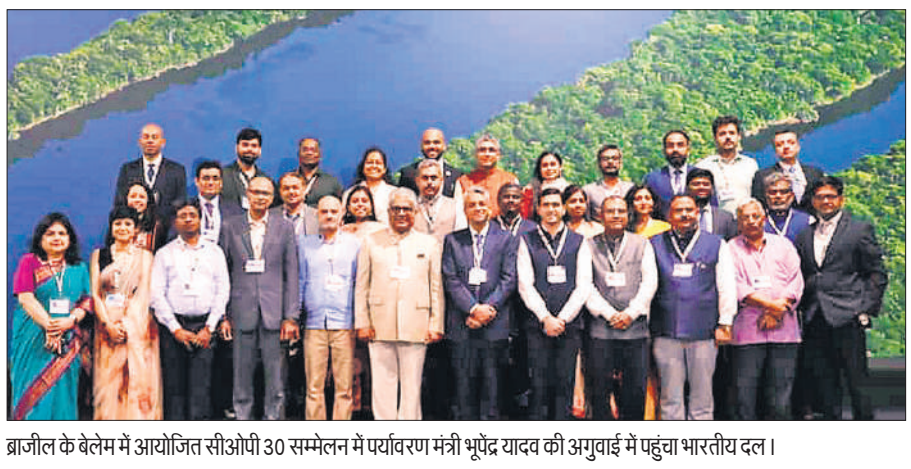

ब्राजील के बेलेम में आयोजित सीओपी 30 सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अगुवाई में पहुंचा भारतीय दल।

जेसीएम में 31 देश साझीदार, 280 परियोजनाएं

सत्र की अध्यक्षता करने वाले जापान के पर्यावरण मंत्री हिरोताका इशिहारा ने बताया कि जेसीएम अब 31 साझेदार देशों तक विस्तृत हो गया है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत 280 से अधिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। जापान का लक्ष्य है कि इस सहयोग को दीर्घकालिक निवेश, क्षमता निर्माण और लचीलापन परियोजनाओं के माध्यम से और बढ़ाया जाए। भारत और जापान ने इस वर्ष अगस्त में जेसीएम पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। जेसीएम एक तंत्र है जिसमें भारत और जापान जैसे देश मिलकर कम-कार्बन तकनीक वाली परियोजनाएं लगाते हैं। इन परियोजनाओं से होने वाली उत्सर्जन कमी को दोनों देश क्रेडिट के रूप में बांटते हैं ताकि अपने-अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह स्वच्छ तकनीक, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देता है।

लूला के साथ जीवाश्म ईंधन के खात्मे पर चर्चा

बेलेम। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जिन पर वार्ताकार अंतिम रूपरेखा तैयार करने के लिए गहन चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर एक संभावित रूपरेखा को लेकर चर्चा की और पता लगाया कि क्या इस शिखर सम्मेलन में इससे जुड़ा कोई खाका पेश किया जा सकता है। राष्ट्रपति सीओपी30 में इस विषय पर काफी जोर दे रहे हैं। बंद कमरे में हुई यह बैठक करीब 20 मिनट चली और इस बातचीत के दौरान दोनों तरफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम सरकार की बहाली का आदेश दिया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने किसी राजनीतिक दल के प्रति झुकाव नहीं रखने वाली अंतरिम सरकार को बहाल करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया।

प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय के शीर्ष अपीलीय प्रभाग ने यह आदेश जारी किया। इस आदेश में पिछले संवैधानिक प्रावधान को बहाल किया, जिसे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के दौरान रद्द कर दिया गया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के फैसले में इस प्रणाली को धीरे-धीरे लागू करने की बात कही गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह योजना 13वें संसदीय चुनावों पर लागू नहीं होगी, जिससे अब प्रतिबंधित हो चुकी अवामी लीग चुनाव की दौड़ से बाहर हो जाएगी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार प्रणाली की शुरूआत 1996 में हुई थी और उसके बाद दो सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीशों की निगरानी में हुए दो चुनावों में 90 दिनों के भीतर विजेता को सत्ता हस्तांतरित कर दी गई।

फैसले के अनुसार, मुहम्मद युनूस की मौजूदा अंतरिम सरकार फरवरी में प्रस्तावित चुनाव की देखरेख करेगी, जबकि उसके बाद का चुनाव बहाल की गई कार्यवाहक सरकार प्रणाली के तहत होगी।

प्रतिबंध लागू होने से पहले अपना डेटा सुरक्षित कर लें सभी किशोर

मेलबर्न। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया के हजारों किशोर उपयोगकर्ताओं को दो हफ्तों में अपनी डिजिटल 'हिस्ट्री' डाउनलोड करने तथा फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स से अपना खाता हटाने की चेतावनी भेजनी शुरू कर दी है। यह कदम दुनिया में पहली बार लागू होने वाले उस सोशल मीडिया प्रतिबंध से पहले उठाया गया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते बंद किए जाएंगे।

- ऑस्ट्रेलिया में 10 दिसंबर से शुरू होगा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि मेटा के तीनों मंचों फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स के साथ ही स्नैपचैट, टिकटॉक, एक्स और यूट्यूब को भी 10 दिसंबर से 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई खाता धारकों को हटाने के लिए कदम उठाने होंगे। कैलिफोर्निया स्थित मेटा ने बृहस्पतिवार को किशोर खाता धारकों को एसएमएस और ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि चार दिसंबर से संदिग्ध नाबालिग उपयोगकर्ताओं की इन मंचों तक पहुंच रोक दी जाएगी। मेटा ने एक बयान में कहा, 'हम आज से प्रभावित किशोरों को सूचित करना शुरू कर रहे हैं ताकि वे अपने संपर्कों और यादों को सुरक्षित कर सकें।' उपयोगकर्ता अपनी जानकारी अपडेट कर सकते हैं ताकि 16 वर्ष के होने पर खाता पुनः सक्रिय करा सकें।

अमेरिका में कुशल प्रवासियों का स्वागत, इस पर आलोचना झेलने को तैयार : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ऐसे कुशल प्रवासियों का देश में स्वागत करेंगे जो अमेरिकी श्रमिकों को चिप और मिसाइल जैसे जटिल उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाएंगे। ट्रंप ने यह भी माना कि इस मुद्दे पर उन्हें अपने उस समर्थक वर्ग से थोड़ी आलोचना झेलनी पड़ सकती है, जो कड़ी आव्रजन पाबंदियों का समर्थन करता है। ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका-सऊदी अरब निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में बड़ी संख्या में संयंत्र बन रहे हैं जिनमें कई बेहद जटिल कार्यों से जुड़े हैं और वे देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इन संयंत्रों में टेलीफोन, कंप्यूटर और मिसाइल जैसे अत्यधिक जटिल उत्पाद बनाए जाएंगे इसलिए कंपनियों को विदेशों से कुशल कर्मियों को लाना होगा जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रशिक्षण दे सकें।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिनमें व्यापार तथा निवेश, रक्षा तथा सुरक्षा, शिक्षा तथा कौशल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष तथा ऊर्जा शामिल हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ यहां 16वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की अध्यक्षता की।

जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा, हम अपने

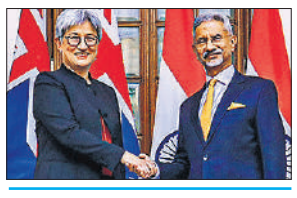

- ऑस्ट्रेलियन समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ बैठक में बोले जयशंकर

प्रधानमंत्रियों को जो सिफारिशें देंगे, वे उनके लिए महत्वपूर्ण होंगी, जिन्हें वे शीघ्र ही मिलने पर संज्ञान में रखेंगे। जयशंकर की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित 20वें जी-20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार वह 20 से 22 नवंबर तक जी-20 समूह के नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की यात्रा करेंगे। कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए, अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए विश्व के अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

अमृत विचार

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

सभी जटिल चीजों में अराजकता अंतर्निहित है। दृढ़ता के साथ प्रयास करते रहो।

–महात्मा बुद्ध

सख्त संदेश के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि मामूली फेरबदल करके सरकार हमारे आदेशों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती, दरअसल अनुच्छेद 141 के तहत न्यायालय के आदेशों की बाध्यता और शक्ति को पुनः स्थापित करता है। यह निर्णय न केवल न्यायिक स्वतंत्रता बल्कि न्यायिक समीक्षा की संवैधानिक भूमिका को भी मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट को यह कठोर टिप्पणी इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट-2021 में सरकार ने ठीक वही प्रावधान दोबारा शामिल कर दिए थे, जिन्हें शीर्ष अदालत पहले ही खारिज कर चुकी थी। अदालत के अनुसार यह कदम उसकी अधिकारिता को कमजोर करने जैसा था। इसी कारण उसने पुनः स्पष्ट किया कि संविधान के मूल ढांचे के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक आदेशों की बाध्यता पर संसद हस्तक्षेप नहीं कर सकती। फैसले में अदालत ने ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट 2021 की कई प्रमुख धाराओं को असंवैधानिक घोषित किया। इनमें खासतौर पर ट्रिब्यूनल सदस्यों का कार्यकाल तय करना, न्यूनतम आयु नियत करना एवं सर्च-कम-सेलेक्शन कमेटी की सिफारिशों को बाध्यकारी न मानना था। अदालत को गंभीर आपत्ति इसलिए थी, क्योंकि इन धाराओं में बदलाव न्यायिक निकायों की आज़ादी को प्रभावित कर सकती थीं। कम अवधि का कार्यकाल सदस्यों को कार्यपालिका पर निर्भर बनाता है, न्यूनतम 50 वर्ष की आयु सीमा युवा और योग्य विशेषज्ञों को बाहर करती है और चयन समिति की भूमिका को कमजोर करने से नियुक्तियों में पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। सरकार ने वे प्रावधान पुनः जोड़ दिए थे, जिन्हें 2020 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किए थे। अदालत द्वारा इसे 'प्रत्यक्ष अवज्ञा' मान कर रद्द कर देना उचित है।

इस फैसले में सकारात्मक पहलू यह है कि अदालत ने ट्रिब्यूनल प्रणाली की स्वतंत्रता और दक्षता को प्राथमिकता दी, यानी वह प्रशासनिक ट्रिब्यूनलों को सरकार के प्रभाव से मुक्त रखना चाहता है, ताकि वे निष्पक्ष न्याय देने में सक्षम रहें। इससे भविष्य में ट्रिब्यूनलों की विश्वसनीयता और कामकाज दोनों बेहतर होंगे। यह फैसला सरकार को स्पष्ट संदेश देता है कि न्यायिक आदेशों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इससे संसद और न्यायपालिका के बीच संस्थागत संवाद अधिक संतुलित होगा। निस्संदेह सरकार के लिए यह फैसला किसी झटके से कम नहीं, क्योंकि वह जिस संरचना को लागू करना चाहती थी, वह अब न्यायालय द्वारा पूरी तरह अस्वीकार कर दी गई है।

सरकार की प्रतिक्रिया शांत, संयत और संविधानसम्मत होनी चाहिए। उसे अदालत की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए ट्रिब्यूनलों के सुधार पर पुनर्विचार करना चाहिए। सरकार का अगला कदम यही होना चाहिए कि वह न्यायपालिका से संवाद कर एक व्यावहारिक, पारदर्शी और संविधान-सम्मत ढांचा तैयार करे। सहयोग और संवैधानिक मर्यादा के साथ ही ट्रिब्यूनल सुधारों का भविष्य सुरक्षित और प्रभावी बन सकता है, संसद और न्यायपालिका के बीच एक न्यायपूर्ण संबंध तथा संतुलन बनेगा।

प्रसंगवश

गौर करें, आपके आसपास कम हो रहे हैं पंछी

कभी मुंडेर पर कांव-कांव करने वाला कव्वा और आंगन में चीचीं करती नन्ही गौरैया कम हो रही है। पेस्टिसाइड और शहरीकरण ने हमारे आसपास के तमाम पंछियों को खत्म कर दिया है। आपको एक घटना बताती हूं। कुछ दिनों पहले मैंने अपने स्कूल में एक कौवा मरा पड़ा देखा। बहुत सामान्य सी बात है। मैंने भी इस बात पर बहुत ध्यान नहीं दिया। अगले दिन स्कूल में तीन कौवे मरे पड़े थे। थोड़ा अजीब लगा। बच्चे आपस में कुछ सुगबुगाहट कर रहे थे। मैंने पूछा, पर कुछ खास जवाब नहीं आया। तीन कौवे स्कूल में मरे पड़े हैं। अब यह बात थोड़ा ध्यान में रुक गई। अगले कुछ दिनों में मरे कौवो की संख्या बढ़ती ही गई।

मैंने कक्षा पांच के कुछ बच्चों से बात की। एक बच्चा प्रिंस बोला, ऐसी बात नहीं है मैडम! मेरे चाचा और पापा रात बात कर रहे थे। मैंने सुना वह लोग कह रहे थे खेतों में दवाई इस बार ज्यादा पड़ गई है। हम सब शांत हो गए। फिर मैंने प्रिंस से पूछा, कैसी दवाई? बच्चों की नादान बुद्धि के उत्तर आप भी सुनिए- खीरे को बड़ा करने की दवाई, कद्दू को जल्दी से फसल पर उतर लेने की दवाई, फसल में कीड़े लग जाने की दवाई। ऐसी बहुत सी दवाइयां मैडम हम डालते हैं। मैंने पूछा, तो कौवे क्यों मर रहे हैं? प्रिंस ने कहा, दवाई ज्यादा डल जाने से जान भी ले सकती है और कौवे मोर और चिड़िया यह सब खेत से सीधे अनाज, फल, सब्जी खाते हैं, तो दवाई से यह सब मर गए।

निवेदिता शर्मा

शिक्षिका

मैं सोच में पड़ गई कि बेजुबान जानवर इन दवाइयों का शिकार होकर मर रहे हैं और हम सबको खबर भी नहीं लग पा रही है। उससे भी बड़ी समस्या यह है कि लोग इस बड़ी समस्या को भी सामान्य मान रहे हैं। उनकी नजर में दवाई डालना एक बहुत ही सामान्य काम है। इस सामान्यीकरण से बच्चों के मानसिक और शारीरिक दोनों किस्म के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ रहा है ।

फसलों को कीट-पतंग, कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है। यह कीटनाशक हमारे खाने के सहारे हमारे शरीर में धीरे-धीरे जमा हो जाते हैं और यह हमारे शरीर में जाकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम को इफेक्ट करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लंग कैंसर, ब्लड कैंसर का कारण मुख्य रूप से पेस्टिसाइड्स ही हैं। पेस्टिसाइड्स वे दवाइयां हैं, जिन्हें फसलों में, खेतों में, कीटों चूहों आदि से बचाने के लिए डाला जाता है। जानने की बात यह है कि इन्हें खाकर चूहा या कीट भागते नहीं है बल्कि मर जाते हैं।

जरा सोचिए जब यही दवाई हमारे शरीर में जाती है तो कुछ तो असर करती ही होगी न। पेस्टिसाइड्स का प्रयोग हरित क्रांति के समय हुआ। उपज को बढ़ाने और मुनाफा कमाने के लक्ष्य ने इसे बढ़ावा दिया। पेस्टिसाइड्स प्रयोग करने की मात्रा, समय, सभी कुछ अच्छे से निर्देशित होने के बावजूद लाभ कमाने के लालच, जागरूकता की कमी की वजह से किसानों ने ताबड़तोड़ मात्रा में कीटनाशक का प्रयोग किया है।

केरल के कासर कोड की घटना की तरफ सबका ध्यान जाना जरूरी है। एक पेस्टिसाइड का स्प्रिंग काजू की खेती पर 25 साल तक लगातार उपयोग किया गया। डॉ. मोहन कुमार, कासर कोड में डॉक्टर के रूप में आए। उन्होंने देखा कि अधिकतर घरों में बच्चे न्यूरो प्रॉब्लम्स कैंसर, क्रॉनिक प्रॉब्लम्स से संबंधित बीमारियों से लंबे समय से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपनी रिसर्च में पाया कि जो पेस्टिसाइड काजू की खेती पर छिड़का जा रहा था, वह धीरे-धीरे सबके शरीर में जमा होता चला गया और वह आने वाली पीढ़ी के लिए इतनी बड़ी समस्या का सबब बना।

डिजिटल अरेस्ट खौफ का दोहन करते अपराधी

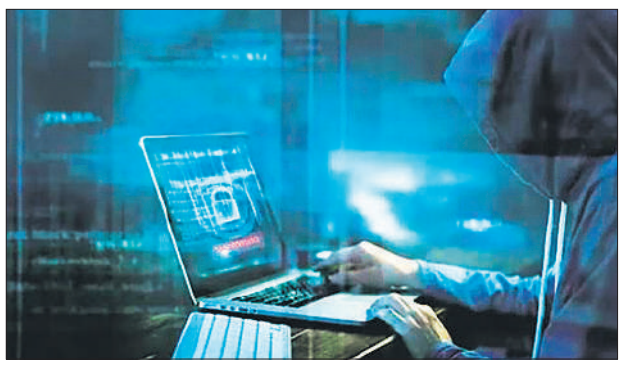

विवेक सक्सेना

अयोध्या

भारत में डिजिटल अरेस्ट एक खतरनाक साइबर अपराध के रूप में उभर रहा है। जो कि बेहद चिंताजनक है। साइबर अपराधी नए-नए तरीके से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर ठग लोगों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फंसा कर उनको डराते-धमकाते हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स व अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फोन करने वाले कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई और दिल्ली या मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वॉट्सएप या स्काइप कॉल पर जब कनेक्ट करते हैं, तो आपको फर्जी अधिकारी एकदम असली से लगते हैं। वे लोग पीड़ित को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। साइबर फ्रॉड के शिकार होने वालों में छात्रों से लेकर बुजुर्ग, होम मेकर्स से लेकर काम कामकाजी महिलाएं, किसान से लेकर आईटी सेक्टर में काम करने वाले और बड़े-बड़े पदों पर आसीन पेशेवर भी शामिल हैं। फ्रॉड करने के लिए ऐसे जाल-बिछाते हैं कि पढ़े-लिखे और जागरूक लोग भी उनके चंगुल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई के लाखों-करोड़ों गंवा देते हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहे इस खतरनाक क्राइम को लेकर उच्चतम न्यायालय ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों से सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों समेत अन्य पीड़ितों से 3000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है।

2024 में डिजिटल अरेस्ट से 92,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनसे 1,616 करोड़ से अधिक की ठगी हुई। सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी चिंता जताई है। अदालत ने सख्त कदम उठाने के लिए कहा। अपराधियों की रणनीति वीडियो कॉल, व्हाट्सएप कॉल, स्पूफ कॉल, फर्जी वेबसाइट आदि ये मुख्य तरीके हैं, जिनसे स्कैम चलाया जाता है। वरिष्ठ नागरिक, अकेले रहने वाले युवा, डिजिटल साक्षरता से दूर लोग इस अपराध के आसानी से शिकार बन रहे हैं। जागरूकता की कमी के चलते पढ़े-लिखे लोग भी इन जालसाजियों का शिकार हो जाते हैं। तकनीकी विकास के साथ-साथ टेक साक्षरता, जागरूकता और कड़े कानून का अनुपालन बेहद जरूरी है, वरना आम नागरिक भय, जानकारी की कमी और व्यवस्था के कमजोर पहलुओं के चलते बार-बार शिकार बनेंगे।

हाल ही में साइबर अपराध यानी हैकिंग से जुड़ी एक ग्लोबल रिपोर्ट सामने आई है, जिसने भारत को चिंता में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैकिंग के मामले में भारत, दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल हो गया है, जो कि डिजिटल सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर चेतावनी है। तीन वर्षों में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश लगातार साइबर अपराध से सर्वाधिक प्रभावित शीर्ष दो राज्यों के रूप में स्थान पर रहे हैं। 2025 में, महाराष्ट्र साइबर अपराध के 1.6 लाख मामलों के साथ सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश (1.4 लाख) और कर्नाटक (एक लाख) का स्थान होगा।

इसी साल अगस्त में लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचिका टंडन को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का अधिकारी बता फोन करने वाले ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 2.81 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। वर्धमान ग्रुप के चेयरपर्सन और पद्मश्री एसपी ओसवाल को भी साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर फोन किया और एक पुराने मामले में अरेस्ट वारंट का हवाला देकर डरा-धमकाकर सात करोड़ रुपये ठग लिए। इससे पहले मुंबई निवासी 75 वर्षीय रिटायर्ड शिप कैप्टन को शेयर मार्केट में हाई रिटर्न दिलाने का झांसा देकर अगस्त 2024 से लेकर नवंबर 2024 के बीच 11.16 करोड़ रुपये की ठगी की गई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक नाबालिग छात्र को भी साइबर ठगों ने कॉल कर अश्लील वीडियो देखने की धमकी देकर पैसों की मांग की। छात्र इतना डर गया कि उसने सुसाइड कर लिया। नोएडा सेक्टर 82 में रहने वाली एक महिला आईटी इंजीनियर को डिजिटल अरेस्टट कर 20 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। हाल में ही राजधानी दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एक 72 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर को साइबर ठगों ने आठ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली।

ये मामले सिर्फ बानगी भर हैं। सच तो ये है कि देश में रोज इस तरह के अपराध हो रहे हैं और डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर ठगी भारत की डिजिटल प्रणाली के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। अदालत और नीति-निर्माताओं को फौरन कड़े कदम उठाने चाहिए। साथ ही, आमजन को भी सतर्क रहना और डिजिटल शिक्षा अपनाना जरूरी है। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए (Indian Cyber Crime Coordination Centre) केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। भुक्तभोगियों को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है।

डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने और बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। आपके पास अनजान नंबर से फोन या वॉट्सएप कॉल आती है तो सावधानी बरतें। ध्यान रखें कि पुलिस अधिकारी कभी खुद की पहचान बताने के लिए वीडियो कॉल नहीं करेंगे। किसी भी राज्य की पुलिस आपको कभी कोई भी ऐप डाउनलोड करने को नहीं कहेगी। पहचान पत्र, एफआईआर की कॉपी और अरेस्ट वारंट ऑनलाइन नहीं भेजा जाता है। पुलिस अधिकारी कभी भी वॉयस या वीडियो कॉल पर बयान दर्ज नहीं कराते। देश के कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है।

पूरी दुनिया डर के धंधे पर टिकी हुई है। इसी खौफ का दोहन कुछ शातिर अपराधी कर रहे हैं। जीवन को बर्बाद होने के डर की बड़ी कीमत साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वसूल रहे हैं।

आमने

10,000 में क्या मिलता है? 10,000 में बिहार सरकार मिलती है। वे पैसे के बल पर जीते हैं। उन्होंने महिलाओं को खुलेआम पैसे दिए और महिलाओं ने उन्हें वोट दिया। अब सरकार को 'जीविका दीदी' को किए वादे को पूरा करना चाहिए।

–**मुकेश सहनी**, अध्यक्ष
विकासशील इंसान पार्टी

सामने

मैं समझती हूं कि इस प्रकार के अजीबोगरीब बयान नहीं देने चाहिए। इलेक्शन कमीशन देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने वाली सर्वप्रथम संस्था है। ऐसी संस्था के बारे में कहना राष्ट्रद्रोह जैसा है। उनको अपनी वाणी पर लगाम रखनी चाहिए।

–**अपर्णा यादव**, उपाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग

होमवर्क में बदलाव से बढ़ेगी सीखने की भूख

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

पढ़ाई करते समय बच्चे अक्सर किसी टॉपिक को दोहरा कर सीखने की कोशिश करते हैं, जिसे कहते हैं कि रट-रट कर परीक्षा देने जाते हैं। जिसकी जितनी अच्छी रटने की शक्ति, उतना अच्छा वो उत्तर लिखता है और परिणाम के आधार पर बुद्धिमान बच्चा कहलाता है, पर गहराई से सोचें, क्या वह बच्चा वाकई में बुद्धिमान है? क्या सच में उसने कोई ऐसा ज्ञान अर्जित किया जो भविष्य में कभी उसके काम आएगा? जवाब है नहीं! ऐसे बच्चों की रटने की क्षमता तो बहुत अच्छी होती है, लेकिन वे जीवन के असल ज्ञान से वंचित रह जाते हैं और अपनी शिक्षा का उपयोग सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

शिक्षा का अर्थ है सीखना। स्कूल में पढ़ाई करने के पश्चात आपने ऐसा क्या सीखा जिसका उपयोग आप जीवन को सार्थक बनाने के लिए करते हैं! यही स्कूली शिक्षा का आधार है, इसलिए रटने से अच्छा है कि किसी बात को गहराई से समझें, जिससे वो बात आपके दिमाग में अच्छी तरह से बैठ जाए। पहले स्कूलों में होमवर्क का मतलब होता था, गणित के एक जैसे सवाल बार-बार हल करना या लंबा-लंबा निबंध लिखना, लेकिन अब यह बदल रहा है।

पूरे भारत की कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो 'होमवर्क' जैसे साधारण कार्य में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। यह अब बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है। शिक्षाविदों का कहना है कि 'होमवर्क', जो पहले रटने पर आधारित था, अब नीतिगत बदलावों, डिजिटल उपकरणों और नए शिक्षण तौर तरीकों से बदल रहा है। ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और छात्रों के कल्याण पर जोर देते हैं।

इसका मकसद छात्रों को सिर्फ पढ़ाई के लिए मजबूर करना नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को मजेदार बनाना है। अब होमवर्क में सिर्फ याद करने के बजाय सोचने, समझने और नई चीजें बनाने पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को प्रोजेक्ट बनाना, ग्रुप में काम करना और नयी जानकारी पर खोज करने जैसे काम दिए जा रहे हैं। इससे बच्चे अपने खुद के तरीके से सीखते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है।

इस संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में आ रहा बदलाव स्वागतयोग्य है, जिसमें रटने के बजाय सीखने पर ज्यादा जोर है। इस नीति में छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) समेत कई राज्य बोर्डों ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और उनमें प्रयोग करने की गुंजाइश हो।

ऐसे में, स्कूलों की कोशिश है कि छात्रों को होमवर्क में ही व्यस्त न रखा जाए। ज्यादातर स्कूल आज प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं और बच्चों को सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं। छात्रों के होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि वे केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जाएं। जोर इस पर दिया जा रहा है कि छात्र चीजों के बारे में खुद से सोचने, समझने और उन्हें बनाने की कोशिश करें। इससे बच्चों की रचनात्मकता जागती है और उनमें सोचने की क्षमता बढ़ती है। दरअसल, छात्रों को मिल रहे भारी-भरकम होमवर्क से उनकी रचनात्मकता खत्म होने लगी थी और इसे लेकर देशभर में चिंता जताई जा रही थी।

वर्ष 2018 की वार्षिक शिक्षा स्थिति पर रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जिसमें उनके तीन से चार घंटे का समय चला जाता है, जबकि सीखने के मोर्चे पर उसका कोई विशेष लाभ नहीं होता। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने भी शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें उन्हें छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था, ताकि 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रेरणा मिल सके। यह बच्चों में देशभक्ति की भावना के साथ व्यावहारिक सोच बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा।

अमेरिका में नेशनल पीटीए (राष्ट्रीय अभिभावक शिक्षक संघ) और नेशनल एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा बनाया गया '10-मिनट नियम' यह बताता है कि बच्चों को हर रात अपनी कक्षा के हिसाब से लगभग 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए। इसका मतलब है कि पहली कक्षा के बच्चों को 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए, जबकि बारहवीं क्लास के बच्चों को 120 मिनट तक 'होमवर्क' करना चाहिए। भारत में 'होमवर्क' की अवधारणा भले ही बदल गई हो, लेकिन असल में कई भारतीय छात्र अक्सर रोजाना 3-4 घंटे 'होमवर्क' करने में बिताते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि 'होमवर्क' की अवधारणा में बदलाव का एक कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी है, जो छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने और गतिविधियां आधारित सीखने को बढ़ावा देने पर जोर देती है। कई राज्य बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इसके बाद परिपत्र जारी कर शिक्षकों से ऐसे काम देने को कहा है जो 'मनोरंजक, प्रायोगिक और व्यावहारिक हों।

कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो होमवर्क में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। अब यह बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है।

सोशल फोरम

एक छोटे से आविष्कार ने बदल दी दुनिया

वह 37 साल की उम्र में मर गया- कंगाल। भुला दिया गया, लेकिन आज भी, हर दिन, आप उसी की बनाई चीज पहनते हैं।1880 में एक जोड़ी जूते की कीमत इतनी थी कि उसे खरीदने के लिए आम परिवार एक हफ्ते की कमाई भी खर्च नहीं कर पाते थे। न तो चमड़ा कम था, न मोची लालची थे। समस्या थी एक असंभव सी प्रक्रिया, जिसे दुनिया का कोई भी आविष्कारक मशीन से नहीं कर पाया था। इसे कहा जाता था 'लास्टिंग'। जूते के ऊपरी हिस्से को उसके तले से जोड़ना। यह काम इतनी बारीकी, इतना कौशल मांगता था कि सिर्फ माहिर कारीगर ही कर सकते थे।

प्रशांत पांडेय

ब्लॉगर

वो भी दिन भर की मेहनत के बाद लगभग 50 जोड़ी जूते बना पाते। दर्जनों आविष्कारकों ने इस काम को मशीन से करवाने की कोशिश की, लेकिन सब असफल।

फिर एक युवा अश्वेत आप्रवासी एक लड़का, जो अंग्रेजी तक ठीक से नहीं बोलता था, ने ठान लिया कि वह इस असंभव को हल करेगा। जान एर्न्स्ट मैटजेलिगर का जन्म 1852 में सूरीनाम में हुआ। 19 साल की उम्र में वह जहाजों पर काम करने निकल पड़े। 21 की उम्र में वो अमेरिका के लिन, मैसाचुसेट्स पहुंचे, जो उस समय जूता उद्योग की राजधानी था। वहीं फैक्ट्री में काम करते हुए उन्होंने उस bottleneck को देखा जो पूरी इंडस्ट्री को जकड़े हुए था। उन्होंने देखा कि कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि एक अश्वेत मजदूर वह कर सकता है जो दुनिया के दिमाग नहीं कर पाए।

उन्होंने अनुमति नहीं मांगी। बस शुरू कर दिया। 10–10 घंटे फैक्ट्री में काम और फिर रात में अपने छोटे कमरे में वापस आना। अंग्रेजी सीखना, मशीन ड्रॉइंग सीखना, इंजीनियरिंग सीखना। सब कुछ खुद, मोमबत्ती की रोशनी में। और फिर- मॉडल पर मॉडल बनाना, टूटना, फिर बनाना, फिर टूटना। 6 साल तक लगातार असफलताएं। निवेशक हंसते थे। साथी मजदूरों को भरोसा नहीं था और नस्लभेद के चलते हर दरवाजा उनके लिए बंद ही रहा। 20 मार्च 1883 को, अमेरिकी पेटेंट ऑफिस ने पेटेंट नंबर 274,207 उन्हें जारी किया। उनकी Lasting Machine काम कर गई। और सिर्फ ठीक ही नहीं, बल्कि क्रांतिकारी थी। जहां एक माहिर कारीगर 50 जोड़ी जूते बनाता था, मैटजेलिगर की मशीन 150 से 700 जोड़ी तक बनाती थी। तेज, सटीक, और बिना थके। कुछ ही सालों में जूतों की कीमत आधी हो गई। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

मुफ्त अनाज का वितरण और जनवादी डाटा

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज दिसंबर के बाद भी एक साल तक मिलता रहेगा। कथित गरीबों के लिए एक और सुखद खबर है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल के तौर पर जो अनाज उपलब्ध कराया जा रहा था, सरकार के रिकॉर्ड में जो लोग 'गरीब' के तौर पर दर्ज हैं, उनकी बल्ले-बल्ले हो गई है। दरअसल भारत सरकार का यह सरोकार नहीं है कि मुफ्त अनाज के कितने लाभार्थी ऐसे गेहूं, चावल को बाजार में बेच देते हैं, क्योंकि उन्हें वह अनाज 'घटिया' लगता है। मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है।

आकाश सपेलकर

अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे? क्या भारत में इतनी गरीबी और संभावित भुखमरी के हालात हैं?

तो फिर गरीबी उन्मूलन योजनाओं का क्या हो रहा है? निःशुल्क अनाज की अवधि बढ़ाने से देश के खजाने पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जो अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, उसके फलितार्थ क्या होंगे? बहरहाल इन दोनों योजनाओं को मिला दें, तो करीब 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त बांटना पड़ेगा। यह भारत के कुल अनाज उत्पादन का एक-तिहाई होगा। बीती पहली दिसंबर तक केंद्रीय पूल में, गेहूं और चावल के मौजूदा भंडारण, करीब 5.54 करोड़ टन थे। यह एक साल पहले के भंडारण की तुलना में एक-तिहाई से भी कम अनाज है। भारतीय खाद्य निगम के भंडारण में इतना भी अनाज नहीं है, जितना कोरोना-काल के लॉकडाउन के बाद था। उस अनाज को लोगों में वितरित किया गया। यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार कब तक मुफ्त अनाज बांटती रहेगी? कमोबेश यह गरीबी और बेरोजगारी का वैकल्पिक समाधान नहीं है।

दरअसल यह मोदी सरकार का राजनीतिक तौर पर बेहद चतुर निर्णय है। बेशक भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त अनाज मुहैया कराने का प्रचार करे या न करे, लेकिन प्रतीकात्मक तौर पर लोगों के मानस पर इसका प्रभाव रहता ही है। भाजपा कई चुनावों में इस फॉर्मूले को आजमा चुकी है। खासकर महिलाओं पर इस योजना का जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। नतीजतन महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, असंतोष, सांप्रदायिकता आदि मुद्दों के बावजूद भाजपा को जनादेश मिलता रहा है।

राज्यों में चुनाव हैं और अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए अग्नि-परीक्षा से कम दौर नहीं होगा, क्योंकि वहीं के जनादेश के आम चुनाव की पुख्ता जमीन तैयार हो सकती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पारित कराया था। उसके तहत तीन-चौथाई ग्रामीण और लगभग आधी शहरी आबादी को सबसिडी पर अनाज हासिल करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। मोदी सरकार ने इसे व्यापकता दी है। अब सबसिडी पर ही नहीं, बल्कि बिल्कुल मुफ्त अनाज हासिल किया जा सकता है। योजनाओं से कितनी 'काली भेड़ें' जुड़ी हैं, यह एक अलग सवाल है और इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना***
05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

यूरेका

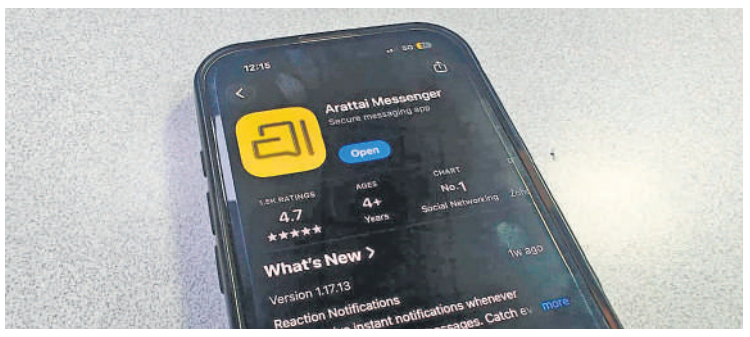

अरट्टई

डिजिटल संवाद का स्वदेशी अध्याय

भारत के डिजिटल परिदृश्य में इस समय एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में है- Zoho का 'अरट्टई' (Arattai) ऐप। सितंबर-अक्टूबर 2025 के बीच इसके डाउनलोड्स में अचानक उछाल आया और यह कुछ ही हफ्तों में ऐप स्टोर्स की शीर्ष सूची में जगह बना गया। 'अरट्टई' तमिल भाषा का शब्द है, जिसे 'गपशप' अथवा 'आकस्मिक बातचीत' के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनवरी 2021 में लॉन्च हुआ यह ऐप चार साल तक लगभग गुमनाम रहा, लेकिन अब "आत्मनिर्भर भारत" की नई लहर के बीच यह भारतीय तकनीक का प्रतीक बनकर उभरा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

Zoho की साख और आत्मनिर्भर भारत की भावना

Zoho उन कुछ भारतीय कंपनियों में है, जो बिना विदेशी निवेश के वैश्विक पहचान बना चुकी है। संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू के नेतृत्व में चेन्नई मुख्यालय वाली यह कंपनी बीते दो दशकों से विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (SaaS) क्षेत्र में भारत की पहचान रही है। इसके 55 से अधिक प्रोडक्ट्स- जैसे Zoho Mail, Zoho CRM, Zoho Books, Zoho Workplace और Zoho Cliq दुनियाभर के तमाम देशों में उपयोग किए जाते हैं। हाल में Zoho एक बड़ी खबर यह भी आई कि केंद्र सरकार के कई विभागों और निकायों ने NIC से Zoho Mail पर डेटा माइग्रेशन शुरू किया है, ताकि देशी सर्वरों पर होस्टेड और अधिक सुरक्षित ईमेल व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे कंपनी की साख को और मजबूती दी और यह दिखाया कि भारत अब वैश्विक विकल्पों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी तकनीकी क्षमता पर भरोसा करने लगा है। ऐसे में जब इसी कंपनी ने एक मैसेजिंग ऐप पेश किया, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में उत्सुकता बढ़ी। अरट्टई को आज के डिजिटल भारत की नई कहानी बनाने और इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे भारतीय तकनीकी कंपनियों पर भरोसा, विदेशी ऐप्स के प्रति सतर्कता, डेटा सुरक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता जैसे कारक तो हैं ही, लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका वैश्विक अनिश्चितताओं, जैसे कि तकनीक की उपलब्धता अथवा टैरिफ संकट से भरे माहौल में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' अपनाने की अपील ने निभाई है।

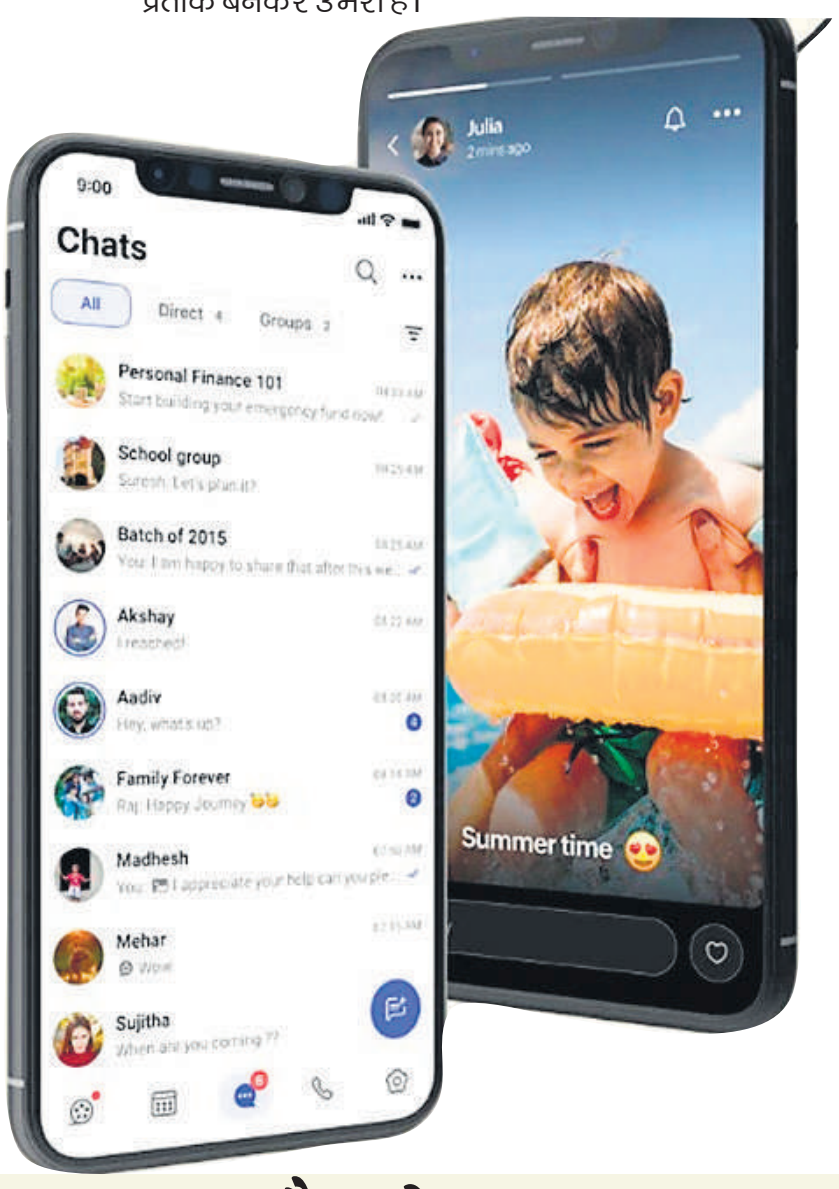

लोकप्रियता की रफ्तार और शुरुआती तकनीकी झटके

सितंबर 2025 में अरट्टई की लोकप्रियता इतनी तेजी से बढ़ी कि Zoho के सर्वरों को भी संभलने का मौका नहीं मिला। लाखों की तादाद में नए उपयोगकर्ता जुड़ने लगे और उसके साथ सामने आईं OTP में देरी, कॉल में लैग और सिंक की समस्याएं। यह दौर हर उभरते प्लेटफॉर्म के लिए सीख का होता है। तेजी से आगे बढ़ने के साथ स्थायित्व का संतुलन जरूरी है। Zoho ने भी सर्वर क्षमता बढ़ाकर स्थिति संभाली।

क्या बनाता है अरट्टई को अलग

Zoho ने अरट्टई को केवल चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि एक समग्र संचार मंच के रूप में विकसित किया है। इसके फीचर्स इस दिशा को स्पष्ट करते हैं-

- **पॉकेट- आपकी निजी डिजिटल तिजोरी-** इस फीचर में आप अपने नोट्स, फोटो, वीडियो और दस्तावेज सुरक्षित रख सकते हैं, जो लोग WhatsApp पर खुद को मैसेज भेजकर चीजें सहेजते हैं, उनके लिए यह सुविधा गेमचेंजर साबित हो सकती है।
- **मीटिंग्स टैब- वीडियो कॉल का नया रूप-** बिना Zoom या Google Meet जैसे अलग ऐप्स पर जाए, अरट्टई में ही सीधे वीडियो मीटिंग्स आयोजित की जा सकती है।
- **मेंशन्स टैब-** इस टैब में वे सभी चैट्स एक जगह मिलती हैं, जिनमें उपयोगकर्ता को टैग या उल्लेख किया गया है। यह व्यस्त पेशेवरों के लिए राहत का फीचर है।
- **Android TV पर उपलब्धता-** मोबाइल और लैपटॉप/डेस्कटॉप के साथ अरट्टई Android TV पर भी उपलब्ध है, अर्थात संवाद का दायरा घर के बड़े पर्दे तक पहुंच गया है।

डेटा सुरक्षा पर कंपनी का भरोसा

Zoho ने स्पष्ट किया है कि अरट्टई पर कोई विज्ञापन नहीं होगा, डेटा किसी को नहीं बेचा जाएगा और भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत के सर्वरों (मुंबई, दिल्ली, चेन्नई) में ही रखा जाएगा। हालांकि फिलहाल टेक्स्ट चैट्स के लिए पूर्ण एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन लागू नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यह सुविधा जल्द ही जोड़ी जाएगी और इसके लिए एक सुरक्षा श्वेतपत्र जारी किया जाएगा। यह कदम डेटा पारदर्शिता की दिशा में एक मजबूत संकेत है, जो उपयोगकर्ताओं में विश्वास को और बढ़ाने में मदद कर सकता है।

भविष्य की दिशा: संवाद से भुगतान तक

खबरों के अनुसार Zoho अब 'Zoho Pay' नाम से UPI भुगतान सेवा भी लाने की तैयारी में है। यदि यह सेवा भविष्य में अरट्टई से जुड़ती है, तो ऐप चैट्स, मीटिंग्स और पेमेंट्स तीनों को एकीकृत अनुभव के रूप में पेश कर सकेगा। इससे अरट्टई सिर्फ चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि भारत का पहला संपूर्ण डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म बन सकता है। हालांकि इसके साथ नई जिम्मेदारियां भी आएंगी- वित्तीय सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और नियामक पालन की।

Hike और Koo की यादें, पर एक नया सलीका

भारत ने इससे पहले भी स्वदेशी सोशल ऐप्स की लहर देखी है। Hike मैसेंजर और Koo जैसे प्लेटफॉर्म एक समय खासी चर्चा में रहे, पर समय के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के सामने कमजोर पड़ते गए और अंततः बंद हो गए। उनका अनुभव सिखाता है कि भावनाओं का ज्वार शुरुआत करा सकता है, पर स्थायित्व के लिए उपभोक्ताओं का भरोसा, दीर्घकालिक टिकाऊ बिजनेस मॉडल और निरंतर सुधार बेहद जरूरी हैं। Zoho के पास अनुभव और संसाधन हैं और यही अरट्टई की सफलता में सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकते हैं।

डिजिटल परिपक्वता की मिसाल

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल "डिजिटल आत्मनिर्भरता" की बातें नहीं कर रहा, बल्कि उसे जी रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां न सिर्फ तकनीकी रूप से सक्षम हैं, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने को भी तैयार हैं। भरोसा, सुरक्षा और निरंतर सुधार यही वे तीन स्तंभ हैं, जिन पर कोई भी डिजिटल मंच स्थायी बन सकता है। यदि अरट्टई इन तीनों कसौटियों पर खरा उतरा, तो यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आत्मविश्वास की पहचान बनेगा।

भरोसे से बनेगा स्वदेशी नवाचार का भविष्य

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई की सफलता यह साबित कर सकती है कि स्वदेशी नवाचार अब भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और विश्वसनीय दिशा ले चुका है। यह ऐप भारत के डिजिटल भविष्य की उस कहानी का हिस्सा है, जहां आत्मनिर्भरता सिर्फ विचार नहीं, व्यवहार बन चुकी है।

रोचक किस्सा

पैरासेल्सस

पैरासेल्सस पुनर्जागरण काल के उन विलक्षण व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने समय की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए। 16 वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में उन्होंने फेरारा विश्वविद्यालय से चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की, जो उस दौर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। आज उन्हें आधुनिक विषविज्ञान का जनक कहा जाता है, परंतु उनका व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक विस्तृत था। वे न सिर्फ एक प्रख्यात चिकित्सक थे, बल्कि वनस्पतिशास्त्र और गूढ़ विद्याओं के भी गंभीर अध्ययनकर्ता रहे। यही गूढ़ रुचियां, उन्हें कई ऐसे प्रयोगों की ओर ले गईं, जो आज हमें अविश्वसनीय प्रतीत होते हैं। उनके सबसे चर्चित विचारों में से एक था- होमुनकुलस की कल्पना। पैरासेल्सस का दावा था कि मनुष्य का वीर्य, यदि उसे उचित गर्मी प्रदान की जाए और मानव रक्त से पोषित किया जाए, तो उसमें एक सूक्ष्म मानव यानी होमुनकुलस विकसित किया जा सकता है। उन्होंने इस प्रक्रिया के कथित चरणों

को विस्तार से लिखा, ताकि कोई भी इच्छुक व्यक्ति इस "निर्माण" को आजमा सके। उनके अनुसार, लोककथाओं में वर्णित परियां, दैत्य और अन्य रहस्यमय जीव भी इसी प्रकार की प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुए होंगे। हालांकि उस युग में विज्ञान अभी विकसित हो ही रहा था, फिर भी पैरासेल्सस की यह अवधारणा अत्यंत विचित्र मानी जाती थी। वैज्ञानिक समझ की सीमाओं और गूढ़ विश्वासों की मिश्रित दुनिया में जन्मे ये विचार आज हमें और भी असंगत एवं कल्पनाप्रधान लगते हैं। बावजूद इसके, पैरासेल्सस जैसे विचारकों ने इतिहास को यह सिखाया कि ज्ञान की खोज कभी रैखिक नहीं होती। कभी-कभी अजीब प्रयोग ही भविष्य की वैज्ञानिक सोच की नींव तैयार कर जाते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

तारों की बदलती स्थितियां

पृथ्वी के अक्ष दोलन का अद्भुत प्रभाव

पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है। पृथ्वी के दोलन का काल 26 हजार वर्ष का है। पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है और इसका वर्तमान झुकाव 23.44 डिग्री है। दरअसल इन दिनों पृथ्वी के घूर्णन और दोलन में आए बदलाव के कारण माना जा रहा है कि हमारी राशियों में भी बदलाव आ चुका है। राशियों का विषय ज्योतिषियों का है और राशियों में बदलावों को लेकर दुनिया के कई देशों में इन दिनों जबरदस्त चर्चा चल रही है। बहरहाल इस आलेख का आधार ज्योतिष न होकर खगोलीय विज्ञान आधार है। पृथ्वी तथा अन्य खगोलीय पिंडों की गति के आधार पर तमाम कैलेंडर प्रचलित हैं, जिसमें प्राचीन भारत में शुरू 27 नक्षत्रों पर आधारित पंचांग भी है। इन सबसे परे खगोल विज्ञान वैज्ञानिक दृष्टि से तारों और नक्षत्रों की गणना व उनका अध्ययन करता है। नक्षत्रों की स्थिति में बदलाव पृथ्वी के अक्ष के दोलन और उसके झुकाव के कारण होता है। पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है अर्थात पूरे दोलन का काल 26 हजार वर्ष है।

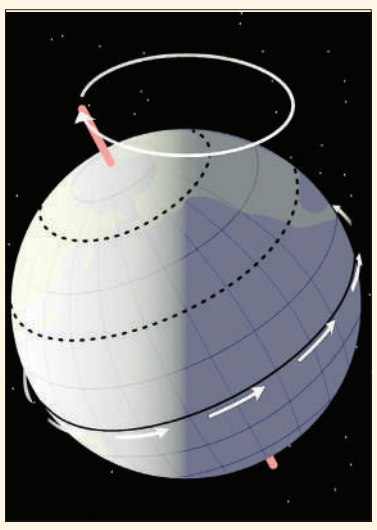

पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है। इसका एक उदाहरण मकर संक्रांति की तारीख में 14 से 15 जनवरी का बदलाव है। वर्तमान में यह झुकाव 23.44 डिग्री है और यह झुकाव धीरे-धीरे बदलता जाएगा। नक्षत्रों की अपनी परस्पर स्थिति में परिवर्तन हजारों-लाखों वर्ष में आता है। वर्तमान में पृथ्वी का झुकाव 23.44 डिग्री है, जिसे हम सब बचपन से 23.5 डिग्री सुनते आए हैं। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव स्थिर नहीं रहता है और लगभग 41 हजार वर्षों के लंबे चक्र में 22.1 और 24.5 डिग्री के बीच दोलन करता रहता है। पृथ्वी के झुकाव में परिवर्तन की दर लगभग 46.8 आर्क सेकंड प्रति शताब्दी है। 25 शताब्दियों की गणना के अनुसार 1170 आर्क सेकेंड का अंतर यानी 0.325 डिग्री का अंतर आया है। 2500 वर्षों की अवधि में प्राकृतिक चक्र के कारण होने वाला बदलाव बहुत छोटा है, एक अंश मात्र भर है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

ध्रुव तारा भी नहीं है स्थिर

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव कहते हैं कि ध्रुव तारे के एक स्थान पर स्थिर होने की कहानी हम सब जानते हैं, लेकिन पृथ्वी के झुकाव में बदलावों के कारण पृथ्वी के सापेक्ष वर्तमान में उत्तर में नजर आने वाला ध्रुव तारा भी स्थिर नहीं है। पृथ्वी के अक्षीय दोलन के कारण हजारों वर्ष पूर्व तथा भविष्य में कोई अन्य तारा पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के ऊपर होगा और ऐसा भी समय होगा, जब कोई ध्रुव तारा नहीं होगा। 14000 वर्ष पूर्व तथा 11700 वर्ष भविष्य में वेगा नामक एक चमकदार तारा ध्रुव तारे का स्थान लेगा।

जंगल की दुनिया

तकाहे

दक्षिण द्वीप का तकाहे पक्षी, जो केवल न्यूजीलैंड में पाया जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी जीवित रेल प्रजाति है। कभी इसे पूरी तरह विलुप्त मान लिया गया था, लेकिन 1948 में मर्चिसन पर्वतों में इसकी चमत्कारिक पुनर्खोज ने सभी को अचंभित कर दिया। आज इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़कर 400 से थोड़ी अधिक हो गई है। यह उत्साहजनक वृद्धि एक विशेष और सुव्यवस्थित संरक्षण कार्यक्रम का परिणाम है, जो अभयारण्यों और प्राकृतिक आवास दोनों में इनकी आबादी को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

हालांकि तकाहे का स्वरूप रेल परिवार की एक अन्य सामान्य प्रजाति पूकेको से मिलता-जुलता है, फिर भी नजदीक से देखने पर इनके बीच का अंतर स्पष्ट हो जाता है। पूकेको पतले होते हैं, उड़ सकते हैं और बहुत बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। इसके विपरीत, तकाहे अधिक भारी-भरकम होता है, उड़ानहीन होता है और इसके पंख गहरे, चमकीले नीले और हरे रंगों की इंद्रधनुषी आभा से भरपूर होते हैं, जो इसे देखने में बेहद आकर्षक बनाते हैं। इन सभी विशेषताओं के कारण तकाहे न केवल एक जैविक दुर्लभता है, बल्कि प्रकृति की दृढ़ता और पुनर्जीवन की अद्भुत क्षमता का जीवंत प्रतीक भी है।

अमृत विचार अयोध्या, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मारपीट के तीन मामलों में दोषियों पर जुर्माना

श्रावस्ती, अमृत विचार : भिनगा क्षेत्र के टड़वा बनकटवा में गाली देने व मारपीट के सात साल पुराने मामले में सीजेएम ने गुरुवार को अपना फैसला सुनाया। मामले में सीजेएम ने दोषी अमरेश को न्यायालय उठने तक की अवधि की कैद व 500 रुपये के जुर्माने से दंडित किया। वहीं इसी थाना क्षेत्र के ग्राम परसिया राजा में चार वर्ष पूर्व हुए मारपीट के मामले में सीजेएम ने राजेश बरई को न्यायालय उठने तक का कारावास व 500 रुपये के जुर्माने से दंडित किया। वहीं मारपीट के 12 साल पुराने एक मामले में सीजेएम ने मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बांसगढ़ी निवासी लोकनाथ उर्फ लोकई को न्यायालय उठने तक की अवधि का कारावास व 500 रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर हुई बैठक

श्रावस्ती, अमृत विचार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 13 दिसंबर को जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसे सफल बनाने के लिए गुरुवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) अवनीश गौतम ने अपने विश्राम कक्ष में बैठक की। इसमें एडीजे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए अधिक से अधिक वादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित कराएं। बैठक में प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व एडीजे (पॉक्सो एक्ट) निर्दोष कुमार, सीजेएम विनीत कुमार, अधिशाषी अभियन्ता पीडब्लयूडी केपी मिश्रा, मनोज कुमार पांडेय, राजीव कुमार, बलराम सिंह, नन्द किशोर यादव आदि मौजूद रहे।

तमंचा व चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

श्रावस्ती, अमृत विचार : इकौना पुलिस ने बुधवार रात गश्त के दौरान कंजड़वा पेट्रोल पंप के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से पुलिस ने चोरी की एक बाइक व एक तमंचा बरामद किया। गिरफ्तार युवक की पहचान मझौवा सुमाल के मजरा पतेढ़ा निवासी संदीप कुमार वर्मा के रूप में हुई है।

समाजसेवी अशोक सोनी का निधन

जरवलरोड बहराइच, अमृत विचार : जरवल कस्बा निवासी समाजसेवी, हिंदू उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार अशोक कुमार सोनी (68) का निधन हो गया। नगर पंचायत जरवल कस्बा के कृष्णा नगर वार्ड निवासी अशोक सोनी काफी दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका उपचार चल रहा था। उनका गुरुवार को निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई।

खेलों में भाग लेने से बढ़ती है टीम भावना : करण भूषण

कैसरगंज के महाराजा बलभद्र सिंह रैकवार महाविद्यालय पयागपुर में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन

संवाददाता, पयागपुर, बहराइच

खिलाड़ियों के साथ सांसद करण भूषण सिंह, विधायक सुभाष चंद्र त्रिपाठी एवं ब्लाक प्रमुख हुजूरपुर अजीत सिंह समेत अन्य लोग।

अमृत विचार : कैसरगंज संसदीय क्षेत्र के पयागपुर में गुरुवार को सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव महाराजा बलभद्र सिंह रैकवार महाविद्यालय के मैदान में आयोजित हुआ।

मुख्य अतिथि कैसरगंज के सांसद करन भूषण सिंह ने दीप जलाकर व ध्वजारोहण कर महोत्सव का उद्घाटन किया। उनके साथ विशिष्ट अतिथि पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी मौजूद रहे। सांसद करन भूषण सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सांसद खेल महोत्सव ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पटल पर लाने का मंच है। खेल हमें अनुशासन, टीम भावना और विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं। प्रधानमंत्री और हमारी सरकार का सपना है कि भारत खेल महाशक्ति बने, और इस सपने को आप जैसे युवा पूरा करेंगे। महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। विशिष्ट अतिथि विधायक सुभाष त्रिपाठी ने कहा कि खुशी है कि क्षेत्र के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार अवसर मिला है। सांसद करन भूषण सिंह और विधायक सुभाष त्रिपाठी विजेताओं को पदक व प्रमाण पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम का सफल आयोजन महाविद्यालय प्रशासन और स्थानीय खेल प्रेमियों के सहयोग से हुआ। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि निशंक त्रिपाठी, ब्लॉक प्रमुख पयागपुर समय प्रसाद मिश्र, ब्लॉक प्रमुख हुजूरपुर अजीत प्रताप सिंह, सुनील सिंह, राम मनोहर सिंह पप्पू, मन्नू सिंह, प्रखर सिंह सहित पार्टी के कार्यकर्ता, बच्चे एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

विश्व बाल दिवस पर बच्चों को संबोधित करते संस्था प्रमुख ध्रुव कुमार। ● अमृत विचार

विश्व बाल दिवस पर आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

बहराइच, अमृत विचार : विश्व बाल दिवस पर उच्च प्राथमिक विद्यालय (कन्या) बौंडी एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय अटोडर, फखरपुर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। बच्चों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करायी गयी। बच्चों को समय प्रबंधन के साथ-साथ व्यक्तिगत साफ-सफाई, पढ़ाई करने, तकनीकी शिक्षा, जलवायु परिवर्तन एवं विज्ञान के बारे में जानकारी दी गई। बाल अधिकार सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में 600 से अधिक बच्चों ने भाग लिया जिन्हें पढ़ाई के साथ खेलकूद और खुशी का माहौल बनाए रखने को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे। पंचशील डेवलपमेंट ट्रस्ट के निदेशक ध्रुव कुमार ने बताया कि बच्चे समाज के महत्वपूर्ण अंग हैं। आयोजन में बौंडी प्रक्षेत्र के संकुल प्रभारी साकेत भूषण तिवारी का योगदान सभी शिक्षकों के साथ बेहतर रहा।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की गयी जान

संवाददाता, पयागपुर, बहराइच

अमृत विचार : पयागपुर-इकौना मार्ग पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार जाइलो ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और फरार वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

शव की शिनाख्त सिपाही लाल पासवान (25) पुत्र राम बहादुर के रूप में हुई है। वह सोहरियावा बरई पुरवा का निवासी था। सिपाही लाल पासवान गुरुवार सुबह करीब 6 बजे अपनी मोटरसाइकिल से पयागपुर रेलवे स्टेशन जा रहे थे। उन्हें बनारस इंटरसिटी ट्रेन पकड़नी थी। जैसे ही वह पयागपुर चौराहे के समीप पयागपुर-इकौना मार्ग पर पहुंचे, गोंडा की ओर से आ रही जाइलो ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सिपाही लाल पासवान सड़क पर गिर गए और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इस घटना की सूचना पयागपुर थाने को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नियुक्तियों में धांधली का सपा का आरोप

मेडिकल कॉलेज

जरवलरोड, बहराइच, अमृत विचार : चिकित्सा महाविद्यालय में हाल ही में हुई संविदा नियुक्तियों पर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण यादव ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर की जांच की मांग की है। यादव ने कहा है कि मेडिकल कॉलेज में कई पदों पर नियुक्तियां की गई हैं, लेकिन इन्हें बिना सार्वजनिक विज्ञापन जारी किए पूरा किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्तियों में ठेकेदारों की मिलीभगत से अनियमितताएं हुई हैं और योग्य अभ्यर्थियों को अवसर नहीं दिया गया।

एसआईआर कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

संवाददाता, बहराइच

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अन्तर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा के लिए बुधवार की देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई।

अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया कि भारत व राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाय। डीएम ने जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सचेत किया कि किसी प्रकार की शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की समीक्षा करते हुए उन्होंने समस्त ईआरओ/उप जिलाधिकारी तथा एईआरओ/बीडीओ, बीईओ व चकबन्दी अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह में 50 प्रतिशत डिजीटाइज़ेशन का कार्य पूर्ण कर लिया जाय। डीएम श्री त्रिपाठी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिया कि सीडीपीओ के अधीन कार्यरत सभी अधिकारी व कर्मचारी त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण एवं एसआईआर के कार्य में सहयोग प्रदान करें। विधानसभावार समीक्षा के दौरान पयागपुर व बलहा को प्रगति में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिये गये। सभी ईआरओ को यह भी निर्देश दिया गया कि अपरिहार्य परिस्थितियों में ही बूथ लेबिल अधिकारियों को बदला जाये। पंचायत निर्वाचक नामावली में प्रदर्शित हो रहे सम्भावित डुप्लीकेट मतदाताओं के सत्यापन के सम्बन्ध में निर्देश दिया कि एक सप्ताह में शेष सम्भावित डुप्लीकेट मतदाताओं पर अन्तिम रूप से निर्णय लेकर ऑनलाइन फीडिंग करा ली जाए। सहयोग के लिए रोजगार सेवक, शिक्षामित्र, अध्यापकों, सहायिकाओं का विशेष सहयोग लिया जाए।

निकाली गयी सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली

संवाददाता, नानपारा, बहराइच

जागरूकता रैली का शुभारंभ करते नानपारा कोतवाल राजनाथ सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अपराध निरोधक समिति के चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के निर्देशन पर जिला इकाई द्वारा यातायात माह के तहत सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को रैली निकाली गयी। रैली का शुभारंभ स्टेशन रोड स्थित हरी सदन से हुआ, जो कतर्निया तिराहा तक जाकर वापस सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल पर आकर संपन्न हुई।

जागरूकता रैली में सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों ने हिस्सा लिया। नानपारा पुलिस तथा यातायात पुलिस भी रैली में शामिल रही और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया। समिति द्वारा दो पहिया वाहन चालकों को विशेष रूप से हेलमेट पहनने, निर्धारित संख्या से अधिक सवारी न बैठाने और गति सीमा का पालन करने की अपील की गई। इसके अतिरिक्त, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने पर जोर दिया गया। चालकों को गाड़ी के सभी आवश्यक कागजात साथ रखने और चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की सलाह दी गई।

समिति ने शहर के नो-एंट्री क्षेत्रों में भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लागू कराने की मांग भी उठाई। साथ ही, प्रेशर हॉर्न और हूटर का उपयोग न करने की हिदायत देते हुए कहा कि यह ध्वनि प्रदूषण और दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बनते हैं।

रैली के दौरान कोतवाल नानपारा राजनाथ सिंह, यातायात उपनिरीक्षक अतुल वर्मा, समिति के जिला सचिव/जेल विजिटर केशव कुमार मौर्य, जिला उपाध्यक्ष शेर सिंह कसौंधन, इरशाद हुसैन (उपाध्यक्ष रूपईडीहा), राजीव अग्रवाल, पत्रकार महबूब अहमद, रमेश कुमार सिंह, श्याम कुमार मिश्रा, जिला उपसचिव विनोद कुशवाहा, जिला संगठन मंत्री मुन्ना लाल कश्यप, पत्रकार अज्जन, राजेश शर्मा उर्फ टिल्लू आदि मौजूद रहे।

डीएम ने सलारगंज शेल्टर होम का किया निरीक्षण

बहराइच, अमृत विचार : डीएम अक्षय त्रिपाठी ने बुधवार की रात्रि सलारगंज में निर्मित शेल्टर होम में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। मौके पर मौजूद ईओ प्रमिता सिंह ने बताया कि डूडा द्वारा निर्मित शेल्टर होम का संचालन नगर पालिका के अधीन फेयरडील ग्रामोद्योग सेवा समिति द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने जिलाधिकारी को बताया कि वर्तमान समय में यहां पर 75 बेड लगाये गये हैं। आवश्यकता पड़ने पर इसकी क्षमता को बढ़ा कर 100 तक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि शेल्टर होम में अन्य मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ रसोई भी बनी हुई। डीएम श्री त्रिपाठी ने शेल्टर होम का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिया कि बेड पर साफ-सुथरी चादर व कम्बल रखा जाय। डीएम ने ईओ व संस्था के प्रबन्धक को निर्देश दिया कि शेल्टर होम में ठहरने वाले व्यक्तियों के विवरण को पंजिका पर सुरक्षित रखा जाय। उन्होंने कहा कि आने वाले व्यक्ति से आने का कारण तथा उसकी पहचान से सम्बन्धित अभिलेख की जांच भी की जाए।

सिटी डायरी

डीएम को गौरैया बाक्स गिफ्ट करते दिव्यांग मिथलेश जायसवाल।

दिव्यांग मिथिलेश ने डीएम को भेंट किए गौरैया बॉक्स

बहराइच, अमृत विचार : पर्यावरण संरक्षण और विलुप्त होती गौरैया को बचाने की बेहतरीन पहल कर रहे तहसील मिहींपुरवा के भज्जापुरवा गांव निवासी दिव्यांग युवा मिथिलेश जायसवाल ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने डीएम को गौरैया संरक्षण बॉक्स और जागरूकता पैंफलेट भेंट कर पक्षी संरक्षण का संदेश दिया। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने मिथिलेश के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि तेजी से घट रही गौरैया की संख्या चिंता का विषय है, ऐसे में इनके संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि घरों में दाना-पानी की व्यवस्था और सुरक्षित घोंसलों का इंतजाम करना बेहद जरूरी है।

विधायक आवास पर मौजूद पूर्व सांसद, विधायक व अन्य।

पटेल ने रखी आधुनिक भारत की नींव

श्रावस्ती अमृत विचार : भाजपा जिला इकाई की ओर से गुरुवार को सरदार वल्लभभाई पटेल के 150वी जयंती पर श्रावस्ती विधानसभा स्तरीय सरदार पटेल एकता पदयात्रा निकाली गई। जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में व श्रावस्ती विधायक के संयोजन में निकली पदयात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व सांसद रेखा वर्मा मौजूद रही। जगतजीत इंटर कॉलेज से शुरू हुई यह पदयात्रा इकौना तहसील व बाजार होते हुए इकौना देहात स्थित श्रावस्ती विधायक के आवास पर संपन्न हुई। पूर्व सांसद रेखा वर्मा ने कहा कि आधुनिक भारत की नींव सरदार पटेल ने अपनी दूरदर्शिता, दृढ़ इच्छाशक्ति और अदम्य साहस से रखी थी।

नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करते सीडीओ मुकेश चन्द्र।

नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र ने गुरुवार को पयागपुर क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं की हकीकत जानने के लिए दिनभर का दौरा किया। उनका निरीक्षण मात्र औपचारिकता नहीं रहा, हर स्थान पर उन्होंने व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा, ग्रामीणों से बातचीत की और अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए। दौरे की शुरुआत बनकटा ग्राम पंचायत की गौशाला से हुई। सीडीओ ने पहुंचते ही गौवंशों की स्थिति देखी और खुद उन्हें गुड़-चना खिलाकर व्यवस्थाओं का हाल जाना। प्रबंधन के अनुसार, अभी 80 गौवंश सुरक्षित हैं

अनिवार्य रूप से फार्मर रजिस्ट्री बनवा लें किसान

किसान दिवस

बहराइच, अमृत विचार : कृषकों की समस्याओं के निराकरण हेतु विकास भवन सभागार बहराइच में आयोजित किसान दिवस अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने कहा कि किसानों की समस्या ओं को प्राथमिकता से निस्तारण कराया जा रहा है।

डीएम ने किसानों का आह्वान किया कि अनिवार्य रूप से फार्मर रजिस्ट्री बनवा लें। डीएम ने पराली जलाने की 56 घटनायें होने पर चिन्ता व्यक्त करते हुए किसानों को सलाह दी कि पराली/फसल अवशेष जलायें नहीं बल्कि अपितु इनसीटू यंत्रों का प्रयोग कर अपने खेतों में मिलाकर कम्पोस्ट खाद बनाकर अधिक उत्पादन के साथ अतिरिक्त आय भी प्राप्त करें। डीएम ने कृषक उत्पादक संगठनों से अपील की कि पराली प्रबन्धन हेतु अपने से जुड़े किसानों तथा आस-पास के किसानों को जागयक करें, उन्हें पराली प्रबन्धन से होने वाले लाभों के बारे जानकारी देते हुए यह भी बताये पराली जलाना पर्यावरण के लिए कितना हानिकारक है। डीएम ने किसानों को सुझाव दिया कि अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र पर जाकर फार्मर रजिस्ट्री अवश्य बनवा लें।

रोटावेटर की चपेट में आने से बच्चे की मौत

जरवल रोड, बहराइच, अमृत विचार : स्थानीय थाना अंतर्गत ग्राम सभा रुदाइन के सूर्य बली पुरवा में रोटावेटर की चपेट में आने से से चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी। ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

ग्राम सभा रुदाइन के मजरा सूर्यबली पुरवा में विराट वर्मा (4) पुत्र मनोज वर्मा अपने घर के पास ही खेत में खेल रहा था। शिवम मौर्या उसी खेत में ट्रैक्टर से जोताई कर रहे थे। उसी दौरान चालक ने रोटावेटर को बैक किया। रोटावेटर की चपेट में आने से विराट की मौत हो गयी। बच्चे की मौत से परिजन का रो-रो कर बुराहाल है। सूचना पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

धमाके के बाद दुकान में लगी आग, हजारों की क्षति

श्रावस्ती, अमृत विचार : पटना गांव स्थित एक दुकान में बुधवार देर रात धमाके के बाद आग लग गई। आग की चपेट में आने से हजारो का सामान जल गया। मौके पर पहुंची मल्हीपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पटना निवासी मुरली गुप्ता ने अपना मकान किराए पर दे रखा है। इसमें बहराइच के थाना पयागपुर क्षेत्र के काली मिश्रपुरवा निवासी मोतीलाल ऑटो सर्विस की दुकान करता है। मोतीलाल मंगलवार दुकान बंद घर चला गया था। इसी मकान में किराए पर रह रहे एटा जिले के थाना निधौली क्षेत्र के नंगला देवा निवासी बंटी, कासगंज जिले के सोरो थाना क्षेत्र के नगला उल्फत निवासी संजय, बुलन्दशहर के पहासू थाना क्षेत्र के गनगगढ़ नंगला बंजारा निवासी आकाश भी पीछे के कमरे में रहते हैं। यह सभी फेरी कर कपड़े बेचते हैं। बुधवार रात करीब 11 बजे अचानक दुकान में धमाका हुआ। इसके बाद आग पूरे मकान में फैल गई। इस दौरान पीछे कमरे में रह रहे लोग पीछे का दरवाजा तोड़कर बाहर निकले। सूचना पर पहुची मल्हीपुर पुलिस ने आसपास के लोगों के सहयोग से आग को काबू किया। अग्निकांड में हजारों रूपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

सीमा पर पुलिस और एसएसबी ने की गश्त

श्रावस्ती, अमृत विचार: इंडो-नेपाल बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ बनाने के लिए गुरुवार शाम सीओ ने सिरसिया पुलिस व एसएसबी जवानों के साथ संयुक्त गश्त की।

सीओ अपराध आलोक कुमार सिंह ने थानाध्यक्ष सिरसिया शैलकांत उपाध्याय व एसएसबी जवानो के साथ इंडो नेपाल बॉर्डर सुइया पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। यहां उन्होंने स्थानीय पुलिस व जवानों के साथ फ्लैग मार्च किया। इस दौरान इंडो-नेपाल सीमा पर तैनात पुलिसकर्मियों को एसएसबी जवानों के साथ समन्वय स्थापित कर रात्रि गश्त बढ़ाने के लिए निर्देशित किया।

एसएसबी की महिला जवानों को संबोधित करतीं गुलशन जहां। अमृत विचार

कार्यशाला आयोजित

श्रावस्ती, अमृत विचार : महिलाएं अपनी शिकायत हेल्पलाइन नंबर पर जरूर करें। ये बातें गुरुवार को एसएसबी 62वीं वाहिनी मुख्यालय भिनगा में सेक्सुअल हैरसमेंट विषय पर आयोजित कार्यशाला में थानाध्यक्ष पुष्पलता ने कहीं। गुलिशता कम्युनिटी डेवलपमेंट कमेटी की गुलशन जहां ने एसएसबी में कार्यरत महिला व पुरुष जवानों को सेक्सुअल हरासमेंट, उससे जुड़े कानूनी अधिकार की जानकारी दी।

उत्साह | **ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न**

खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दम

संवाददाता, श्रावस्ती

प्रतियोगिता में भाग लेतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पीएम श्री विद्यालय जमुनहा में गुरुवार को परिषदीय विद्यालयों की ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता आयोजित हुई। एक दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत बीईओ जमुनहा राज किशोर ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की।

प्रतियोगिता की शुरुआत जमुनहा प्रधान संघ अध्यक्ष भीम सिंह ने 100 मीटर जूनियर बालिका व जूनियर बालक वर्ग की दौड़ का शुभारंभ कर किया। इस दौरान प्राथमिक स्तर बालक वर्ग के 50 मीटर दौड़ में निजामुद्दीन प्रथम, इमरान द्वितीय,इरफान तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ में निजामुद्दीन प्रथम, अजय मिश्रा द्वितीय व इमरान तृतीय स्थान पर रहे। प्राथमिक स्तर में बालिका वर्ग 50 मीटर दौड़ में प्रथम कंचन, द्वितीय नगमा, तृतीय सायबा रहीं। 100 मीटर दौड़ में प्रथम खुशी, द्वितीय कंचन, तृतीय रहनुमा व उच्च प्राथमिक स्तर बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में प्रथम इबरार अली, द्वितीय करन, तृतीय शिवम, उच्च प्राथमिक स्तर बालिका वर्ग की 100 मीटर दौड़ में प्रथम काजल, द्वितीय सायबा, तृतीय हिना रहीं। इस दौरान 200 मीटर व 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, एकांकी, लोकगीत व नृत्य आदि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस दौरान ब्लॉक/जिला व्यायाम शिक्षक वीरेन्द्र सिंह, जनार्दन यादव, आलोक गुप्ता, वीरेन्द्र मिश्र, मुनव्वर मिर्जा, पुंडरीक पांडेय, इमरान हुसैन शाह, वीरेन्द्र मौर्य, रोहित, लक्ष्मी गुप्ता आदि मौजूद थे।

बिजनेस ब्रीफ

आईटीसी ने सीएसई से अपने शेयर हटाए

नई दिल्ली। विविध कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) से अपने शेयर को स्वेच्छा से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। आईटीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि सीएसई ने 20 नवंबर 2025 से आईटीसी के साधारण शेयर को अपनी आधिकारिक एक्सचेंज सूची से स्वैच्छिक रूप से हटाने की मंजूरी दे दी है। यह ध्यान देने योग्य है कि कंपनी के साधारण शेयर, एनएसई और बीएसई पर अब भी सूचीबद्ध हैं। आईटीसी के निदेशक मंडल ने 30 अक्टूबर को हुई बैठक में सेबी (शेयर डीलिस्टिंग) विनियम, 2021 के विनियम 5 व 6 के तहत सीएसई से कंपनी के साधारण शेयर को स्वैच्छिक रूप से हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी।

आईपीओ से पैजसन एग्रो इंडिया जुटाएगा धन

नई दिल्ली। पैजसन एग्रो इंडिया ने एसएमई श्रेणी में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बीएसई लिमिटेड से सैद्धांतिक मंजूरी मिलने की गुरुवार को जानकारी दी। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार, यह 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 63.09 लाख से अधिक शेयर के नए निर्गम पर आधारित है। नए निर्गम से हासिल 57 करोड़ की शुद्ध आय का उपयोग आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दूसरा काजू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

वैल्यू 360 को एसएमई आईपीओ की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। एकीकृत संचार कंपनी वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस लि. को एनएसई से अपने इक्विटी शेयरों को बाजार के एसएमई मंच...इमर्ज पर सूचीबद्ध कराने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। पब्लिक रिलेशन समेत संचार के अन्य कार्यों से जुड़ी कंपनी ने गुरुवार को कहा कि यह मंजूरी सभी नियामक आवश्यकताओं और जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करने पर निर्भर है। वैल्यू 360 कम्युनिकेशंस ने जुलाई में कंपनी से जुड़ी जानकारी को लेकर विवरण पुस्तिका जमा की थी। यह सैद्धांतिक मंजूरी उसके बाद एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक कुणाल किशोर इस मंजूरी की जानकारी दी है।

केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- रुपये के लिए किसी भी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाया, डॉलर की मांग से गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

● मल्होत्रा बोले- आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने रुपये के लिए किसी भी स्तर का लक्ष्य नहीं बनाया है और घरेलू मुद्रा में हाल में आई गिरावट की वजह डॉलर की मांग में तेजी है।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का काफी अच्छा भंडार है और बाह्य क्षेत्र को लेकर चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान में मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रणाली में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है और केंद्रीय बैंक जहां तक संभव हो, आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षा-व्यवस्था को बनाए रखते हुए विनियमनों को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन से जुड़े सवाल पर उन्होंने विश्वास जताया कि भारत, अमेरिका के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करेगा और इससे देश के चालू खाता शेष पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये का हालिया अवमूल्यन व्यापारिक गतिविधियों और अमेरिकी शुल्क मुद्दों के कारण है। मल्होत्रा ने कहा कि हम किसी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाते। रुपये में गिरावट क्यों आ रही है? ऐसा मांग के कारण है...यह एक वित्तीय साधन है। डॉलर की मांग है और यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में गिरावट आती है। यदि रुपये की मांग बढ़ती है तो डॉलर में गिरावट आती है और रुपया मजबूत होता है। अमेरिकी मुद्रा में व्यापक मजबूती एवं अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम होती संभावनाओं के बीच रुपया गुरुवार को 23 पैसे टूटकर 88.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से जुड़े ब्योरे में दिसंबर में नीतिगत दर में कटौती न करने का संकेत मिलने के बाद डॉलर में तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गवर्नर ने कहा कि जिस तरह से भारतीय बैंक प्रदर्शन कर रहे हैं, बहुत जल्द उनमें से कुछ शीर्ष 100 वैश्विक ऋणदाताओं में शामिल होंगे।

दुनिया की शीर्ष 100 बैंकों की सूची में जल्दी होंगे भारतीय बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। मल्होत्रा ने छात्रों को बताया कि कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे। वर्तमान में, केवल भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में शामिल हैं। ये दोनों बैंक क्रमशः 43वें और 73वें स्थान पर हैं। इस महीने की शुरुआत में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा था कि यह मौजूदा बैंकों से नए बैंक बनाने से नहीं हो सकता... विलय भी एक रास्ता हो सकता है। सही मायने में आपको एक ऐसे परिवेश की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह माहौल पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज्यादा गतिशील होने की जरूरत है...।

भारत में इजरायली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर : गोयल

तेल अवीव, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है। गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व हैं।

अक्टूबर में स्थिर रहा आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

रिफाइनरी उत्पादों तथा इस्पात के उत्पादन में वृद्धि तथा बिजली और कोयला उत्पादन में गिरावट के मिश्रित प्रभाव से अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन इस साल अक्टूबर में सालाना आधार पर स्थिर रहा।

अगस्त 2024 के बाद पहली बार आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन शून्य या उससे कम रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर 2024 की तुलना में इस साल रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरकों, इस्पात और सीमेंट का उत्पादन बढ़ा है जबकि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और बिजली के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी है। रिफाइनरी का उत्पादन 4.6%, इस्पात का 6.7, सीमेंट का 5.3 और उर्वरकों का 7.4% बढ़ा है। वहीं, बिजली उत्पादन में 7.6 और कोयला उत्पादन में 8.5% की गिरावट आई। प्राकृतिक गैस का उत्पादन 5 और कच्चे तेल का 1.2% घट गया। इससे पहले, सितंबर 2025 में 8 प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 3.3 और पिछले साल अक्टूबर में 3.8% की गिरावट रही थी। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर की अवधि के लिए सालाना उत्पादन में 2.5% की वृद्धि हुई। इस्पात उत्पादन 10.3 प्रतिशत, सीमेंट उत्पादन 7.3, रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन 0.4 और उर्वरक उत्पादन 0.7% बढ़ा है। वहीं, कोयला उत्पादन में 2, कच्चा तेल में 1.1, प्राकृतिक गैस 3.1 और बिजली में 0.1% की गिरावट रही।

कृषि क्षेत्र 10 साल में 4% की वृद्धि बनाए रख सकता है : नीति सदस्य

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने गुरुवार को कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र 10 साल में आसानी से 4% की वृद्धि दर बनाए रख सकता है। उन्होंने साथ ही देश की गोदाम अवसंरचना को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई के कार्यक्रम में चंद ने कहा कि कृषि उत्पादों की मांग 2.5% की दर से बढ़ेगी। इसलिए, मुझे लगता है कि हम 10 साल में कृषि क्षेत्र में इस 4% की वृद्धि को आसानी से बनाए रख सकते हैं। भारत के कृषि क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि दर्ज की। चंद ने कहा, हमारे कृषि उत्पादों की मांग उस दर से नहीं बढ़ रही है। इन उत्पादों का इस्तेमाल उद्योग के लिए करें, या निर्यात बाजार के लिए करें।

व्यय के रिकॉर्ड को समान वर्गीकरण व्यवस्था अपनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र और राज्यों से लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाने की कैग ने दी सलाह

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र और सभी राज्यों से सरकारी खर्चों को दर्ज करने के लिए मानक श्रेणियों का उपयोग शुरू करने को कहा है। इसका मकसद वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरे देश में लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाना है। कैग का यह कदम व्यय मदों को अलग-अलग दिखाने को लेकर राज्यों के बीच व्यापक अंतर को दूर करने का प्रयास है।

उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सरकारी लेखा) और चेयरपर्सन (जीएएसएबी) जयंत सिन्हा ने कहा कि यह मामला कई पक्षों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। साथ ही विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार के साथ तुलना को भी प्रभावित कर रहा था। कैग ने अलग-अलग स्तर पर व्यय मदों की एक सामान्य सूची अधिसूचित की है। इसे सामान्य तौर पर विभिन्न श्रेणियों में व्यय कहा जाता है। आर्थिक प्रकृति के व्यय को अलग दिखाने में व्यापक विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ केंद्र सरकार के साथ तुलनाओं को भी प्रभावित करती है। अतः, केंद्र और राज्य सरकारों के व्यय के वर्गीकरण के मानकीकरण की जरूरत महसूस की गई है।

कैग कार्यालय द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, कुछ राज्य सरकारों, लेखा महानियंत्रक और रक्षा लेखा महानियंत्रक के अधिकारियों को लेकर एक कार्यसमूह का गठन किया गया। कैग के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, कार्यसमूह की सिफारिशों और इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार के साथ बातचीत के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों पर लागू एक समान व्यय मदों की संरचना लागू की जा सकती है। इसमें कहा गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सामान्य मदों की संशोधित सूची को तैयारियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए अपनाया जा सकता है। तरजीही रूप से वित्त वर्ष 2027-28 से प्रभावी होना चाहिए।

सिन्हा ने कहा कि व्यय के वस्तु मदों को सुसंगत बनाने वाली कैग की अधिसूचना राज्यों के बजट और लेखा ढांचे को प्रभावित करने वाले दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करेगी और राष्ट्रीय सार्वजनिक व्यय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार होगा। विशेष रूप से राज्यों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना कैग की रणनीतिक योजना का एक प्रमुख हिस्सा है। उच्च गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षण और लेखांकन के माध्यम से जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने और सभी हितधारकों को स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के कैग के मिशन का अभिन्न अंग है।

राष्ट्रीय

बुद्धिजीवी आतंकवादी बन रहे जो अधिक खतरनाक होते हैं

पुलिस ने टिप्पणी करते हुए आरोपियों की जमानत का किया विरोध

दिल्ली दंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो वे जमीनी स्तर पर गतिविधियां संचालित कर रहे आतंकवादियों से अधिक खतरनाक होते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों का देश विरोधी कामों में शामिल होना अब एक चलन बन गया है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ को बताया कि सुनवाई में देरी आरोपियों की वजह से हुई है और वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सकते। राजू ने नागरिकता संशोधन कानून के ख़िलाफ़ इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो शीर्ष अदालत में दिखाए। वीडियो में इमाम को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से पहले 2019 और 2020 में चाखंड, जामिया, अलीगढ़ और आसनसोल में भाषण देते हुए देखा गया। इमाम इंजीनियरिंग स्नातक है। राजू ने कहा कि यह कोई साधारण नहीं है। ये हिंसक प्रदर्शन हैं। वे नाकेबंदी की बात कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति कुमार ने पूछा कि क्या भाषण आरोपपत्र का हिस्सा थे, जिसका राजू ने 'हां' में जवाब दिया। एएसजी ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शन को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान जानबूझकर किया गया था ताकि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया जा सके। असल मकसद सत्ता परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का गला घोंटना और देश में अराजकता पैदा करना था। खालिद, इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर और रहमान पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। यह हिंसा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के दौरान भड़की थी।

अब 61 वर्ष में सेवानिवृत्ति होंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष कर दी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एक अंतरिम आदेश में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लिए गए इसी तरह के एक फैसले का हवाला दिया। पीठ ने पूछा कि जब राज्य सरकार ऐसा करने को तैयार है तो न्यायिक अधिकारियों को राहत देने से क्यों इन्कार किया जाए। पीठ ने कहा कि यह कहने की जरुरत नहीं है कि न्यायिक अधिकारियों के साथ राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी भी उसी सरकारी खजाने से वेतन प्राप्त करते हैं। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष है। न्यायालय ने कहा कि किसी भी मामले में हाईकोर्ट के न्यायाधीशों और जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु में एक वर्ष का अंतर होता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं और अब मध्य प्रदेश में जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष होगी।

राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक की बढ़ी अवधि

सेना पर की टिप्पणी का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। पीठ ने गांधी से उनकी कथित टिप्पणी को लेकर पहले कहा था, आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है? उसने कहा, बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।

दो विधायकों का मंत्री बनना पिता के सपने का सच होना : चिराग

पटना, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की नई सरकार में उनकी पार्टी के दो विधायकों को जगह मिलना एक बड़ी जीत है, जिसका सपना उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान ने देखा था।

चिराग ने कहा कि चुनावी जनादेश ने पार्टी पर विकसित बिहार की दिशा में काम करने की बड़ी जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। आज का दिन राम विलास पासवान जी को याद करने का है और बिहार को विकसित बनाने के लिए काम करने का है। यह बड़ा दिन है और इस दिन मैं सबसे पहले अपने नेता व पिता माननीय राम विलास पासवान जी को याद करता हूं। लोजपा (रामविलास) ने विधानसभा चुनाव में 19 सीट पर जीत हासिल की, जिनमें से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को मंत्री पद की शपथ ली। चिराग ने कहा कि मुझे पता है कि आज वह (राम विलास पासवान) सबसे ज्यादा खुश होते, जिस ऊंचाई पर वह हमारी पार्टी को देखना चाहते थे, आज पार्टी वहां पहुंची है। आज हमारी पार्टी के दो मंत्रियों ने शपथ ली। परिणाम बताते हैं कि पार्टी ने निश्चित रूप से बड़ी जीत हासिल की है। और मेरा मानना है कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारियां भी आती हैं। मैं उन जिम्मेदारियों से पूरी तरह अवगत हूं।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब अपने विजन को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू करेगी। चिराग ने कहा कि आज से ही विकसित बिहार बनाने, बिहार को प्रथम और बिहारी को प्रथम बनाने की दिशा में हम तुरंत कार्य शुरू करेंगे। राजग सरकार में भाजपा के 89, जदयू के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) के चार विधायक शामिल हैं।

नीतीश मंत्रिपरिषद में हुई जातीय संतुलन साधने की कोशिश

पटना। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और नई मंत्रिपरिषद में जातीय आधार पर संतुलन साधने की पूरी कोशिश की गई है। मंत्रिपरिषद में भाजपा से जहां 14 मंत्री हैं, वहीं जदयू को आठ मंत्री पद मिले हैं। लोजपा (रामविलास) को दो तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को एक-एक मंत्री पद मिला है। मंत्रिपरिषद में ब्राह्मण समुदाय की हिस्सेदारी में काफी कमी देखने को मिली है। पिछली मंत्रिपरिषद में भाजपा ने मंगल पांडे और नीतीश मिश्रा को शामिल किया था, लेकिन इस बार भाजपा और जदयू ने ब्राह्मण प्रतिनिधित्व को आधे से भी कम कर दिया है। भाजपा की ओर से केवल मंगल पांडे को जगह मिली है। राजपूत समुदाय को इस बार सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है। भाजपा ने संजय सिंह टाइगर, श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह और संजय सिंह जैसे चार नेताओं को शामिल कर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को मजबूत करने का संकेत दिया है। भूमिहार समुदाय के दो प्रमुख चेहरों में विजय कुमार सिन्हा और विजय चौधरी के माध्यम से गठबंधन ने संतुलन बरकरार रखा है। इससे यह संदेश गया है कि यह समुदाय अब भी सत्ता समीकरण में महत्वपूर्ण है। कायस्थ समुदाय का प्रतिनिधित्व शहरी राजनीति के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भाजपा ने नितिन नवीन को मंत्री बनाकर राजधानी पटना तथा शिक्षित मध्यमवर्गीय मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है।

बिहार की नई सरकार विकसित भारत में देगी योगदान: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें भरोसा है कि राज्य में नई राजग सरकार राज्य की तरक्की को तेज़ करेगी और देश को विकसित भारत बनाने में मदद करेगी। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर पुनः शपथ लेने पर दिल से बधाई। उप मुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और आज पद संभालने वाले सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि नयी राजग सरकार बिहार की तरक्की को तेज़ करेगी और विकसित भारत की हमारी यात्रा में योगदान देगी।

नई सरकार लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतररक वादों को करे पूरा : तेजस्वी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने एक्स पर नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। राजद नेता ने कहा, नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी।

हिंसा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ रहे नक्सली : मुर्मू

अंबिकापुर, एजेंसी

● छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव होगा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा। यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लिया। यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे। मुर्मू ने कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज आगे बढ़ता है।

मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला विश्व कप जीतने वाली क्रिकेट टीम के साथ हाल ही में हुई मुलाकात को याद करते हुए आदिवासी महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ की तारीफ की। मातृ-शक्ति या महिला-शक्ति के स्मरण से मुझे विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की याद आई। उन सभी बेटियों से मैं हाल ही में राष्ट्रपति भवन में मिली थी। जनजातीय समाज की बेटी क्रांति गौड़ ने उस टीम में अपना विशेष स्थान बनाया है।

दिल्ली में एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता सातवें दिन भी बेहद खराब रही। गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 398 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, 40 में से 21 केंद्रों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। डीटीयू, बुराड़ी, चांदनी चौक, आनंद विहार, मुंडका, ओखला, बवाना और वजीरपुर उन केंद्रों में थे जहां एक्यूआई 400 से ऊपर रहा। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री रहा, अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

हम अब भी भारत में खेल रहे हैं। हम इस तरह की सतहों पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। हां, गुवाहाटी अलग हो सकता है लेकिन मिट्टी भारत में ही कहीं से आई होगी। हम इन हालात को जानने या इन हालात में बहुत तेजी से ढलने के लिए खुद पर विश्वास करना और उनका समर्थन करना चाहेंगे।

-आकाश चोपड़ा

स्टेडियम

अयोध्या, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गोल्फर दीक्षा डागर ने स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने आखिरी दौर में 11 अंडर स्कोर करके बृहस्पतिवार को बधिर ओलंपिक में स्वर्ण पदक बरकरार रखा । चौबीस वर्ष की दीक्षा ने 2017 बधिर ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करके रजत पदक जीता था जब पहली बार खेलों में गोल्फ को शामिल किया गया था । इसके बाद 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था । दीक्षा ने पहले दिन चार अंडर 68 स्कोर किया जिसके बाद 65 और 72 स्कोर रहा । जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में भाग लेने वाली दीक्षा इसके एक साल बाद 18 वर्ष की उम्र में लेडीज यूरोपीय टूर पर जीत दर्ज करने वाली अदिति अशोक के बाद दूसरी गोल्फर बनी थी । तोक्यो ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) से खेलने का अचानक न्योता पाने वाली दीक्षा ने 54 होल में 26 अंडर स्कोर किया ।

प्रणवी ने आईजीपीएल खिताब जीता

मुंबई : प्रणवी उर्स बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

इटली डेविस कप सेमीफाइनल में

बोलोगना (इटली) : दो बार की गत चैम्पियन इटली ने आस्ट्रिया को 2 . 0 से हराकर डेविस कप टेनिस सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना बेल्जियम से होगा । इटली के लिये फ्लावियो कोबोली ने फिलिप मिसोलिच को 6 . 1, 6 . 3 से हराकर दूसरा मुकाबला जीता । इससे पहल मातेओ बेरेटिनी ने जुरिज रोडियोनोव को 6 . 3, 7 . 6 से मात दी थी । इटली लगातार 12 डेविस कप मुकाबला जीत चुका है । आखिरी बार उसे 2023 में कनाडा ने ग्रुप चरण में हराया था । अन्य मुकाबलों में स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा जबकि जर्मनी की टक्कर अर्जेंटीना से होगी ।

रेयान विलियम्स को मिली फीफा की स्वीकृति

नई दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि रेयान विलियम्स भारतीय टीम में चयन के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हैं क्योंकि उन्हें अपनी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता छोड़ने के बाद सदस्य संघ बदलने के लिए खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा की मंज़ूरी मिल गई है। पर्थ में जन्मे 32 साल के फारवर्ड विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिक बनने के लिए अपना ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट छोड़ दिया था। विलियम्स इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरु एफसी के लिए खेलते हैं। एआईएफएफ ने कहा फीफा के प्लेयर्स स्टेटस चैंबर ने 19 नवंबर 2025 को अपना आखिरी फैसला जारी किया जिसमें रेयान विलियम्स के संघ बदलने के अनुरोध को मंज़ूरी दी गई जिससे वह भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हो गए।

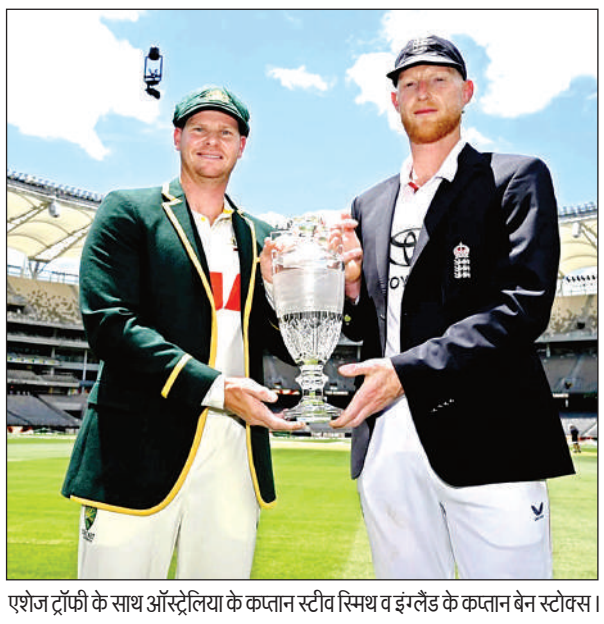

एशेज ट्रॉफी के साथ ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ व इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स।

ऑस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही एशेज शृंखला से पहले यक्षप्रश्न यह है कि क्या इंग्लैंड ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म कर सकेगा।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड ने 13 गंवाये और दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक भी जीत नहीं मिल सकी। आखिरी बार 2010-11 में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था। अगले सात सप्ताह तक पांच शहरों में चलने वाली एशेज शृंखला से पहले कई बड़े सवाल खड़े हैं। क्या उम्मदराज और प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही आस्ट्रेलियाई टीम अपनी सरजमीं पर 2010-11 से चला आ रहा अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी। क्या बेन स्टोक्स इंग्लैंड को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर लंबे अर्से बाद एशेज दिला सकेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर जिम्मेदारी बढ जाएगी। ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं जिससे आस्ट्रेलियाई पुरूष टेस्ट एकादश में पहली बार दो देशी खिलाड़ी होंगे। कैमरन ग्रीन हरफनमौला की तरह खेलेंगे।

मार्नस लाबुशेन व एंड्रू मैकडोनाल्ड।

ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिल सकता है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं जनवरी में यहां से रवाना होते समय उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इतिहास के बारे में काफी बातें होती है लेकिन अब हमारे पास अपना इतिहास रचने का मौका है। इंग्लैंड टीम में जोफ्रा आर्चर तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभालेंगे जिनका साथ देने के लिये मार्क वुड हैं। स्टोक्स खुद गेंदबाजी करेंगे और तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स तथा गुस एटकिंसन को भी मौका मिल सकता है ।

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), जैक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कारी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, ब्रेंडन डोगेट, स्कॉट बोलैंड, उस्मान ख्वाजा

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर।

गिल नहीं खेल पाएंगे गुवाहाटी टेस्ट, पंत करेंगे कप्तानी

गले में ऐंठन दोबारा न हो, इसलिए कप्तान को दी गई और आराम की सलाह, अब वनडे सीरीज पर भी पड़ेगा असर

गुवाहाटी, एजेंसी

शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार रिपीट शनिवार को गुवाहाटी में शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे।

माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उनकी गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा ज्यादा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है। इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से, इंडिया को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना होगा। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया गया था। तीसरे दिन बीसीसीआई ने कहा वह टेस्ट में हिस्सा नहीं लेंगे।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

शुभमन का आज होगा फिटनेस टेस्ट

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में ऐंठन के शिकार हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल का फिटनेस टेस्ट शुक्रवार को होगा। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने अभ्यास सत्र से पहले कहा वह तेजी से फिट हो रहा है क्योंकि मैं उससे कल ही मिला था। उसे एक मैच के लिये और आराम दिया जाएगा। शुभमन जैसा खिलाड़ी और वह कप्तान भी है तो टीम को उसकी कमी खलेगी। हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वे पेशेवर हैं और टीम के लिये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं । हम उम्मीद करते हैं कि शुभमन खेलेगा लेकिन नहीं भी खेलता है तो हमारे पास विकल्प हैं।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खेलने पर असमंजस कायम

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा ने भारत के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में कगिसो रबाडा के खेलने की संभावना से इन्कार नहीं किया, लेकिन इस मुख्य तेज गेंदबाज ने बृहस्पतिवार को ट्रेनिंग में हिस्सा नहीं लिया। दुनिया के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज आक्रमण का अहम हिस्सा रबाडा मैच से पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान पसलियों में चोट लगने के कारण कोलकाता में पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे। बोथा ने दूसरे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज के खेलने की संभावना पर कहा हम कागिसो रबाडा पर नजर रख रहे हैं और अगले 24 घंटे में फैसला करेंगे। गुवाहाटी पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है और बरसापारा स्टेडियम की पिच से दोनों टीम अनजान हैं। बोथा ने पिच के बारे में कहा हमें बताया गया है कि विकेट (गुवाहाटी में) बल्लेबाजी के लिए अच्छा है। लेकिन आप घास रखते हैं या नहीं, इससे बहुत फर्क पड़ता है। दो दिन बचे हैं, हमें यह देखने के लिए इंतजार करना होगा कि क्या यह समय से पहले टर्न लेना शुरू करती है। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच को उम्मीद है कि ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में मेहमान टीम की यादगार जीत के नायकों में से एक ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर अंतिम मैच में भी भारतीय बल्लेबाजों को चित्त कर देंगे। साथ ही उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की दिक्कत से भी इनकार किया। बोथा ने कहा साइमन हार्मर के कंधे में कोई दिक्कत नहीं है। अगर गेंद कोलकाता की तरह जल्दी टर्न होने लगे तो बल्लेबाजी क्रम में इतने सारे बाएं हाथ के बल्लेबाज होने पर वह खतरनाक हो जाएंगे। उन्होंने कहा(हमने) आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

भारत के लिए हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं: कुलदीप

गुवाहाटी : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं। कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी-20 शृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला खेलने स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए हालांकि भारत 30 रन से हार गया था।

सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे, लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है । भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा हर किसी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। सभी को इसमे मजा आता है, लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण भी है । अगले चार पांच साल टेस्ट क्रिकेट में मेरे लिए काफी अहम हैं तो मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह से खेलने पर फोकस करूंगा। उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर वह स्पष्ट है और टीम प्रबंधन के सहयोग से वह आक्रामक मानसिकता के साथ खेल पाते हैं । कुलदीप ने कहा एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर मैं काफी स्पष्ट हूं। मुझे अपनी भूमिका पता है।

गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में पिच का निरीक्षण करते भारतीय खिलाड़ी।

अगर वे घास काटेंगे तो फर्क पड़ेगा : बोथा

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा, लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे। दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है।

बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और

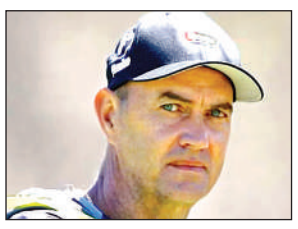

घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी। लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था। बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आ धा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा, ''मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, ज़ाहिर है यह थोड़ा ठंडा होगा। रात में काफी गर्मी होती है लेकिन ज़ाहिर है थोड़ी अधिक नमी होगी इसलिए मुझे लगता है कि पहले घंटे में नई गेंद की भूमिका होनी चाहिए। बोथा ने कहा अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विक ल्प है लेकिन अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

घर में खेलने का फायदा नहीं छीना जा सकता : आकाश

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों गुवाहाटी की पिच से अनजान हैं लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऐसी पिच पर खेलने के अपने पहले के अनुभव के कारण घरेलू टीम अब भी थोड़े फायदे की स्थिति में है।

कोलकाता टेस्ट 30 रन से हारने के बाद भारत की नजरें दो मैच की सीरीज को बराबर करने पर टिकी हैं, लेकिन पहली बार टेस्ट की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में खेलना उसके लिए नई चुनौती होगी। चोपड़ा ने कहा किसी को भी नहीं पता कि गुवाहाटी में क्रिकेट कैसे खेला जाएगा क्योंकि यह एक नया टेस्ट स्थल है। उन्होंने कहा अगर आप वहां पहली बार खेल रहे हैं तो पिच शुभमन गिल या साई सुदर्शन या ऋषभ पंत के लिए उतनी ही अच्छी है जितनी तेम्बा बावुमा या रेयान रिकेलटन के लिए है। इसलिए यह दोनों टीम के लिए एक चुनौती है। भारत के पूर्व बल्लेबाज को कोई शक नहीं कि भारत को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा।

सात्विक-चिराग, लक्ष्य व आयुष क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

सिडनी,एजेंसी

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और लक्ष्य ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया।

आज यहां पुरुष एकल वर्ग में 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उलटफेर करते हुए जापान के नाराओका को 21-17, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। आयुष शेट्टी शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में लक्ष्य सेन से मुकाबला करेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की। वे सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे। इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे। इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से हराया। भारत के दुनिया के 35वें नंबर के एचएस प्रणय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-19, 21-10 से हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड नंबर वन किदांबी श्रीकांत को भी हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

सात्विक-चिराग। फाइल फोटो

विश्व मुक्केबाजी कप | भारतीय महिलाओं ने देश के लिए ऐतिहासिक दिन बनाया, 2028 ओलंपिक के लिए बढ़ेगा आत्मविश्वास

नूपुर, मीनाक्षी, प्रीति और अरुंधति ने स्वर्ण पदक जीते

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

भारत की महिलाओं ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में देश के लिए उस समय एक ऐतिहासिक दिन बनाया, जब मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और नूपुर (80 किग्रा) ने शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खचाखच भरे स्टेडियम के सामने स्वर्ण पदक जीते।

उनकी जीत कई खास डिवीजन में हुई जो 2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल होंगे, जहां बॉक्सिंग पूरी तरह से जेंडर बराबरी की ओर बढ़ रही है और जो लॉस एंजेलिस की राह पर भारत की बढ़ती कॉम्पिटिटिव ताकत को दिखाता है। उनके शानदार प्रदर्शन ने मेजबान देश के लिए एक शानदार कैंपेन को खत्म

नूपुर

अरुंधति चौधरी

प्रीति।

किया, जिसमें जदुमणि सिंह, पवन बर्तवाल, अभिनाश जामवाल और अंकुश फंगल ने भी रजत पदक जीते, जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों की ओलंपिक-क्लास वेट कैटेगरी में भारत का बढ़ता रुतबा दिखा। सेशन 7 में सात और भारतीय स्वर्ण पदक के लिए लड़ेंगे, जिनमें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन लैम्बोइरा, दो बार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन निकहत ज़रीन और दो बार के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया शामिल हैं। मीनाक्षी ने मौजूदा एशियन चैंपियन फरज़ोना फोज़िलोवा पर लगभग बिना किसी गलती के 5:0 से जीत हासिल करके दिन का माहौल बनाया, और शुरुआती घंटी से ही अपना ट्रेडमार्क आक्रामकता दिखाई। वर्ल्ड चैंपियन ने स्पीड के साथ बहुत तेज एक्यूरेसी का मेल किया, राउंड 1 में ज़बरदस्त लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन से बाउट शुरू किया और ज़ोरदार जैब, क्लीन काउंटर और एयरटाइट डिफेंस के जरिए पूरा कंट्रोल बनाए रखा। प्रीति ने एक और जबरदस्त 5:0 का परफॉर्मेंस दिया, जिसमें उन्होंने इटली की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट सिरिन चर्राबी पर लगातार दबाव बनाया।

अरुंधति ने अजीजा को 5-0 से हराया

अरुंधति चौधरी ने दिन का सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5-0 से हराया। 18 महीने बाद वापसी करते हुए, उन्होंने तेज अटैक और अनुशासित डिफेंस का मिक्सचर किया, डिसाइसिव जैब से खूब स्कोर किया और तीनों राउंड में पूरा टैक्टिकल कंट्रोल बनाए रखा। स्वर्ण पदक की बढ़त तब जारी रही जब नूपुर ने एक टेंशन भरे, टैक्टिकल मुकाबले में उज़्बेकिस्तान की सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 3 :2 से हराया। पुरुषों के फाइनल में, भारत ने अपनी गिनती में चार रजत पदक जोड़े। जदुमणि सिंह (50) ने दिल से मुकाबला किया लेकिन उज़्बेकिस्तान के असिलबेक जलीलोव से 1 :4 से हार गए।